दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन ( हरियाणा ) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

# भारत देश हमारा

करनाल

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

मुख्य सम्पादक – जगजीत सिंह दर्दी    संपादक – डा.के.के.संधू    प्रबन्ध संपादक: सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227    वर्ष 8    अंक 169    शुक्रवार 20 जून, 2025    Friday 20 June , 2025    मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 12    मोब :9416406615,7404278000,9215537704

## दोस्त के साथ दौड़ते-दौड़ते 19 साल के लड़के को आया हार्ट अटैक, मौत

नैनीताल 19 जून (निस) : शहर के अपर माल रोड निवासी एक 19 वर्षीय बीसीए का छात्र बुधवार सुबह दौड़ने के दौरान बेसुध होकर गिर गया। युवक को बीडी पांडे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया युवक की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। हालांकि, युवक की मौत की सही वजह ( शेष पृष्ठ दो पर )

# युद्ध से नहीं बातचीत और कूटनीति से निकलता है समाधान –पीएम मोदी

## क्रोएशिया के पीएम प्लेंकोविच से मिले प्रधानमंत्री मोदी

जगरेब 19 जून (निस) : इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग को लेकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बड़ी नसीहत दी है। उन्होंने कहा है कि दुनिया में कहीं भी युद्ध से समाधान नहीं निकल सकता है, इसका सबसे बेहतर तरीका है कि आपसी बातचीत और कूटनीति से समाधान निकालें।प्रधानमंत्री ने क्रोएशिया दौरे पर एक बार फिर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। मैं क्रोएशियाई प्रधानमंत्री को पहलगाम हमले के बाद हमें दिए गए समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग पर भी पीएम का रिएक्शन सामने आया। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि युद्ध से समस्याओं का समाधान नहीं होता। बातचीत और कूटनीति से ही समस्याओं का समाधान निकलेगा।पीएम मोदी ने कहा कि चाहे यूरोप हो या एशिया, समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के सम्मान को भी जरूरी बताया। इस दौरे ने न केवल द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊंचाई दी बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भारत की स्पष्ट और मजबूत भूमिका को भी रेखांकित किया। क्रोएशिया से एक लॉन्ग–टर्म रक्षा सहयोग योजना की घोषणा की गई, जिसमें सैन्य ट्रेनिंग, मिलिट्री एक्सचेंज और रक्षा उद्योगों में सहयोग पर जोर रहेगा। इसके अलावा दोनों देशों ने फार्मा, कृषि, सूचना तकनीक, क्लीन टेक, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी और सेमीकंडक्टर सेक्टर में भागीदारी बढ़ाने का संकल्प लिया। बताया गया कि दोनों देशों के बीच शिपबिल्डिंग और साइबर सिक्योरिटी जैसे नए क्षेत्रों में भी सहयोग की दिशा में कदम बढ़ेंगे। आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए पीएम मोदी ने इसे मानवता का दुश्मन बताया। उन्होंने 22 अप्रैल को भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ( शेष पृष्ठ दो पर )

# खतरनाक होती जा रही जंग : इजराइल ने बरसाए सौ से अधिक बम, ईरान ने तबाह किया सबसे बड़ा अस्पताल

## पीछे हटने को तैयार नहीं खामेनेई, अमेरिका बड़े हमले की फिराक में, रुस ने दी सख्त चेतावनी

तेल अवीव 19 जून (निस) इजरायल ने बुधवार की देर रात ईरान के कई ठिकानों पर हमले किए। इसमें ईरान के न्यूक्लियर इंफ्रास्ट्रक्चर, मिसाइल प्रोडक्शन साइट और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। इजरायल ने ईरान के अराक हैवी वाटर रिएक्टर को भी तबाह कर दिया। इजरायल की डिफेंस फोर्स ने बताया कि इस ऑपरेशन के लिए 40 फाइटर एयरक्राफ्ट को काम पर लगाया गया था। इजरायल ने 100 से अधिक बमों को गिराकर अराक हैवी वाटर रिएक्टर और नतांज के पास न्यूक्लियर हथियार डेवलपमेंट से जुड़े फेसिलिटी को तबाह कर दिया।

**अराक रिएक्टर हुआ तबाह–** अराक रिएक्टर का निर्माण पहली बार 1997 में शुरू हुआ था। लेकिन यह आंशिक रूप से ही बन पाया था। 2015 में जब जॉइंट कॉम्प्रीहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन पर सहमति बनी, तो ईरान ने प्लूटोनियम के उत्पादन में इसका इस्तेमाल न करने की बात कही। अराक रिएक्टर चालू नहीं है, लेकिन इजरायल ने अब इसकी गुंजाइश को ही खत्म कर दिया है। ईरान की राजधानी तेहरान से 280 किलोमीटर दूर स्थित इस रिएक्टर में कोई न्यूक्लियर मैटेरियल नहीं था, इसलिए इससे रेडियोलॉजिकल इफेक्ट की संभावना भी नहीं बनती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी ईरान के साइट्स पर हमले की पुष्टि की है।

**ईरान का इजराइल को कड़ा जवाब: सोरोका मेडिकल सेंटर पर दागी मिसाइल** – ईरान और इजराइल के बीच छठे दिन भी जंग जारी रही। गुरुवार सुबह ईरान की एक मिसाइल ने इजराइल के मुख्य अस्पताल सोरोका मेडिकल सेंटर पर सीधी टक्कर मारी। यह अस्पताल इजराइल के दक्षिणी हिस्से का सबसे बड़ा चिकित्सा केंद्र है। हमले में कई लोग घायल हो गए और अस्पताल को गंभीर नुकसान पहुंचा। अस्पताल प्रशासन ने लोगों से कहा है कि वे इलाज के लिए वहां न आएं। बीर शेबा में सोरोका मेडिकल सेंटर के प्रवक्ता ने बताया कि हमले में अस्पताल को ''भारी नुकसान हुआ है और लोग घायल हुए हैं। अस्पताल ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे इलाज के लिए न आएं। अस्पताल की वेबसाइट के अनुसार, इस ( शेष पृष्ठ दो पर )

## सोनिया गांधी की सेहत में सुधार, अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली 19 जून (निस) : कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट से जुड़ी समस्या के उपचार के बाद बृहस्पतिवार को सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी।बीते 15 जून को 78 वर्षीय सोनिया गांधी को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर है। उन्होंने कहा, ''उन्हें छुट्टी दे दी गई है और अस्पताल से बाहर रहते हुए उनका उपचार जारी रहेगा।'' डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सहित सोनिया का उपचार करने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि उन पर इलाज का अच्छा असर हुआ है। चिकित्सकों ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''उन्हें पेट में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था, जिसे दवाओं से नियंत्रित कर लिया गया है। उनकी हालत में ( शेष पृष्ठ दो पर )

## लुधियाना उपचुनावः करीब 54 प्रतिशत मतदान शांतिपूर्वक संपन्न,वोटरों में उत्साह कम रहा,देश की चार अन्य सीटों पर भी मतदान

लुधियाना 19 जून (निस) विधानसभा हलका लुधियाना वेस्ट में उपचुनाव को लेकर आज सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ, जोकि शाम 6 बजे सम्पन्न हुआ। बताया जा रहा है कि शाम 6 बजे तक 54 प्रतिशत मतदान हुआ है। बता दें कि इस उपचुनाव के नतीजा 23 तारीख को आएगा। इस सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक गुरप्रीत गोगी की गोली लगने से मौत हो गई थी, जिसके चलते ये सीट खाली हो गई थी। लुधियाना वेस्ट सीट पर होने वाले उपचुनाव में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चुनावी दंगल में कांग्रेस से पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु, आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा, बीजेपी के जीवन गुप्ता व शिरोमणि अकाली दल ने एडवोकेट परुपकार सिंह घुम्मन उतरे हैं। अब देखना यह है कि इन चुनावों में कौन पार्टी बाजी मारती है और किस उम्मीदवार के सिर पर ताज सजेगा।

**तकनीकी खराबी से रुका मतदान**

विधानसभा क्षेत्र पश्चिमी के लिए मतदान शुरू हो गया है। सुबह के समय लोग घर से निकलकर वोट डालने पोलिंग बूथ पर पहुंच रहे हैं। इस दौरान मॉडल टाउन के मॉडल स्कूल में 107 नंबर पोलिंग बूथ पर मशीन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण आधे घंटे तक पोलिंग रुकी रही है। बुजुर्ग हरपाल सिंह भाटिया ने कहा कि उनका यहां पर ड्यूटी है। मगर डेढ़ घंटे से मशीन ठीक नहीं होने के कारण वोटिंग रुका रहा और लोग परेशान होकर वापस लौटने लगे। जिला चुनाव अधिकारी व डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन की तरफ से अलग–अलग पोलिंग बूथ का दौरा किया गया है, इस दौरान उनकी तरफ से लोगों को मतदान करने की अपील की गई है। उनका कहना है कि मतदान को लेकर सभी तरह के प्रबंध हैं और लोग बिना डरे घरों से बाहर निकलें और मतदान करें। चार राज्यों की 5 सीटों पर वोटिंग ( शेष पृष्ठ दो पर )

## बैकफुट पर ट्रम्प : भारत और पाकिस्तान के दो समझदार नेताओं ने रोका परमाणु युद्ध

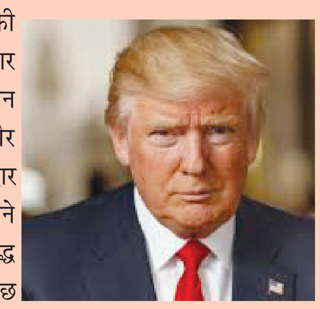

नई दिल्ली 19 जून (निस) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार बैकफुट पर आते हुए आप्रेशन सिंदूर पर कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो ''बहुत समझदार नेताओं ने एक ऐसे युद्ध को रोकने का ''निर्णय लिया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। पिछले कुछ हफ्तों में यह पहली बार है जब ट्रंप ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रोकने का श्रेय खुद नहीं लिया है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की दोपहर के भोजन पर मेजबानी करने के बाद ओवल कार्यालय में मीडिया से बातचीत में ये टिप्पणियां कीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह मुनीर से मुलाकात कर ''सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या मुनीर के साथ हुई बैठक में ईरान पर चर्चा की गयी, ट्रंप ने कहा, ''खैर, वे ईरान को बहुत अच्छी तरह, ज्यादातर लोगों से बेहतर जानते ( शेष पृष्ठ दो पर )

## भारत में 'वन नेशन, वन टाइम' की ओर बड़ा कदम,जल्द लागू होगा नया समय नियम

नई दिल्ली 19 जून (निस) : देश में समय प्रणाली को एकरूप बनाने के लिए भारत सरकार जल्द ही 'लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) नियम, 2025' अधिसूचित करने जा रही है। यह जानकारी उपभोक्ता मामले और खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को दिल्ली में 'राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस ऑन टाइम डिसेमिनेशन' के दौरान दी। उनका कहना है कि यह पहल देशभर में एक समान समय प्रणाली लागू करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगी।

**देश में सिर्फ IST होगा मान्य समय** – वर्तमान में देश के कई अहम सेक्टर जैसे बैंकिंग, टेलीकॉम, ट्रांसपोर्टेशन और इंटरनेट विदेशी टाइम स्रोत जैसे GPS टाइम पर निर्भर हैं, जिससे समय में असमानता, डेटा असुरक्षा और बिलिंग में भ्रम जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मंत्री जोशी ने कहा, अब घड़ियों का मिलान जरूरी है, क्योंकि डेटा आधारित युग में समय में फर्क भारी डिजिटल गड़बड़ी ला सकता है।

**अत्याधुनिक एटॉमिक क्लॉक लैब्स बन रहीं हैं** – सरकार ने CSIR-NPL (नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी) और ISRO के सहयोग से 'टाइम डिसेमिनेशन प्रोजेक्ट' शुरू किया है, ( शेष पृष्ठ दो पर )

## हिमाचल में सियासी हलचल बढ़ी:मंत्री चंद्र कुमार के इस्तीफे की अटकलें तेज,बेटे ने किया बड़ा दावा

शिमला 19 जून (निस) : हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार एक बार फिर सियासी संकट के घेरे में आती दिख रही है। दरअसल मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कैबिनेट में शामिल सबसे वरिष्ठ मंत्री चंद्र कुमार के इस्तीफे की अटकलों का बाजार गर्म किए हुए है। ऐसे में उनके बेटे और पूर्व विधायक नीरज भारती ने सोशल मीडिया पर एक बड़ा दावा करते हुए कहा है, कि चंद्र कुमार आज गुरुवार को ही अपने मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले हैं।मंत्री चंद्र कुमार के बेटे नीरज भारती ने इससे पहले बुधवार को अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, कि जहां दलालों के काम होते हैं, वहां मंत्री बनने का क्या फायदा? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी में निर्णय लोकतांत्रिक तरीके से नहीं लिए जा रहे हैं। हालांकि, शाम को उन्होंने एक और पोस्ट में यह कहा कि चंद्र कुमार को कुछ आश्वासन मिले हैं और वे मुख्यमंत्री सुक्खू से मुलाकात कर स्थिति स्पष्ट करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच यह भी उल्लेखनीय है कि चंद्र कुमार बुधवार को ही मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ शिलाई और ( शेष पृष्ठ दो पर )

## ऑपरेशन सिंधु से लौटी खुशियों की मुस्कान, ईरान से110 भारतीय छात्रों को निकाला

नई दिल्ली 19 जून (निस) : इजरायल और ईरान के बीच हो रही बमबारी में सैकड़ों छात्रों की जान खतरे में थी। केंद्र की मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंधु चलाकर इन्हे निकालने का काम शुरु कर दिया है। भारत ने ईरान में फंसे 110 भारतीयों की सुरक्षित वापसी करवाई है। ऑपरेशन सिंधु के तहत इन भारतीय छात्रों को लेकर पहला विमान गुरुवार को आर्मेनिया के येरेवन से नई दिल्ली पहुंचा। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में रहने वाले छात्रों को भारतीय दूतावास के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निकाला गया है। विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, भारतीय दूतावास की मदद से तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल लिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ईरान और अर्मेनिया की मदद की सराहना भी की है। बता दें कि संघर्ष शुरू होने के बाद से ही ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है, जिससे फंसे नागरिकों की मुसीबतें और बढ़ गईं। वहीं आस पास के देशों में भी दर्जनों एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं। इसके बाद ( शेष पृष्ठ दो पर )

## जी-7 में अपने भाषण से फिर छा गये पीएम मोदी, भाषण पर तालियां बजाते रहे वैश्विक नेता, भारत-कनाडा संबंधों में आया बड़ा सुधार

कनानास्किस 19 जून (निस) : एक दशक में अपनी पहली कनाडा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं का तो दिल जीता ही साथ ही खालिस्तान समर्थक उन तत्वों को भी कनाडा की धरती से करारा जवाब दिया जो वहां से भारत विरोधी गतिविधियां चलाते हैं। वैश्विक संघर्षों से जूझते विश्व और तमाम चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया के समक्ष प्रधानमंत्री मोदी ने जो हल सुझाये हैं वह सभी को भाये। इसके अलावा जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर मुलाकात नहीं हो पाने के लिए अफसोस जताया और जिस तरह जी–7 देशों के अन्य राष्ट्राध्यक्षों की प्रधानमंत्री मोदी के साथ सार्थक मुलाकातें हुईं वह दर्शा रही हैं कि भारत अब विश्व का नेतृत्वकर्ता बनने की ओर अग्रसर है। जी–7 शिखर सम्मेलन में भले विकसित देशों के कई मुद्दों का हल नहीं निकला हो लेकिन भारत ने जिस तरह विकासशील देशों खासकर ग्लोबल साउथ के देशों की समस्याएं इस मंच से उठा कर उनके हल जल्द से जल्द निकालने के प्रति दुनिया का ध्यान आकर्षित करने में कामयाबी हासिल की वह प्रधानमंत्री मोदी की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यही नहीं, भारत और कनाडा के संबंधों में आया सुधार भी दर्शा रहा है कि वहां के पूर्व के शासन के दौरान की कड़वाहट को भुला कर दोनों देश अब आगे बढ़ रहे हैं।

**भारत–कनाडा संबंध** –हम आपको बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद कहा है कि जी7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार व गतिशीलता और भारत की नेतृत्व वाली स्थिति का प्रतिबिंब है। जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन के समापन पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कार्नी ने कहा, जी7 में प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति की जहां तक बात है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 से हर जी7 में भाग लिया है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार, भारतीय अर्थव्यवस्था की गतिशीलता, भारतीय प्रौद्योगिकी, जी20 और उससे आगे के कई स्थानों पर भारत की नेतृत्व वाली स्थिति का प्रतिबिंब है। कार्नी ने कहा, इसलिए जी7 के अध्यक्ष के रूप में, उस संदर्भ में प्रधानमंत्री की मेजबानी करना पूरी तरह से स्वाभाविक, पूरी तरह से सुसंगत है। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत के प्रधानमंत्री, अगले साल जी7 में उपस्थित रहेंगे। कार्नी ने मोदी के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता फिर से उच्चायुक्तों की नियुक्ति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। कार्नी ने कहा, आपको (मोदी को) यहां देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैं आपके यहां आने से बेहद खुश हूं ।वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और कनाडा के बीच संबंध 'बेहद महत्वपूर्ण' हैं तथा दोनों देशों को विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करना चाहिए ताकि नयी दिल्ली और ओटावा दोनों लाभान्वित हो। हम आपको बता दें कि कार्नी के मई 2025 में पदभार ग्रहण करने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। मोदी ने कार्नी को चुनाव में 'शानदार जीत' के लिए बधाई देते हुए कहा, मुझे यकीन है कि आपके नेतृत्व में हम सकारात्मक तरीके से मिलकर काम कर पाएंगे और भारत–कनाडा संबंधों को आगे ले जा पाएंगे। ( शेष पृष्ठ दो पर )

## भारतीय वायुसेना को जल्द मिलेगा ये ग्लाइड बम....उपग्रह द्वारा निर्देशित होता

नई दिल्ली 19 जून (निस) : भारतीय वायुसेना अपने लड़ाकू विमानों को और भी अधिक शक्तिशाली और हाई तकनीक से लैस बनाने में जुटी है। बहुत जल्द ही, यह अपने विमान बेड़े में स्मार्ट एंटी–एयरफील्ड वेपन (साव) नामक एक नया स्वनिर्मित स्मार्ट हथियार शामिल कर सकती है। इसमें सुखोई–30 एमकेआई जैसे जेट शामिल हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह नया हथियार एक प्रकार का ग्लाइड बम है जो उपग्रह द्वारा निर्देशित होता है। ये बहुत ही उच्च सटीकता के साथ 100 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों को मार सकता है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही हथियार को वायुसेना में शामिल करने पर विचार करेगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इसतरह के आधुनिक हथियार भारत की रक्षा को और मजबूत बनाएंगे।

**साव क्या है?** – साव (स्मार्ट एंटी–एयरफील्ड वेपन) को हैदराबाद में मौजूद डीआरडीओ के अनुसंधान केंद्र द्वारा डिजाइन और तैयार किया है। यह एक मॉडर्न , हाई प्रीसिजन वाला बम है जिसका वजन करीब 120 किलोग्राम है। इस हथियार को विश्व स्तरीय माना जाता है और यह भारत के अपने देश में एडवांस रक्षा प्रणाली बनाने के प्रयास का हिस्सा है। साव दुश्मन के एयरबेस के महत्वपूर्ण हिस्सों को तबाह करने के लिए बनाया गया है। यह रडार, बंकर, टैक्सी ट्रैक और यहां तक ??कि रनवे को आसानी से निशाना बनाकर नुकसान पहुंचा सकता है। यह एक स्टैंड–ऑफ हथियार है, जिसका मतलब है कि इस बम को दूर से लांच किया जा सकता है और फिर भी यह अपने लक्ष्य को सटीक रूप से भेद सकता है। डीआरडीओ ने आपातकालीन खरीद योजना के तहत भारतीय सशस्त्र बलों को भी यह हथियार देने की पेशकश की है, ताकि बम की जल्दी से जल्दी डिलीवर किया जा सके और जरूरत पड़ने पर भविष्य के मिशनों में इस्तेमाल के लिए तैयार किया जा सके। ऑपरेशन ( शेष पृष्ठ दो पर )

# पृष्ठ एक का शेष...

## युद्ध से नहीं बातचीत और कूटनीति से निकलता है ...

का उल्लेख किया और उस कठिन समय में क्रोएशियाई समर्थन के लिए आभार जताया। यह साफ संदेश था कि आतंक के खिलाफ वैश्विक सहयोग अनिवार्य है और लोकतंत्र में आस्था रखने वाले देशों को इसमें एकजुट रहना होगा।यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली क्रोएशियाई यात्रा है। पीएम मोदी ने इसे सौभाग्य की बात करार देते हुए कहा कि उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया है, जिसके लिए मै प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच और क्रोएशिया सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने अपने भाषण में भारत और क्रोएशिया के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों कानून का शासन और समानता को प्रमुखता से रेखांकित किया।

**क्रोएशिया के पीएम प्लेंकोविच से मिले प्रधानमंत्री मोदी** – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां अपने क्रोएशियाई समकक्ष आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की और दोनों नेताओं ने रक्षा और सुरक्षा, फार्मा, नवीकरणीय ऊर्जा और आईटी के क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर सहमति जताई। बाद में मोदी ने राष्ट्रपति ज़ोरान मिलनोविच से मुलाकात की। उन्होंने क्रोएशियाई प्रधानमंत्री के साथ शहर के चौक की सैर भी की। वह क्रोएशिया की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा ''ज़ाग्रेब में अपने मित्र प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक बातचीत की। हमारी बातचीत में कई क्षेत्रों को शामिल किया गया, जिसका उद्देश्य भारत-क्रोएशिया के संबंधों को और भी मजबूत बनाना है। हम रक्षा और सुरक्षा, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण, कनेक्टिविटी और अन्य क्षेत्रों में तालमेल भी बहुत फायदेमंद होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा , ''भारत-क्रोएशिया संबंधों में एक नया अध्याय। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और डिजिटल प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, समुद्री बुनियादी ढांचे, पर्यटन और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने पर सहमति जतायी।

## हिमाचल में सियासी हलचल बढ़ीःमंत्री चंद्र कुमार के इस्तीफे ...

ठियोग के दौरे पर मौजूद थे। इस दौरान वे सामान्य रूप से कार्यक्रमों में शामिल होते नजर आए। बावजूद इसके, बेटे के बयान ने पार्टी के अंदर गहराई तक फैले असंतोष की ओर इशारा कर दिया है।

**कैबिनेट में सबसे वरिष्ठ चेहरा** – 85 वर्षीय चौधरी चंद्र कुमार हिमाचल कांग्रेस के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। वे नौ बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं और छह बार विधायक बने हैं। एक बार लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। वर्तमान में वे ज्वाली सीट से विधायक हैं और पशुपालन विभाग का जिम्मा संभाल रहे हैं।

## बैकफुट पर ट्रम्प : भारत और पाकिस्तान के दो समझदार ...

हैं और वे किसी भी चीज से खुश नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि इजराइल के साथ उनके खराब रिश्ते हैं। वे असल में दोनों को जानते हैं लेकिन शायद वे ईरान को बेहतर जानते हैं लेकिन वे देख रहे हैं कि क्या चल रहा है और उन्होंने मुझसे सहमति जतायी है। ट्रंप ने कहा, ''मैं उन्हें यहां इसलिए बुलाना चाहता था कि मैं युद्ध न करने, संघर्ष खत्म करने के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ समय पहले यहां से गए हैं और हम भारत के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं इसलिए भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। हम पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं।%% गौरतलब है कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कनाडा के कनैनिस्किस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात करने का कार्यक्रम था लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति को इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण समय से पहले वाशिंगटन लौटना पड़ा, जिसके कारण उनकी मोदी से मुलाकात नहीं हो पायी। हालांकि, दोनों नेताओं ने फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने कहा, ''वे दोनों (मोदी और मुनीर) यहां थे लेकिन कुछ सप्ताह पहले मैं मोदी के साथ था। मैं बहुत खुश हूं कि दो बहुत समझदार नेताओं ने युद्ध आगे न बढ़ाने का फैसला किया। यह परमाणु युद्ध में बदल सकता था। वे दो परमाणु संपन्न देश, बहुत बड़ी परमाणु शक्तियां हैं और उन्होंने यह फैसला लिया।


### सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चड़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

**मोब: 9416406615**

### पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

### सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

**कार्यालय: 15-ए, माल रोड़**
**नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल**
**मोब: 9416406615**

### सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।

**नोट:**मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

सभी सेवाएं निशुल्क है।

**E-mail chardikla.hr@gmail.com**
**Whatsapp: 9896359037,8307425115**

### आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें। कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।

**मोब: 9215537704,7206600325,7206300081**



कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया ( सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु )

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227


## भारतीय वायुसेना को जल्द मिलेगा ये ग्लाइड

... सिंदूर की सफलता के बाद, जिसमें सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर हमला किया, इसतरह के एडवांस हथियारों की मांग बढ़ गई है। क्षेत्र में मदद करने वाली प्रमुख परियोजनाओं में से एक डीआरडीओ द्वारा विकसित स्मार्ट एंटी-एयरफील्ड वेपन (साव) है।

## सोनिया गांधी की सेहत में सुधार, फिलहाल ...

सुधार हुआ है और अस्पताल बाहर रहते हुए उनकी सेहत पर निगरानी रखी जाएगी।'' उन्हें पिछले रविवार को अस्पताल के उदर एवं आंत्रशोध विभाग विभाग में भर्ती कराया गया था।

## दोस्त के साथ दौड़ते-दौड़ते 19 साल के लड़के

... पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल सकेगी।युवक हल्द्वानी के एक कॉलेज से बीसीए कर रहा था। इन दिनों छुट्टी में अपने घर आया था। मृतक के पिता नंदन सिंह देवली वन विभाग में संविदाकर्मी हैं। माता गृहिणी हैं और एक छोटी बहन स्कूल में पढ़ती है।नैनीताल के रांची रेंज अपर माल रोड निवासी 19 वर्षीय भूपेंद्र देवली पुत्र नंदन सिंह देवली बुधवार सुबह रोज की तरह अपने दोस्त के साथ दौड़ रहा था। नैनीताल के समीप कैलखन के पास दौड़ने के दौरान वह अचानक बेसुध होकर जमीन पर गिर गया। उसका दोस्त उसे बस में नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

## ऑपरेशन सिंधु से लौटी खुशियों की मुस्कान,

... भारत ने नागरिकों की वापसी के लिए ईरान से बॉर्डर तक सुरक्षित रास्ता मुहैया कराने का अनुरोध किया था।ईरान के इस अनुरोध को स्वीकारने के बाद छात्रों को अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के जरिए बाहर निकलने की सलाह दी गई है। भारतीय दूतावास ने ईरान में 24गुना7 कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। बता दें कि ईरान में 4,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं।

**गुरुवार सुबह पहली फ्लाइट हुई लैंड** – जानकारी के मुताबिक भारतीय छात्र 18 जून को एक विशेष फ्लाइट में येरेवन के ज़्वार्टनोट्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुए थे। विमान 19 जून की सुबह नई दिल्ली में लैंड हुआ। इससे पहले भारत ने ईरान में फंसे लोगों को सुरक्षित वापस लाने के लिए ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने लिखा, भारत ने ईरान से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। भारत विदेश में अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।

## भारत में 'वन नेशन, वन टाइम' की ओर बड़ा कदम,जल्द...

जिसके तहत अहमदाबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, फरीदाबाद और गुवाहाटी में अत्याधुनिक एटॉमिक क्लॉक लैब्स स्थापित की जा रही हैं। इन्हें NTP (Network Time Protocol) और PTP (Precision Time Protocol) से जोड़ा जाएगा, जिससे मिलीसेकंड से माइक्रोसेकंड तक की सटीकता मिलेगी।

**आम लोगों को होंगे ये फायदे**- बिजली-पानी जैसी यूटिलिटी बिलिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी,डेटा की निगरानी और जांच प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी, साइबर अपराधों की आशंका घटेगी, डिजिटल लेनदेन अधिक सुरक्षित और ट्रेस करने योग्य होंगे, रेलवे, एयरलाइंस, इंटरनेट और संचार सेवाएं एक ही समय पर कार्य करेंगी ।

**अब हम होंगे 'वन नेशन, वन टाइम' – जोशी**

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारत अब समय के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम लागू होने के बाद किसी भी सरकारी, व्यावसायिक या डिजिटल कार्य में विदेशी टाइम ज़ोन का उपयोग मान्य नहीं होगा, जब तक कि सरकार से विशेष अनुमति न हो।

## खतरनाक होती जा रही जंग : इजराइल ने

.. अस्पताल में 1,000 से अधिक बिस्तर हैं और यह इजराइल के दक्षिण के लगभग 10 लाख निवासियों को सेवाएं प्रदान करता है।

**नतांज के पास भी हमला** – इसके अलावा इजरायल ने तेहरान, इस्फ़हान, शिराज और करमानशाह में भी हमला किया। इजरायल का दावा है कि नतांज के पास न्यूक्लियर हथियार के लिए यूनिक कॉम्पोनेंट्स और इक्विपमेंट्स के डेवलेपमेंट की परियोजनाएं चल रही थीं, जिन्हें खत्म करने के लिए भी इजरायल ने स्ट्राइक की। इजरायल ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन जब तक जरूरी होगा, जारी रहेगा। इजरायली मिलिट्री के अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमारा लक्ष्य इजरायल के अस्तित्व के लिए खतरे को कम करना है।ईरान की राजधानी तेहरान से 280 किलोमीटर दूर स्थित इस रिएक्टर में कोई न्यूक्लियर मैटेरियल नहीं था, इसलिए इससे रेडियोलॉजिकल इफेक्ट की संभावना भी नहीं बनती है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी ईरान के साइट्स पर हमले की पुष्टि की है। इजरायल ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन जब तक जरूरी होगा, जारी रहेगा। इजरायली मिलिट्री के अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि हमारा लक्ष्य इजरायल के अस्तित्व के लिए खतरे को कम करना है।

**रूस ने डोनाल्ड ट्रंप को दी वॉर्निंग; युद्ध के बने हालात**

इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष जारी है जिसमें दोनों देश मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहे हैं। इजरायल को अमेरिका का समर्थन प्राप्त है जबकि ईरान को रूस का साथ मिल रहा है। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यदि उसने इजरायल को सीधे सैन्य सहायता दी तो मध्य पूर्व में अस्थिरता फैल जाएगी।इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बीते कई दिनों से जारी है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला कर रहे हैं। इजरायल को अमेरिका का खुले तौर पर समर्थन है और माना जा रहा है कि अमेरिका इजरायल के समर्थन में मिलिट्री मदद भेज सकता है।अब तक अलग-थलग पड़े ईरान को अब रूस का साथ मिल रहा है। रूस ने अमेरिका को वॉर्निंग दे दी है कि अगर उसने इजरायल को डायरेक्ट मिलिट्री सहायता दी, तो मिडिल ईस्ट में स्थित अस्थिर होने में देर नहीं लगेगी।रूस ने ट्रंप को चेताया-रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि हम अमेरिका को इस संघर्ष में सैन्य हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी देना चाहते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो इसके खतरनाक परिणाम होंगे।

## लुधियाना उपचुनावः करीब 54 प्रतिशत मतदान शांतिपूर्वक ...

जारी, केजरीवाल-ममता दीदी के सामने चुनौती – पश्चिम बंगाल, केरल, गुजरात और पंजाब की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इन उपचुनावों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ा लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस और माकपा जहां पश्चिम बंगाल और केरल में अपनी सत्ता को और मजबूत करने की कोशिश में हैं, वहीं भाजपा और आम आदमी पार्टी गुजरात और पंजाब में अपनी सीटें बचाने के लिए जोर लगा रही हैं। इन चुनावों के नतीजे 23 जून को आएंगे और सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता अपनी पकड़ बरकरार रख पाएंगे।पश्चिम बंगाल के कालिगंज में उपचुनाव टीएमसी विधायक नासिरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद हो रहा है। टीएमसी ने उनकी बेटी अलिफा अहमद को उम्मीदवार बनाया है, ताकि महिला और अल्पसंख्यक वोटरों को अपने पक्ष में किया जा सके। भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्ता आशीष घोष को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस-सीपीआई(एम) गठबंधन ने कबील उद्दीन शेख को चुना है।

# रतिया गुरुद्वारा साहिब में पधारे हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झंडा कहा मैं प्रधान नहीं आपका सेवादार हूं

### आज श्री गुरु हरगोविंद साहिब जी के प्रकाश उत्सव पर पहुंचे हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा

**रतिया,19 जून ( अमन सेठी ):** आज रतिया के पुराना बाजार में स्थित गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के प्रकाश उत्सव पर हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा पहुंचे । इस अवसर पर गुरमत समागम किया गया। रतिया की गांवो सिक्ख संगत व गुरुद्वारा कमेटियों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के नतमस्तक हुए। उपरांत त्रिलोक सिंह रागी जथा व इंद्रपाल सिंह कथावाचक द्वारा गुरु के इतिहास के साथ संगत को जोड़ा गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश ही नहीं विदेशों में भी अगर धर्म का प्रचार होगा तो वहां भी हम जाएंगे उन्होंने सारी संगत को गुरु साहबानों के दिखाए गए राह पर चलने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधान नहीं मैं आपका सेवादार हूं और मैं इसी तरह सेवादार बनकर गुरु

घर की सेवा करता रहूंगा उन्होंने कहा कि हरियाणा के जितने भी गुरुद्वारे हैं वहां पर जाकर वह खुद उनका निरीक्षण करेंगे और जहां भी किसी प्रकार की खामी पाई जाती है तो उसको पूरा करने का काम किया जाएगा उन्होंने संबोधित करते हुए बताया कि जिस तरह से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज की बेअदबी? के मामले बढ़ रहे हैं उसके मन में नजर देखते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री से भी मिलकर चर्चा की जाएगी और गुरुद्वारा साहिब के सुरक्षा के लिए भी मांग की जाएगी ताकि कोई भी भविष्य में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी? के मामले सामने ना आए। और क्षेत्र की संगत द्वारा गुरुद्वारा साहिब के संबंधित अनेकों मांगे प्रधान के समक्ष रखी गई। उन्होंने क्षेत्र की सिक्ख संगत से अपील की है कि इस धार्मिक कार्यक्रम में जरूर हिस्सा लें। और इस अवसर पर जयपाल सिंह व गुरवंत सिंह अहरवां द्वारा स्टेज को संभाला और आए हुए संगत व प्रधान व मेंबरो का स्वागत किया। और कहा कि यह धार्मिक समागम श्री गुरु हरगोविंद साहिब सेवा ट्रस्ट वह श्री गुरु ग्रंथ साहिब ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी के मेंबर एडवोकेट अमनप्रीत कौर जाखल, काका सिंह लधुवास, इकबाल सिंह खोखर, पूर्व मेंबर बलदेव सिंह रहनवाली जत्थेदार जरनैल सिंह रतिया, गुरचरण सिंह, डॉ. शीशपाल खोखर, फतेह सिंह, बलविंदर सिंह, जयपाल सिंह, मास्टर मंजीत सिंह, सुरेंद्रपाल सिंह, रूप सिंह, शेर सिंह खोखर, जगजीत सिंह, ग्रंथि किशन सिंह, जसवंत सिंह, मैनेजर वीरेंद्र सिंह, क्लर्क अमृतपाल सिंह मौजूद रहे।

## मुख्यमंत्री ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर जताया दुःख

चंडीगढ़, 19 जून (निस): हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को गुजरात के गांधीनगर पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया और परिवारजनों का ढांढस बंधाया।अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री विजय रूपाणी जी का एक लंबा राजनीतिक सफर रहा है। उनका जीवन सादगी भरा रहा और वे सदैव जनसेवा के लिए समर्पित रहे। हम लगातार संपर्क में थे, हमेशा एक- दूसरे से मिलते थे। उनके निधन से सिर्फ परिवार को ही नहीं,

बल्कि गुजरात की जनता और पूरे देश में लोगों को गहरा सदमा पहुंचा है। मेरी भगवान से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने श्रीचरणों में स्थान दें।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने इस घटनाक्रम में सभी मृतकों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से परिजनों को दुःख सहन करने और दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना भी की। इस मौके पर हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक भी मौजूद रहे।

# सभागार में जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया

पानीपत, 19 जून (हरप्रीत छत्तवाल) राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत उपायुक्त डाक्टर वीरेदंर कुमार दहिया के मार्गदर्शन में जिला सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया । डीसी ने बताया कि कोटपा एक्ट 2003 के अनुसार राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम को कार्यान्वित किया जाता है। एक्ट के बारे मे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस एक्ट के तहत सेक्शन-4 के अन्तर्गत किसी भी सार्वजनिक स्थल जैसे अस्पताल, रेलवे स्टेशन, शिक्षण संस्थान, अदालती इमारत, होटल, पार्क, गेस्ट हाउस, ढाबे, पुस्तकालय, स्टेडियम, बस स्टैंड, बस स्टॉप, बैंक, विवाह स्थल, बस-ट्रेन आदि सार्वजनिक स्थल जहां हर किसी की आवाजाही होती है पर धूम्रपान करना कानूनन जुर्म है तथा इस एक्ट की अवहेलना करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस कानून के तहत उपरोक्त सभी सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान निषेध क्षेत्र का बोर्ड लगाना अनिवार्य है तथा बोर्ड पर स्थान के मुखिया का नाम व नम्बर अंकित होना भी आवश्यक है। डॉ. ललित कुमार नोडल अधिकारी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम ने बताया कि इसी प्रकार कोटपा एक्ट 2003 के सेक्शन-6 ए के अनुसार किसी भी नाबालिग को तम्बाकू उत्पाद बेचना या उससे बिकवाना दण्डनीय अपराध है। तम्बाकू विक्रेता इस बात को भी सुनिश्चित करे कि जिसे वह तम्बाकू उत्पाद बेच रहा है वह 18 वर्ष से कम आयु का न हो। इस एक्ट के अनुसार विक्रेता को अपनी दुकान पर एक चेतावनी बोर्ड भी लगाना अनिवार्य है, जिसपर लिखा हो कि 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को तम्बाकू पदार्थ बेचना दंडनीय अपराध है। उन्होंने यह भी बताया कि इस सेक्शन के अनुसार किसी भी शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंध है तथा प्रत्येक शिक्षण संस्थान के मुख्य द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का चेतावनी बोर्ड लगा होना अनिवार्य है। इस सेक्शन का उल्लंघन करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष विश्व में लगभग 55 लाख व्यक्ति तम्बाकू के कारण होने वाली बीमारियों से मृत्यु को प्राप्त होते हैं तथा 2200 से अधिक लोग भारत में तम्बाकू के कारण होने वाली बीमारियों से मरते हैं। उन्होंने सभी को धूम्रपान व तम्बाकू से होने वाली गंभीर बीमारियां जैसे मुख एवं स्वास नली के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग, नसों के रोगों के बारे में बताया तथा यह भी जानकारी दी कि स्वास्थ्य विभाग, पानीपत द्वारा सभी सरकारी संस्थानों को चालान बुक व चेतावनी बोर्ड मुहैया करा दिए गए हैं ताकि सभी सार्वजनिक स्थलों को तम्बाकू मुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर एडीसी डा. पंकज यादव, सीईओ जिला परिषद डा. किरण सिंह. एसडीएम पानीपत मनदीप सिंह, एसडीएम इसराना नवदीप सिंह, सहित शिक्षा व स्वास्थय विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

## जी-7 में बिग बॉस की तरह छा गये पीएम मोदी, भाषण...

मोदीने द्विपक्षीय बैठक से पहले अपने संबोधन में कहा, मेरा मानना है कि भारत-कनाडा संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि कई क्षेत्रों में दोनों पक्षों को लाभकारी सहयोग हासिल हो। उन्होंने कहा कि कनाडाई कंपनियों ने भारत में बड़े पैमाने पर निवेश किया है और भारतीय लोगों ने भी कनाडा में काफी निवेश किया है। मोदी ने कहा, हम दोनों (भारत और कनाडा) लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खड़े हैं। हम साथ मिलकर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत कर सकते हैं, मानवता को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर दोनों देश मिलकर काम करें और अपने सभी संसाधनों का बेहतर उपयोग करें, तो हम पूरी मानवता के कल्याण के लिए काम कर सकते हैं। मोदी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम यह कार्य करने में सक्षम होंगे।हम आपको यह भी बता दें कि मोदी, जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कार्नी के निमंत्रण पर कनाडा पहुंचे थे। बैठक के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ बैठक शानदार रही। जी7 शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी के लिए उन्हें और कनाडा सरकार को बधाई। उन्होंने कहा, भारत और कनाडा लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानूनी शासन में दृढ़ विश्वास से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्नी और मैं भारत-कनाडा मैत्री को गति देने के लिए मिलकर काम करने को तत्पर हैं। व्यापार, ऊर्जा, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, उर्वरक और अन्य जैसे क्षेत्र इस संबंध में अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं।

**विदेश सचिव विक्रम मिसरी का बयान**- इस बैठक के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत और कनाडा ने जल्द ही एक-दूसरे की राजधानियों में उच्चायुक्तों को बहाल करने पर सहमति जताई है और यह फैसला 'बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते' में स्थिरता बहाल करने की दिशा में एक 'ठोस कदम' है। मिसरी ने एक वीडियो बयान में कहा, बैठक में साझा मूल्यों, लोकतंत्र व कानून के शासन, दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और कई अन्य समानताओं पर आधारित भारत-कनाडा संबंधों के महत्व पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने इस 'बेहद महत्वपूर्ण रिश्ते' में स्थिरता बहाल करने के लिए 'ठोस कदम' उठाने पर सहमति जताई और इस दिशा में पहली बात, जिस पर सहमति बनी, वह थी एक-दूसरे की राजधानियों में जल्द से जल्द उच्चायुक्तों को बहाल करना। इसके बाद अन्य कूटनीतिक कदम उठाए जाएंगे। विदेश सचिव ने कहा कि भारत और कनाडा के प्रधानमंत्रियों ने समय के साथ व्यापार, दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ व कार्यकारी स्तर के कार्य प्रणाली तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमति जताई, जिसका उद्देश्य संबंधों को और अधिक गति प्रदान करना है।हम आपको याद दिला दें कि भारत ने पिछले वर्ष ओटावा से अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा ने उन्हें खालिस्तानी समर्थक अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जोड़ने का प्रयास किया था। भारत ने इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित भी कर दिया था। मिसरी ने कहा, दोनों देशों के बीच वर्तमान में रुकी हुई व्यापार वार्ता के मद्देनजर दोनों नेताओं ने अपने अधिकारियों को इसे जल्द से जल्द शुरू करने का निर्देश देने का भी फैसला किया। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों नेता संपर्क में रहने और जल्द से जल्द एक बार फिर मिलने पर सहमत हुए।वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, कार्नी और मोदी ने आपसी सम्मान, कानूनी शासन, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर कनाडा-भारत संबंधों के महत्व की पुष्टि की। बयान में बताया गया, नेताओं ने दोनों देशों में नागरिकों और व्यवसायों को नियमित सेवाएं फिर से देने के उद्देश्य से नए उच्चायुक्तों को नामित करने पर सहमति व्यक्त की। बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने लोगों के बीच मजबूत व ऐतिहासिक संबंधों, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी और कनाडा व भारत के बीच आर्थिक विकास, आपूर्ति श्रृंखला व ऊर्जा परिवर्तन में साझेदारी सहित महत्वपूर्ण वाणिज्यिक संबंधों पर भी चर्चा की। बयान में बताया गया कि कार्नी ने अंतरराष्ट्रीय अपराध व दमन, सुरक्षा व नियम-आधारित व्यवस्था सहित जी7 एजेंडे में अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। बयान के मुताबिक, नेताओं ने प्रौद्योगिकी, डिजिटल परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत बनाने के अवसरों पर भी चर्चा की।

**प्रधानमंत्री मोदी का जी-7 शिखर सम्मेलन में भाषण** – जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन की बात करें तो आपको बता दें कि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की पुष्टि करते हुए जी-7 समूह के नेताओं से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई को तेज करने का आग्रह किया और इसे ''बढ़ावा एवं समर्थन'' देने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। हम आपको बता दें कि 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी-7) दुनिया की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं- फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, इटली और कनाडा तथा यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसके सदस्य वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए हर साल जी-7 शिखर सम्मेलन में मिलते हैं। प्रधानमंत्री ने कनाडा में 'जी7 संपर्क सत्र' में अपने संबोधन के दौरान इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए हमारी सोच और नीति स्पष्ट होनी चाहिए – अगर कोई देश आतंकवाद का समर्थन करता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी।'' मोदी ने कहा, ''एक तरफ हम अपनी प्राथमिकता के आधार पर हर तरह के प्रतिबंध लगाने में जल्दबाजी करते हैं। दूसरी तरफ, जो देश खुले तौर पर आतंकवाद का समर्थन करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।''प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 'ग्लोबल साउथ' की चिंताओं और प्राथमिकताओं पर ध्यान दिए जाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को वैश्विक मंच पर पहुंचाना अपनी जिम्मेदारी समझता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने जी-7 देशों के नेताओं के साथ प्रमुख वैश्विक चुनौतियों पर ''सार्थक'' विचार-विमर्श किया तथा ग्रह को बेहतर बनाने को लेकर आकांक्षाएं साझा कीं। मोदी ने सात देशों के समूह के नेताओं और जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नेताओं के साथ एक तस्वीर 'एक्स' पर साझा की। उन्होंने लिखा, ''वैश्विक प्रगति के लिए एक साथ! प्रमुख वैश्विक चुनौतियों और बेहतर ग्रह के लिए साझा आकांक्षाओं पर जी7 नेताओं के साथ सार्थक विचार विमर्श हुआ। ''

# पूर्व चेयरमैन विजय बंसल ने कृषि मंत्री को भेजा ज्ञापन

**पंचकूला की किसान मंडियों में नगर निगम एवं निजी व्यक्तियों द्वारा हो रहे अवैध संचालन पर जताई गहरी चिंता**

**हरियाणा सरकार को हो रहे वार्षिक 36 रुपये लाख के राजस्व नुकसान से कराया अवगत**

पिंजौर, 19 जून (अजीत सिंह) : हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड ( एचएसएएमबी) के पूर्व चेयरमैन एवं हरियाणा किसान कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय बंसल एडवोकेट ने पंचकूला जिले में किसान मंडियों के अनाधिकृत संचालन को लेकर हरियाणा सरकार के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा को एक विस्तृत ज्ञापन प्रेषित किया है। जिसमें उन्होंने मंडी बोर्ड को हो रहे करोड़ों रुपए के वार्षिक राजस्व नुकसान और किसानों के अधिकारों के हनन पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। ज्ञापन में विजय बंसल ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि पंचकूला, कालका और पिंजौर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में साप्ताहिक किसान मंडियों का संचालन विगत कुछ वर्षों से नगर निगम पंचकूला तथा कुछ निजी व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से किया जा रहा है । जो कि हरियाणा कृषि उपज विपणन अधिनियम, 1961 की सुस्पष्ट अवहेलना है।

**राजस्व हानि और अव्यवस्था का ब्यौरा**–ज्ञापन में कहा गया है कि कोविड-19 लॉकडाउन से पूर्व इन मंडियों का संचालन पूरी तरह से एचएसएएमबी के अधीन कार्यरत मार्केट कमेटी पंचकूला द्वारा किया जाता था। जिससे प्रतिमाह औसतन 3 लाख रुपये और प्रतिवर्ष लगभग 36 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता था। परंतु कोविड के उपरांत नगर निगम और निजी संस्थाएं इन मंडियों को बिना वैधानिक अधिकार, अनुमति अथवा लाइसेंस के संचालित कर रही हैं और फल-सब्जी विक्रेताओं से 100 रुपये तक की अवैध वसूली (पर्चियां काटना) कर रही हैं।

**कानूनों की खुली अवहेलना** – विजय बंसल ने कृषि मंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा है कि हरियाणा कृषि उपज विपणन अधिनियम, 1961 की धारा 8(जी) के अनुसार केवल मंडी बोर्ड अथवा उसकी अधिसूचित मार्केट कमेटी को ही किसान मंडियों के संचालन का अधिकार है। इसके अतिरिक्त हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 में भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं है । जो नगर निगम को ऐसे संचालन की अनुमति देता हो। ऐसे में यह समस्त गतिविधियां स्पष्ट रूप से अवैध, असंवैधानिक और जनविरोधी हैं।

**राजनीतिक संरक्षण में हो रहा अवैध नियंत्रण** – ज्ञापन में यह भी दर्शाया गया है कि कालका और पिंजौर में कुछ निजी लोग राजनीतिक संरक्षण में किसान मंडियों का संचालन कर रहे हैं, जहां पर किसी प्रकार की प्रशासनिक निगरानी, मूल्य निर्धारण अथवा पारदर्शिता नहीं है। सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी की उपस्थिति के बिना ही निजी लोग खुलेआम वेंडरों से पैसे वसूल रहे हैं।

**न्यूनतम मूल्य निर्धारण प्रणाली निष्क्रिय** – पूर्व में मार्केट कमेटी द्वारा इन मंडियों में सब्जियों और फलों के न्यूनतम मूल्य तय कर सूचना बोर्ड लगाए जाते थे, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिले और नियंत्रण बना रहे। यदि कोई विक्रेता निर्धारित दर से अधिक मूल्य वसूलता था, तो उस पर जुर्माना लगाया जाता था। परंतु अब न तो कोई दर निर्धारित की जाती है, न ही कोई निगरानी, जिससे उपभोक्ताओं को मनमाने दाम चुकाने पर विवश होना पड़ रहा है।

**अन्य जिलों में बनी हुई है वैधानिकता** – ज्ञापन में यह भी दर्शाया गया है कि फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत जैसे बड़े जिलों में आज भी किसान मंडियों का संचालन केवल मार्केट कमेटियों द्वारा वैधानिक रूप से किया जा रहा है, जिससे वहां न केवल राजस्व की प्राप्ति हो रही है, बल्कि किसान और उपभोक्ता दोनों को लाभ मिल रहा है। इसके विपरीत, पंचकूला जिला नियमों से पूरी तरह भटक गया है, जो जांच का गंभीर विषय है।

**विजय बंसल के कार्यकाल की ऐतिहासिक भूमिका** – ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1992 में जब विजय बंसल मार्केट कमेटी कालका के चेयरमैन थे, उन्होंने प्रदेश में जनहित को दृष्टिगत रखते हुए किसान मंडियों की स्थापनाओं को सशक्त किया था। मंडियों की आय से न केवल सरकार को राजस्व प्राप्त होता था, बल्कि आमजन को एक ही स्थान पर ताजे फल और सब्जियां उचित मूल्य पर मिलती थीं।

**मांगें** – पंचकूला जिले में संचालित सभी किसान मंडियों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करवाई जाए। नगर निगम व निजी लोगों द्वारा पर्चियां काटने और संचालन की अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए। किसान मंडियों का संचालन केवल मंडी बोर्ड की अधिसूचित मार्केट कमेटियों को सौंपा जाए ताकि वैधानिक ढांचा बहाल हो। मंडियों में मूल्य निर्धारण, निगरानी एवं पारदर्शिता की पूर्ववत प्रणाली को फिर से लागू किया जाए। दोषी अधिकारियों, कर्मियों और निजी व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी विधिक कार्रवाई की जाए। विजय बंसल ने उम्मीद जताई है कि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा इस पूरे विषय का शीघ्र संज्ञान लेकर राजस्व नुकसान को रोकने, किसानों के अधिकारों की रक्षा करने और मंडी प्रणाली में विश्वास बहाल करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करेंगे।

# रायपुररानी थाने में युवक की मौत के बाद बवाल, परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

## गर्भवती पत्नी ने कहा कि झूठे केस में फंसाया गया मेरा पति, न्याय दो

रायपुररानी, 19 जून, (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी थाना क्षेत्र के गांव हंगोला निवासी अभिषेक की पुलिस हिरासत में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद हुए विरोध और विवाद के बीच गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। अभिषेक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस की कथित लापरवाही और झूठे मुकदमे का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की थी और तब तक अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया था, जब तक दोषी पुलिसकर्मियों और झूठे मुकदमे दर्ज करवाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती। जानकारी के अनुसार, बुधवार को अभिषेक को गांव के हनुमान मंदिर में चोरी के आरोप में पुलिस के हवाले किया गया था। लेकिन कुछ घंटों बाद ही उसकी मौत की खबर सामने आई। पुलिस का दावा है कि युवक ने थाने के रिकॉर्ड रूम में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जबकि परिजनों का आरोप है कि अभिषेक को झूठे केस में फंसाया गया और हिरासत के दौरान क्रूरता की गई है। जिसके बाद गुरुवार तड़के चार बजे तक ग्रामीण थाना परिसर में डटे रहे। सुबह होते ही बड़ी संख्या में लोग, मृतक की मां केशो देवी, छह माह की गर्भवती पत्नी मोना और अन्य परिजन दोबारा थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग दोहराई। परिजनों का कहना है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों और कथित झूठे मुकदमे दर्ज करवाने वालों पर कार्रवाई नहीं होती, वे युवक का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। वहीं, पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर हर बार स्थिति को संभालते रहे और ग्रामीणों को समझाते रहे कि मामले की न्यायिक जांच मजिस्ट्रेट स्तर पर करवाई जा रही है।

**बीएसपी प्रदेश अध्यक्ष ने थाने पहुँचकर कानून प्रणाली पर उठाए सवाल, मृतक की मां का दावा झूठी रंजिशन में फंसाया गया था मेरा बेटा** – घटना की सूचना मिलते ही दोपहर करीब 2 बजे बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण जमालपुर भी रायपुररानी थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण में पुलिस की गंभीर लापरवाही सामने आई है। उन्होंने थाने में मौजूद अधिकारियों से दोषियों के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करने की मांग की। हालांकि, वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें मामले की संवेदनशीलता समझाते हुए शांति बनाए रखने का आग्रह किया। इस दौरान मृतक युवक की मां केशो देवी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे के खिलाफ पहले से ही रंजिश रखने वाले कुछ लोगों ने झूठा मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने कहा कि हम जब तक झूठे मुकदमा दर्ज करवाने वालों और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं देखेंगे, तब तक बेटे का शव संस्कार के लिए नहीं ले जाएंगे।

**पत्नी मोना का दर्द – आधार कार्ड मांगने के बाद मिली पति की मौत की सूचना** – मृतक युवक की छह माह की गर्भवती पत्नी मोना ने बताया कि उन्हें गांव के सरपंच ने सबसे पहले घटना की जानकारी दी। उनके अनुसार, पुलिस हमें बिना बताए अभिषेक को थाने ले गई। जिसके बाद शाम को सरपंच ने हमारे घर आकर आधार कार्ड मांगा और कहा कि थाना में मंगवाया गया है। जब हमने आधार कार्ड दे दिया और वो व्हाट्सएप किया गया, तभी कुछ देर बाद हमें बताया गया कि अभिषेक ने आत्महत्या कर ली है। हालांकि, पुलिस ने अपनी मर्जी से बिना हमें सूचित किए शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक हॉस्पिटल सेक्टर-6 पंचकूला भेज दिया। मोना ने स्पष्ट कहा कि हम जब तक न्याय नहीं पाएंगे, तब तक चुप नहीं बैठेंगे। जिन लोगों ने मेरे पति को झूठे केस में फंसाया है, उनके साथ ही सरपंच पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

**अभिषेक का अंतिम संस्कार भारी पुलिस निगरानी में संपन्न, परिजनों ने राज्यपाल को सौंपा 6 सूत्रीय ज्ञापन** – पंचकूला सेक्टर-6 अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब 5 बजे अभिषेक का शव उसके पैतृक गांव हंगोला में लाया गया। जहां शाम 7 बजे भारी पुलिस बल की मौजूदगी में शांतिपूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार किया गया। सूत्रों के अनुसार, मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इनमें जांच अधिकारी प्रताप सिंह, मुंशी सतीश और ऑपरेटर लक्की के नाम शामिल हैं। हालांकि, अंतिम संस्कार से पूर्व मृतक अभिषेक के परिजनों ने पुलिस अधिकारियों के माध्यम से राज्यपाल के नाम छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें मृतक अभिषेक की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराकर सच्चाई सामने लाने, झूठी शिकायत करने वालों और लापरवाह पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने, परिवार को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने, मृतक की गर्भवती पत्नी को सरकारी नौकरी देने, परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने और दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसके परिजनों का कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, वे अपनी आवाज उठाते रहेंगे। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में रोष का माहौल है और लोग जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, पुलिस प्रशासन ने मामले की मजिस्ट्रेट जांच की पुष्टि की है और सभी बिंदुओं पर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

**क्या है पूरा मामला** – बुधवार को गांव हंगोला के हनुमान मंदिर में चोरी की सूचना के बाद ग्रामीणों ने अभिषेक नामक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। आरोप था कि उसने मंदिर से पैसे चुराए। थाने लाने के कुछ घंटों बाद ही युवक ने रिकॉर्ड रूम में कथित तौर पर रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद से ही गांव में आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

## श्री अमरनाथ जी यात्रा के फ्री मेडिकल कैंप के लिए दी गई दवाईयां

पिंजौर, 19 जून ( अजीत सिंह/अख्तर फ़ारूक़ी ) : श्री ब्राह्मण

सभा एच एम टी पिंजौर कालका व जय शिव परिवार सेवा मंडल पिंजौर के द्वारा श्री अमरनाथ जी यात्रा के दौरान फ्री मेडिकल कैंप के लिए सभा की तरफ से दवाईयां और खाने के समान का सहयोग किया गया। इस मौके पर श्री ब्राह्मण सभा के प्रधान नवदीप शर्मा नबी, उपप्रधान राजिंदर मेहता, महासचिव विशाल गौतम शैली, सचिव ऑफिस बलराज मोदगिल, सचिव क्षेत्रीय फतेह, सह कैशियर जसपाल लाड़ी, मीडिया प्रभारी, राकेश शर्मा अत्री, व भारत भूषण मौजूद रहे।

## भावली में योग जागरण यात्रा के माध्यम से दिया गया स्वास्थ्य और जागरुकता का संदेश

**रायपुर रानी,19 जून ( देवेन्द्र सिंह ):** रायपुररानी ब्लॉक के गांव भावली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक दिवसीय योग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह योग व्यायामशाला में सामूहिक योग अभ्यास से हुई, जिसका संचालन आयुष विभाग के योग सहायक बलबीर सिंह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को नियमित योग अभ्यास के लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। योग सत्र के पश्चात गांव की गलियों में एक योग जागरण यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर थामे हुए नियमित योग, निरोग जीवन, हर घर योग, हर दिन योग जैसे प्रेरक नारे लगाए और लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। जबकि रैली का नेतृत्व ग्राम सरपंच जय सिंह और योग सहायक बलबीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सरपंच जय सिंह ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखने की एक प्रभावशाली पद्धति है। ऐसे आयोजनों से गांव के हर वर्ग तक स्वास्थ्य का संदेश पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। वहीं, ग्रामीणों ने योग सत्र की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाने की मांग की है।

# पुलिस स्टेशन व कालका के विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू और मलेरिया के बारे में स्वास्थ्य विभाग ने किया जागरूक

**कालका, 19 जून ( अख्तर फ़ारूक़ी/अजीत सिंह ) :** एसएमओ डॉ. ज्योति साहू की अध्यक्षता में सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका क्षेत्र के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीबीसी डोमेस्टिक ब्रीडर चेकर की टीम हाउसिंग बोर्ड, दुर्गा कॉलोनी, टगरा हंसु साहू टगरा हरि सिंह में लगाई गई और स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा पुलिस स्टेशन कालका में डेंगू और मलेरिया के बारे में समझाया गया कि अपनी संस्था में सप्ताह में एक बार चेक करें कही पानी तो नही खड़ा है। उसके बाद टीम के द्वारा घर घर जाकर मलेरिया व डेंगू का सर्वे किया गया । लोगों को मच्छर जनहित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया । साथ ही जिसमें मच्छर से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया । विभाग ने बताया की जिस घरों में लार्वा पाया जाता है तो उसपर डेट लिख कर उसको नोटिस देते है । घरों में जिस जगह लार्वा पाया जाता हैं जैसे कि कूलर टंकी, हौदी, कंटेनर आदि को सप्ताह में एक बार जरूर साफ करें घरों के आस पास पानी को इक्ट्ठा न होने दे । पानी से भरे गड्ढो में मिट्टी डालें या काला तेल या फिर सरसों का तेल डालें । हर रविवार को सूखा दिवस मनाएं तथा पानी के बर्तनों, टंकी, फ्रिज ट्रे, गमले, इत्यादि को खाली करके सुखाएं । ताकि मच्छर के अंडे एवं लारवा मर जाएं। मच्छर के काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें और घरों में मच्छर दानी एवम जाली का प्रयोग करें । उन्होंने बताया कि डेंगू से संबधित लक्षण होने पर आप सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका में अपना टैस्ट करवाएं । पुलिस स्टेशन कालका की टीम ने भी हमारा साथ दिया संदीप एस आई भारत सिंह ई एस आई , नरेश एमएचसी( पीएस) वीरेंद्र सिंह (एसआई) ये सभी मौजूद थे । सब डिविजनल हॉस्पिटल कालका की तरफ से राहुल एम पी एच डब्लू के द्वारा टीम के साथ मिल कर काम किया गया।

## मलेरिया से बचाव को लेकर 8 समूह बैठकें आयोजित, घर-घर जागरुकता फैली

**रायपुररानी, 19 जून ( देवेन्द्र सिंह ) :** रायपुररानी क्षेत्र में मलेरिया की रोकथाम के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष सोर्स रिडक्शन अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रायपुररानी के प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव गोयल ने किया। अभियान के तहत गुज्जर कॉलोनी रायपुररानी और खटौली गाँव में टीमों का गठन कर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को चिन्हित कर नष्ट किया गया। इसके साथ ही सीएचसी परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में रखे गए कूलर, पानी की टंकियाँ, कंटेनर और फ्रिज ट्रे आदि को खाली कर उनकी समुचित सफाई सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम के दौरान पॉजिटिव पाए गए घरों को नोटिस जारी किए गए। साथ ही आठ समूह बैठकें आयोजित कर स्थानीय निवासियों को मलेरिया से बचाव हेतु जागरूक किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव प्रजापति ने बताया कि मलेरिया से बचाव के लिए जलजमाव को रोकना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सप्ताह में कम से कम एक बार कूलर, टंकी और अन्य जलपात्रों को अच्छी तरह से साफ करके सुखाना चाहिए। साथ ही लोगों को पूरी बाजू के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का उपयोग करने और आसपास पानी जमा न होने देने की सलाह दी गई। जहाँ पानी एकत्र होता पाया गया, वहां मिट्टी का तेल या काला तेल डालने तथा स्थान को मिट्टी से भरने जैसे उपाय सुझाए गए। इसके अतिरिक्त वेटेरनरी हॉस्पिटल में भी मलेरिया जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें पंपलेट वितरण कर मलेरिया के लक्षणों व रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई। इस मौके पर स्वास्थ्य निरीक्षक सुरेंद्र कुमार, प्रेम चंद, नसीब सिंह, सुनील कुमार, विनोद कुमार सहित सभी डीबीसी कार्यकर्ता सक्रिय रूप से मौजूद थे।

## श्री गीता भवन मंदिर में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

**कैथल,19 जून ( प्रवेश बहादुर ):** चतुर्थ दिवस में कथा व्यास श्रीमन साक्षी गोपाल दास जी ने भागवत के 16वें अध्याय की कथा में महाराजा चित्रकेतु व शंकर जी की कथा सुनाते हुए बताया कि कैसे महाराजा चित्रकेतु के शिव पर व्यग्य करने के कारण और शिव के कुछ ना कहने के कारण उसपर माँ पार्वती क्रोधित हो गई और उसे श्राप दे दिया कि जाओ, तुम असुर कुल में जन्म लो। सुकदेव गोस्वामी कहते हैं कि – हे परीक्षित महाराज इस श्राप को सुनकर महाराज चित्रकेतु घबराएं नहीं। तब उन्होंने माता के सामने हाथ जोड़कर कहा कि – माता मैं आपके श्राप को हाथ जोड़कर स्वीकार करता हूं। मुझे इस श्राप की कोई परवाह नहीं है। क्योंकि मुझे मालूम है कि मनुष्य अपने पूर्वकर्मों के अनुसार ही इस संसार में सुख अथवा दुख भोगता है। मां इसमें आपका कोई दोष नहीं है। इसलिए मैं आपसे यहां क्षमा मांगने नहीं आया। हे माता! आप तो व्यथा ही क्रोधित हो। क्योंकि यह सब सुख-दुख मेरे पूर्व कर्मों के द्वारा सुनिश्चित हैं। अत: न तो मैं आपसे क्षमा प्रार्थी हूं और न ही आपके द्वारा मुक्त होना चाहता हूं। यद्यपि मैंने यदि कुछ अनुचित नहीं कहा है फिर भी उसके लिए आप मुझे क्षमा कर देना। यह कहने के बाद माता पार्वती और शंकर जी को प्रणाम करता हुआ चित्रकेतु वहां से चला गया। उसके जाने के बाद शंकर जी अपनी प्रिय भार्या पार्वती को कहते हैं – हे सुंदरी! आज तुमने एक वैष्णव की महानता को देख लिया। भगवान श्री हरि के जो दास होते हैं अर्थात वैष्णव हैं वे महान पुरुष होते हैं। वे किसी भी सांसारिक दुख और सुख में कोई रुचि नहीं लेते। हे पार्वती! इस समय महाराजा चित्रकेतु के पास इतनी शक्ति है कि अगर वह आपको कुछ भी श्राप दे देते तो मैं कुछ नहीं कर सकता था। लेकिन उसने अपनी शक्ति का दुरुपयोग नहीं किया। बल्कि जाते-जाते भी वह तुमसे क्षमा मांग कर गया है। हे पार्वती! आज महाराजा चित्रकेतु के सामने तेरा सौन्दर्य फीका पड़ गया। हे पार्वती मुझे मालूम है कि जो भगवान नारायण के जो भक्त हैं वह सर्वोपरि हैं। उनसे बढ़कर दुनिया में कोई भी भक्त नहीं है। हरिदास, जो कभी ना हो उदास वह कभी किसी से भी डरते नहीं है। उनके लिए स्वर्ग में जाना, नर्क में जाना और बैकुंठ में जाना उनके लिए सब कुछ बराबर है। इन सभी में उनकी रूचि नहीं होती। उनकी रूचि केवल भगवान के नाम जाप में ही होती है। भगवान विष्णु के भक्त इस संसार में परम ज्ञानी एवं सहनशील होते हैं।

उन्होंने बताया कि शास्त्रों में यह भी उल्लेख है कि एक बार लिया हुआ भगवान का नाम उसके इतने पापों को नष्ट कर देता है कि वह जीवन भर भी इतने पाप भी नहीं कर सकता।

कथा के यजमान श्री मनदीप सिंह जी (वरिष्ठ एडवोकेट) ने ज्योति प्रचण्ड कर, कथा व्यास जी को पुष्प माला से सम्मानित किया और कथा का श्रवण किया। प्रेस सचिव भारत मदान ने बताया कि प्रभु जी ने बहुत ही भाव से कथा सुनाई, जिसका भक्तों ने बहुत ध्यानपूर्वक श्रवण किया और कृष्ण लीला का वर्णन करते हुए उन्होंने कथा में मीठे-मीठे भजन सुनाए व भक्तों ने उन भजनों पर नृत्य कर भगवान को प्रसन्न किया। सम्पूर्ण कथा पंडाल भक्तों से भरा हुआ था। पंडाल के बाहर भी बहुत संख्या में कैथल के निवासी श्रवण के लिए आये हुए थे। कथा समापन पर समिति की तरफ से भंडारा प्रसाद की व्यवस्था की गई। कथा पंडाल में समिति के प्रधान दीपक अग्रवाल, राज गुलाटी, आशीष गर्ग, रामनिवास, संजय वाही, अमित गर्ग, रमेश कुमार, बलविंदर, नीरज गर्ग, रमेश चंद, दीपक टुटेजा, विनय तनेजा व अन्य सदस्य मौजूद थे।


**COURT NOTICE**
**In the Court of Sh. Amit Sihag Additional Civil Judge (Senior Division), Jind**
**CNR No. HRJN02-000452-2025**
**Next Date: 12.08.2025**
**HMGA/04/2025**
Sanvi Kundu
Versus
GP Haibetpur

a. Petition u/s 7,17,25 of the Guardian and wards Act, 1890 read with sections 6 and13 of Hindu Minority and Guardianship Act, 1956 for the appointment/declaration of the petitioner as guardian of the person of the minor namely (1) Sanvi Minor, aged about 5 years and (II), aged about years, daughters of Bhupendar son of Late Sh. Dhram singh, resident of Haibetpur Jind, who are presently residing and In the custody of the respondent, and for giving the custody of the childeren to the petitioner who is the real mother of these children, on the basis of evidence of every kind oral and documentary.b. Petition for appointment of petitioner as guardian of minors namely aged years and aged about years under the guardian and wards act 1890 as well as Hindu Minority and Guardianship Act 1966 and for custody of the aforesaid minor child. c. Petition under section 6 of Hindu Minority and Guardianship Act seeking permission to sell the land owned and possessed by minor son of the petitioner namely.

Notice to: GP Haibetpur:- Jind Haryana

In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on **12.**08.2025 at 10:00 A.M.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Jind
Dated, this day of 18-06-2025
**Sd/- Sh. Amit Sihag**
**Additional Civil Judge**
**(Senior Division), Jind**



**नीलामी सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बुच्ची ब्लॉक पुण्डरी, जिला कैथल के दो पंचायती तालाबों की मछली पालन की खुली बोली दिनांक 23.06.2025 को सुबह 10 बजे चमार चौपाल में होनी निश्चित हुई है। नीलामी की नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी। सरपंच अंकुश, ग्राम पंचायत बुच्ची ब्लॉक, पुण्डरी, मोबाईल : 7027503615



**बेदखली सूचना**
हम रोशन लाल पुत्र धर्म सिंह व अनिता सैनी पत्नी रोशन लाल निवासी वार्ड नं. 1 सफीदों तहसील सफीदों जिला जीन्द सूचित करते है कि हमारी लड़की श्वेता सैनी जोकि हमारे कहने-सुनने से बाहर है, इसलिए हम इसे अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें हमारी व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। -**शपथकर्ता**



**बेदखली सूचना**
हम मुकेश कुमार पुत्र श्री प्रभू राम व श्रीमति पिंकी रानी पत्नी श्री मुकेश कुमार निवासी गांव मुनक जिला करनाल सूचित करते हैं कि हमारी लड़की श्वेता जोकि हमारे कहने-सुनने से बाहर है, इसलिए हम इसे अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इसमें हमारी व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी। -**शपथकर्ता**


## चीका में पनप रही अवैध कालोनी में चला डीटीपी का पीला पंजा

**कैथल,19 जून ( प्रवेश बहादुर ):** जिला नगर योजनाकार रोहित चौहान ने बताया कि चीका में पर एक एकड़ में पनप रही अवैध कालोनी में जिला प्रशासन के सहयोग से तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान जिला योजनाकार रोहित चौहान, मार्किट कमेटी सचिव सतबीर सिंह बतौर डयूटी मैजिस्ट्रेट तैनात रहे। डीटीपी कार्यालय का अमला पुलिस बल के साथ अवैध कालोनी में पहुंचा और नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई। उन्होंने बताया कि राजस्व संपदा चीका में एक एकड़ में अवैध रूप से पनप रही कालोनी का मामला संज्ञान में आया था, जिसके उपरांत कार्यालय द्वारा भूस्वामियों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी करके निर्माण विकसित करने के लिए जरूरी अनुमति प्राप्त करने वाले आदेश दिए गए थे। परंतु भू-स्वामियों द्वारा ना तो मौके पर बनाए जा रहे निर्माण को रोका गया और न ही विभाग से किसी प्रकार की अनुमति के लिए आवेदन किया गया था। जिसके बाद टीम द्वारा कालोनी में बनी अवैध कच्ची सड़कों को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। इस बारे में भू-मालिकों व डीलरों के विरूद्ध पुलिस को शिकायत दी गई और पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

# सम्पादकीय

## इजराइल फंसा भंवर में

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध तेज हो गया है, यह टकराव इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। इजराइल ने ईरान पर सुनयोजित रूप से कई परमाणु ठिकानों पर हमले किए। रिफाइनरी, एयरबेस, न्यूक्लियर ठिकानों से लेकर रेजिडेंशियल इलाकों मे इजराइल ने ईरान के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। जैसे ही रात का अंधेरा फैला, ईरान ने इजरायल के ऊपर जवाबी कार्रवाई की। ईरान के हमले से इजराइल कांप उठा। इजराइल को इस तरह के हमले की जरा भी उम्मीद नहीं थी। खासकर हाइफा पर हुए मिसाइल हमलों ने इजरायल के आर्थिक और सैन्य ढांचे को हिलाकर रख दिया। हाइफा पर भारत के अडानी समूह का नियंत्रण है। जहां इजराइल की सबसे बड़ी रिफाइनरी और प्रमुख पोर्ट स्थित हैं। हाइफा मे अब चारो ओर आग धधक रही है। पूरा हाईफा आग में झुलस रहा है। इससे अडानी समूह को भारी नुकसान हुआ है। वहीं इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रयोग किया। जिससे इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम की नाकामी उजागर हो गई है। इस हमले में इजरायल की कई इमारतें धराशायी हो गईं हैं। सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। इजराइल के सभी क्षेत्रों में भय का माहौल देखने को मिल रहा है। इन हमलों से घबराए प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकर में जाकर छिप गये है। ईरान के जवाबी हमले इजराइल के लिए यह स्पष्ट संकेत है। ईरान के साथ यह लड़ाई अब आसान नहीं है। इजराइल कई वर्षों से हिजबुल्ला, हमास जैसे संगठनों से लड़ता आया है। ईरान का यह जो जवाबी हमला था, उसके सामने अब इजरायल पहली बार असहज हो गया है। अभी तक यह माना जाता था कि इजराइल का मुकाबला करने की स्थिति किसी के पास नहीं है। इजराइल के पास बाहरी हमलो को रोकने और दूसरे देशों में हमले करने की जो तकनीकी है। उसका कोई भी देश मुकाबला नहीं कर सकते हैं। ईरान के इस हमले से यह धारणा अब टूट गई है। अमेरिका की 7.4 अरब डॉलर की आपात मदद और मिसाइल आपूर्ति के बावजूद इजराइल के लिए यह युद्ध अब आसान नहीं रहा। चीन और रूस का खुला समर्थन ईरान को मिल रहा है। जिससे यह टकराव वैश्विक राजनीतिक लड़ाई में बदलता जा रहा है। भारत ऐतिहासिक रूप से ईरान का सहयोगी रहा है। भारत और ईरान के बीच हजारों वर्ष पुराने संबंध हैं। इस युद्ध में कूटनीतिक रूप से भारत निष्क्रिय और असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा है। भारत की चुप्पी और ईरान से दूरी, चीन को मध्य-पूर्व में ताकतवर शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। भारत को समझना होगा, संतुलित और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति ही भारत की पहचान रही है। वर्तमान में भारत का इजरायल के प्रति एकतरफा झुकाव न केवल भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाएगा। हमारी क्षेत्रीय भूमिका को भी वैश्विक स्तर पर कमजोर करेगा। इसका फायदा चीन उठा रहा है। जरूरत इस बात की है, भारत स्पष्ट रुख अपनाए। वर्तमान में अमेरिका और इजरायल जिस तरह से एकजुट होकर सारी दुनिया के देशों को धमका रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से सारी दुनिया के देशों को टैरिफ बार के जरिए कंट्रोल करना चाहते थे। उसको लेकर अमेरिका का विरोध सारी दुनिया में बढा है। अमेरिका के मुकाबले चीन सबसे सशक्त भूमिका में नजर आने लगा है। पिछले दो दशक में चीन ने बिना किसी विवाद में पड़े, अपने व्यापार और कारोबार को तेजी के साथ बढ़ाया है। एशियाई देशों में समझौते के माध्यम से बहुत बड़े भूभाग पर चीन ने कब्जा किया है। चीन आर्थिक सामरिक और कूटनीति मे बड़ा शक्तिशाली हुआ है। भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन के मुकाबले में खड़ा हो सकता है। चीन की कोशिश हमेशा भारत को आगे बढ़ने से रोकने की होती है। डोनाल्ड ट्रंप जिस तरीके की दादागिरी कर रहे हैं। उसको रोकने के लिए अब चीन और रूस जैसे शक्तिशाली देश ईरान के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। जिसके कारण ईरान की स्थिति मजबूत हुई है। भारत की ईरान को लेकर चुप्पी, इजराइल के प्रति असाधारण प्रेम, पिछले दो वर्षों से फिलिस्तीन पर इजराइल के हमले से लाखों लोगों की मौत पर भारत की अनदेखी से भारत वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर हुआ है। भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंध खराब हुए हैं। ईरान जैसे देश के साथ हमारे वह रिश्ते नहीं रहे, जो पहले थे। युद्ध के खिलाफ, मानवता और कूटनीति का संतुलन भारत को हमेशा विशिष्ट बनाता रहा है। कुछ वर्षों में भारत वैश्विक स्तर पर काफी कमजोर हो गया है। चीन का प्रभाव बड़ी तेजी के साथ बढा है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति, पड़ोसियों के साथ संबंध तथा दो सांड़ों की लड़ाई में भारत को कैसे सुरक्षित रखना है। इसके लिए सोच समझकर निर्णय लेने होंगे। चुप्पी साधने से कोई मामला हल नहीं होगा। जिस तरह की वैश्विक स्थितियां बन रही हैं उसमें तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। ऐसी स्थिति में भारत की भूमिका अभी भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

# बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

**– संजय गोस्वामी**

**( विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून25 पर विशेष )**

–तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेंजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788–1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेंजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेंजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906–07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत

होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनऱ स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913–14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गयाऱ 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं।दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है।तिब्बत का इतिहास बेहद उथल–पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की। लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया।लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया। साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जाने गई थीं।चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा। मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था।फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की। फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई। दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया।तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी। हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे।चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी।

इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

# विमान हादसा : तकनीकी जांच को अधिक सुनिश्चित करना होगा

**– संजय गोस्वामी**

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदा बाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा बढ़ कर 285 तक हो गई यह याद रखना ज़रूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ़ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरुआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना

के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्त्रोतों की जांच की।1951 में एसएई (सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, एक अमेरिकी संगठन है) की एक बैठक में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (ष्ट) के इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1938 और 1951 के बीच, आग न लगने वाली दुर्घटनाओं के कारण 60.8 प्रतिशत यात्रियों की मृत्यु हुई, जबकि आग से जुड़ी दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 84.6 प्रतिशत थी। इस पत्र में दुर्घटना जांच के निष्कर्षों के साथ-साथ ब्लैडर टैंक और सेल्फ-सीलिंग फिटिंग के परीक्षण पर चर्चा की गई थी। 1966 में किए गए सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड (ष्टक्) के एक अध्ययन में 1955 से 1964 के बीच हुई 153 दुर्घटनाओं की जाँच की गई, जो या तो आग के कारण हुई थीं या आग के परिणामस्वरूप हुई थीं। इसमें शामिल 4,559 यात्रियों और चालक दल में से 1,955 गंभीर रूप से घायल हुए, कुल मिलाकर, इन घटनाओं में 1,161 लोग शामिल थे, जिनमें 488 (42त्न) ने अपनी जान गंवाई। मौतों में से 294 (60त्न) आग के कारण हुईं और अन्य 57 व्यक्ति गंभीर रूप से जल गए। 79 दुर्घटनाएं जो घातक थीं या जिनमें आंशिक रूप से बचने की संभावना थी, उनमें 294 (15त्न) की मौत आग के कारण हुई। रिपोर्ट में कुछ दुर्घटनाओं का विस्तृत विवरण शामिल था जिसमें मृत्यु और जीवित बचे दोनों शामिल थे, जिससे विमान डिजाइन में आग की रोकथाम पर आगे के शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, क्योंकि प्रभाव के बाद संक्षिप्त निकासी अवधि के दौरान अग्निशमन संसाधन शायद ही उपलब्ध हों। 1975 में, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए नासा अध्ययन ने 1963 से 1975 तक अमेरिकी वाणिज्यिक विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं की समीक्षा की ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि किस हद तक बेहतर अग्नि प्रतिरोध और/या कम विषाक्तता वाली सामग्री चोटों, मौतों और आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकती है। इस अवधि के दौरान, 545 गैर-अशांति दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें से 122 (22त्न) में एयरफ्रेम में आग लग गई थी। न दुर्घटनाओं को छोड़कर जिनमें एयरफ्रेम को कोई नुकसान नहीं हुआ था और वे दुर्घटनाएं जिनमें आग इंजन और/या पहिये के वेल तक ही सीमित थी, आग से संबंधित 122 दुर्घटनाओं में से कम से कम 21 में, प्रभाव क्षति अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी आग से क्षति गंभीर थी। आग की लगभग आधी दुर्घटनाएं लैंडिंग के दौरान हुईं। कुल मिलाकर, लगभग 15त्न मौतें आग के कारण हुईं, यह आंकड़ा 1966 के एक अध्ययन में पाए गए आंकड़े में आग से जुड़ी 71 घातक दुर्घटनाओं में से 39 में प्रभाव के कारण जान बच नहीं सकी, 13 में कुछ मौतें सीधे आग के कारण हुईं, और 19 को प्रभाव के बाद जान बच पाने या न बच पाने की सूचना मिली। विडमेयर और ब्रेंडे द्वारा किए गए इस व्यापक अध्ययन में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों और कंपनी के अभिलेखों का विश्लेषण किया गया, तथा 1959 और 1979 के बीच घटित 583 घटनाओं के प्रारंभिक डेटाबेस से 153 संभावित रूप से जीवित रहने योग्य दुर्घटनाओं से विस्तृत जानकारी संकलित की गई। जबकि इनमें से 67त्न मामले आग से संबंधित थे और 37त्न मामले आग से संबंधित मौतों से संबंधित थे, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह डेटाबेस सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को शामिल नहीं की गई , बल्कि उन दुर्घटनाओं को शामिल की गई जो एक विशिष्ट अवधि के दौरान घटित होती, जब दुर्घटना-प्रूफिंग का सुधार करने के लिए विश्वसनीय डेटा उपलब्ध था। केवल चयनित अवधि के दौरान होने वाली शामिल दुर्घटनाओं की गई।

# बेटियां आगे बढ़ रहीं लेकिन मंच अभी भी खाली

**– सोनम लववंशी**

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे।

# मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत गांव वासियों को मिलेंगे प्लांट : बीडीओ गुरमलक सिंह

इन्द्री, 19 जून ( बिशपाल राणा ) : हरियाणा में हर जरूरतमंद को घर देने के उद्देश्य से चलाई जा रही मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत दूसरे चरण के प्लॉट आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र गरीब परिवारों को घर बनवाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 100 गज का प्लॉट दिया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुरमलक सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के अंतर्गत आने वाले पात्र लाभार्थियों को प्लॉट आवंटित करने के लिए गांव-गांव में ग्राम सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इन्द्री खंड के गांव धूमसी व धानोखेड़ी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत महाग्राम पंचायतों में 50 वर्ग गज के प्लॉट तथा नियमित पंचायतों में 100 वर्ग गज के प्लॉट दिए जाएंगे, जिनमें विभिन्न केंद्रीय/राज्य योजनाओं के माध्यम से सभी पात्र लाभार्थियों को पानी, स्वच्छता, सीवरेज, सड़क, बिजली जैसी बुनियादी आंतरिक अवसंरचना उपलब्ध होगी। डीएचएफए विशिष्ट गांवों में भूमि की उपलब्धता के आधार पर प्लॉटों के आवंटन का निर्णय लेगा। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुरमलक सिंह ने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत लाभार्थी की पी.पी.पी. (पी.पहचान पत्र) के अनुसार सत्यापित वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक होनी चाहिए। लाभार्थी हरियाणा का वास्तविक निवासी होना चाहिए तथा उसके पास परिवार पहचान पत्र आई.डी. होना चाहिए। लाभार्थी परिवारों के पास हरियाणा में पक्का मकान नहीं होना चाहिए। लाभार्थी गांव का स्थायी निवासी होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिन लाभार्थियों ने पिछले 20 वर्षों में प्रियदर्शनी आवास योजना, इंदिरा आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना या किसी भी केंद्रीय/राज्य योजना से लाभ प्राप्त किया है, वे पात्र नहीं हैं। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी के मार्गदर्शन ग्रामीणों को स्वच्छता एवं साफ-सफाई, जल संरक्षण व पॉलीथिन के प्रयोग से होने वाली हानियों के प्रति भी जागरूक किया व युवाओं को अपने गाँव के विकास में योगदान देने का आह्वान भी किया गया। ग्राम सभाओं में बोलते हुए स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के खंड समन्वयक ब्रह्मजीत ने ग्रामीणों को बताया कि आपसी भाईचारे के साथ गांव के विकास कार्य करवाने एवं एक दूसरे की मदद करेंगे तो अवश्य ही हमारा गांव उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि आज हमारा पर्यावरण बहुत दूषित हो गया है जिसकी वजह से हमें अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समन्वयक ब्रह्मजीत ने बताया कि दैनिक जीवन में पॉलिथीन का प्रयोग जितना सुविधाजनक लगता है, उसका परिणाम उतना ही घातक है क्योंकि प्रयोग किए गए पॉलीथिन को नष्ट करना गंभीर समस्या है। यह जलने में पूरी तरह सक्षम नहीं है व जलने पर पॉलिथीन पूरी तरह नष्ट नहीं होते। पॉलिथीन का अपशिष्ट किसी काम नहीं आता, न तो वह पूरी तरह नष्ट होता है, पॉलिथीन उपयोग का कोई लाभ नहीं बल्कि हानि ही हानि है। उन्होंने बताया कि प्रकृति को स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने की जिम्मेवारी भी हमारी ही बनती है, यदि हमारी प्रकृति स्वच्छ एवं हरी-भरी होगी तो हमें जानलेवा बीमारियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि हम अभी से यह संकल्प करें कि हमें पेड़-पौधे लगाकर प्रकृति को स्वच्छ एवं साफ रखना है तो यह संकल्प हमारे लिए आने वाले समय में एक वरदान साबित होगा। इसलिए हम सभी ने मिलकर प्रकृति को दूषित होने से बचाने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर सरपंच प्रवीन कुमार, ग्राम सचिव सुरेन्द्र कुमार, जे.ई कृष्ण लाल, सीपीएलओ राजेश कुमार सहित गांवों के गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामीण मौजूद रहें।

## अवैध कॉलोनियों पर चला डी.टी.पी का पीला पंजा, दो अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई

करनाल, 19 जून ( संदीप रोहिला ): जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि करनाल में 2 अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि एक अवैध कॉलोनी गांव पुन्डरक

में स्थित है, जो कि लगभग 5 एकड़ में फैली है। इस कॉलोनी की सभी कच्ची सड़कों एवं 8 डी.पी.सी. के विरुद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार दूसरी कॉलोनी पाल नगर के पास मेहता फार्म के सामने स्थित है, जो लगभग 1.5 एकड़ में फैली हुई है। जिसमें सभी कच्ची सड़कों, सीवर नैटवर्क एवं 2 निर्माणधीन मकान के विरुद्ध तोडफोड की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान जिला नगर योजनाकार व कार्यालय की टीम, ड्यूटी मजिस्ट्रेट व थाना सदर की पुलिस फोर्स उपस्थित रहे। जिला नगर योजनाकार ने लोगो से अपील की कि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोडफोड की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोड़फोड़ की कार्रवाई जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

## एंटी नारकोटिक्स सेल ने अफीम तस्कर को किया काबू, आरोपी दो दिन के पुलिस रिमांड पर

**आरोपी अंबाला से अफीम लाकर रायपुररानी क्षेत्र में बेचने आया था, पुलिस ने पहले ही दबोच लिया**

रायपुररानी, 19 जून ( देवेन्द्र सिंह ) : प्रदेश सरकार द्वारा नशा मुक्त समाज की दिशा में चलाए जा रहे अभियान को मजबूती देने के उद्देश्य से पंचकूला पुलिस के उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के तहत क्राइम ब्रांच और थाना-चौकी स्तर की टीमें लगातार ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में जुटी हैं। इसी कड़ी में एंटी नारकोटिक्स सेल पंचकूला की टीम ने एक नशा तस्कर को अफीम सहित गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि एक युवक रायपुररानी क्षेत्र के त्रिलोकपुर मोड़ की तरफ से खटौली मोड़ पर अफीम बेचने आने वाला है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज की अगुवाई में एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर प्रवीण एवं उनकी टीम द्वारा तुरंत बताए गए स्थान पर छापेमारी की गई। मौके से एक युवक को काबू किया गया। पूछताछ में युवक की पहचान 19 वर्षीय कन्हैया लाल पुत्र मेवा राम निवासी गांव नबीपुर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से कुल 149 ग्राम अफीम बरामद हुई। जबकि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी यह अफीम अंबाला से लाकर रायपुररानी क्षेत्र में बेचने के इरादे से आया था। बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना रायपुररानी में मामला दर्ज किया गया। जबकि आरोपी को आज माननीय न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस द्वारा आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जाएगी, जिसमें यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि वह यह अफीम किससे प्राप्त करता था और रायपुररानी में किसे सप्लाई करने आया था और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग संलिप्त हैं। पंचकूला पुलिस आमजन से अपील करती है कि नशे के खिलाफ इस जंग में पुलिस का सहयोग करें और समाज को नशा मुक्त बनाने में अपना योगदान दें। यदि किसी को नशा तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी प्राप्त होती है तो वह पंचकूला पुलिस द्वारा जारी ड्रग इंफो हेल्पलाइन नंबर 7087081100 या 7087081048 पर तुरंत संपर्क करें। पुलिस यह भी आश्वस्त करती है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी।

# स्व. देसराज गाबा की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तीसरी पीढ़ी ने रखा कदम

*जिला युवा कांग्रेस का महासचिव नियुक्त होने के बाद आयुष गाबा राजनीति को मानते है जनसेवा का माध्यम*

***कहा : गाबा परिवार ने शुरू से ही राजनीति के माध्यम से की है लोगों की सेवा***

करनाल, 19 जून ( संदीप रोहिला ): करनाल के एक प्रतिष्ठित राजनीतिक गाबा परिवार की तीसरी पीढ़ी ने सक्रिय राजनीति में प्रवेश कर लिया है। आयुष गाबा जोकि पूर्व में जिलाध्यक्ष रहे स्व. देसराज गाबा के पोते है और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पराग गाबा के सुपुत्र है। आयुष गाबा को हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में जिला युवा कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया गया है और आयुष गाबा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत जनसेवा के माध्यम से शुरू की है। मीडिया से बातचीत करते हुए जिला युवा कांग्रेस के नवनियुक्त महासचिव आयुष गाबा ने बताया कि गाबा परिवार ने शुरू से ही राजनीति के माध्यम से लोगों की सेवा की है और वे भी राजनीति के माध्यम से लोगों की सेवा करना चाहते है। उन्होंने बताया कि उनके दादा जी स्व. देसराज गाबा ने कांग्रेस में रहते हुए राजनीति में कई दशकों तक सक्रिय रहे और निरन्तर लोगों की आवाज उठाते रहे। अब जब तीसरी पीढ़ी ने मोर्चा संभाल लिया है तो सबकी नजरें उनके प्रदर्शन पर टिकी है। वे अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाते हुए जनता की सेवा को प्राथमिकता देंगें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के राजनीति में कदम बढ़ाने से उन्हें नई ऊर्जा और नया दृष्टिकोण मिलेगा। उन्होंने बताया कि उनके दादा जी स्व. देसराज गाबा सन-2008 में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके है। वहीं उनके चाचा पंकज गाबा सन-2012 से 2016 तक युवा कांग्रेस से दो बार विधानसभा अध्यक्ष रह चुके है और उसके बाद उनकी चाची शिखा गाबा भी सन-2016 से 2020 तक विधानसभा अध्यक्ष रही। इसके बाद पंकज गाबा कांग्रेस में विभिन्न पदो पर रहे, वहीं उन्होंने नगर निगम चुनाव में करनाल संयोजक की भी जिम्मेदारी मिली। इन महत्वपूर्ण पदों पर रहे गाबा परिवार ने राजनीति के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आगे भी निभा रहे है। कांग्रेस के युवा नेता आयुष ने कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि कोरोना काल में जब लोग घरों में बैठने को विवश हो गए थे। तब भी गाबा परिवार ने करनाल में थैलीसिमियां से पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया और रक्तदान की कोई कमी नहीं रहने दी।

## महाविद्यालय से स्वास्थ्य केंद्र तक गूंजा नशा मुक्त भारतज् का संदेश

रायपुर रानी, 19 जून ( देवेन्द्र सिंह ) : राजकीय महाविद्यालय रायपुर रानी में नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत एक प्रेरणादायक जागरूकता

रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शैलजा छाबड़ा के कुशल निर्देशन में संपन्न हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। रैली के दौरान नशा मुक्ति जागरूकता सेल की संयोजक अंजू बूरा ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशीली दवाओं और तंबाकू के खतरों से अवगत कराना है। उनका कहना था कि हमारा लक्ष्य है कि युवा नशे की लत से दूर रहें और एक स्वस्थ, सशक्त एवं समर्थ समाज का निर्माण करें। इस रैली के माध्यम से हम यह संदेश हर युवा तक पहुंचाना चाहते हैं कि नशा नहीं, जीवन है असली सफलता की कुंजी। जबकि रैली का शुभारंभ महाविद्यालय प्रांगण से हुआ और यह रायपुर रानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक जारी रही। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने नशा मुक्त जीवन के संकल्प के साथ नशा मुक्ति की शपथ ली। रैली ने न केवल विद्यार्थियों में आत्मबल और संकल्प की भावना को मजबूत किया, बल्कि उनमें देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की चेतना भी जागृत की। कार्यक्रम में मनीषा, पूजा, डॉ. रोहित भुल्लर सहित अन्य नॉन-टीचिंग स्टाफ ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई।

# सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता लगन एवं मेहनत से काम करें : धर्मवीर मिर्जापुर

बाबैन, 19 जून ( राजेश कुमार ) : हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता लगन एवं मेहनत से काम करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी हैं जिनके कारण आमजन को सरकार की नीतियों का सीधा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश व प्रदेश में भाजपा ने जो कार्य किए हैं, पिछली सरकार के 60 वर्षों के कार्यकाल से बहुत ज्यादा हैं। भाजपा ने अंत्योदय की नीति पर काम करते हुए गरीब व कमजोर वर्ग को मजबूत करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार तीन गुणा गति से काम कर रही है। प्रदेश में युवा वर्ग के लिए बिना खर्ची बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जबकि पहली सरकार में नौकरियों के नाम पर बोलियां लगाई जाती है और ऐसी स्थिति में योग्य पात्र नौकरी की लाइन से ही बाहर हो जाता था। धर्मवीर मिर्जापुर संकल्प से सिद्धि व सिद्धि से समृद्धि कार्यक्रम के तहत आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व धर्मवीर मिर्जापुर, भाजपा वरिष्ठ नेता सुभाष कलसाना, भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, जिला महासचिव रीना सैनी, सतबीर मंगौली, पूर्व अध्यक्ष जसविन्द्र जस्सी, सुरेश कश्यप, विनोद सिंगला, अनिल टाटकी, भीम बेरथला, रिंकू कश्यप, सरपंच संजीव सिंगला, नायब पटाक माजरा, कौशल सैनी, प्रदीप बिंट, मेजर सिंह, बख्तावर सिंह, गुरमेल सिंह ने भारत माता, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभाष कलसाना ने कहा कि सरकार की योजनाओं को जरूरतमंद और योग्य पात्र तक पहुंचाने के लिए परिवार पहचान पत्र तैयार कराकर केंद्र व प्रदेश के विभिन्न विभागों की 600 से ज्यादा योजनाओं का ऑनलाइन लाभ सीधे खातों में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश का ऐसा कोई भी जिला नहीं है, जो नेशनल हाईवे, फोरलेन से ना जोड़ा गया हो जिससे 5 से 6 घंटे का सफर मात्र सवा घंटे में पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन विश्व का सबसे मजबूत संगठन है और कुरुक्षेत्र में संगठन को ओर मजबूत करने का काम किया जा रहा है। आज हर व्यक्ति भाजपा के साथ जुड़ना चाहता है। इस प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली से हर व्यक्ति प्रभावित है और मुख्यमंत्री के साथ जुड़कर प्रदेश के विकास में अपना योगदान देना चाहता है। इस अवसर पर सतबीर मंगोली, डिम्पल सैनी, मेजर सिंह, चन्द्रकांता शर्मा, प्रवीण ढंगाली, डा. संजीव सैनी, सूर्या सैनी, शिव दयाल सैनी, राहुल झंडोला, नायब ईशरहेड़ी, नरेन्द्र गोजरे, गुरदेव लखमड़ी, प्रवीण रामसरन माजरा के अलावा अनेक पार्टी कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

## नशा मुक्त समाज बनाने में जन भागीदारी आवश्यक : रामकुमार कश्यप

इंद्री, 19 जून ( बिशपाल राणा ) : विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने कहा कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए जन भागीदारी बेहद जरूरी है। नशे के कारण हमारे युवा गलत रास्ते पर जा रहे हैं। युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए सरकार के साथ-साथ जनता की सहभागिता भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशा रोकने के लिए

समय-समय पर सरकारी विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा विशेष अभियान चलाए जाते हैं। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियानों के साथ-साथ साइकिल रैलियां चलाई जा रही हैं। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप गुरुवार को एक निजी पैलेस में आयोजित नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस जागरूकता कार्यक्रम में हलके के विभिन्न गांवों से सरपंच, पंच, पार्षदों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित आमजन को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। विधायक राम कुमार कश्यप ने कहा कि नशे से युवाओं की अकाल मृत्यु हो जाती है, जिससे परिवार तबाह हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि नशा समाज, प्रदेश और देश का बड़ा नुकसान कर रहा है, और सभ्य समाज में इसकी कोई जगह नहीं है। उन्होंने पोलियो उन्मूलन में जनता के सहयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि उसी तरह हमें मिलकर नशे को भी खत्म करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और इस बारे मे सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज की कल्पना को साकार करने के लिए, सामूहिक जागरूकता और एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं करता बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, और इसे समाज से खत्म करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर इंद्री उप पुलिस अधीक्षक सतीश गौतम, थाना प्रभारी विपिन, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय कश्यप, वरिष्ठ भाजपा नेता महेंद्र सिंह पंजोखरा, सरपंच एसोसिएशन इंद्री के प्रधान प्रताप सिंह, इलम सिंह, अखिल भारतीय सैनी समाज के युवा उपाध्यक्ष दीपक सैनी, सुंदर सैनी, रघुवीर नताना, अमित गोयल, फकर कम्बोज, सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान शमशेर सिंह, बालक राम, शेरगढ़ के सरपंच ईश्वर सिंह, नंदिया के सरपंच रमेश कुमार, राजबीर, मुकेश तुसंगो सहित काफी संख्या में भाजपा नेतागण, कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

## लाल सड़क से चोरी मामले में उद्घघोषित अपराधी को किया गिरफ्तार

हांसी, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ): जिला भर में उद्घघोषित अपराधी, बेल जंपर के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पीओ पुलिस ने लूट मामलें उद्घघोषित अपराधी चीकी पुत्र पृथ्वी सिंह निवासी लाल सड़क को गिरफ्तार किया गया। जो कि अदालत ने आरोपी को थाना शहर हांसी के चोरी मामलें में उद्घघोषित अपराधी करार दिया हुआ था। पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

## हिसार से एमटीपी कीट के असल सप्लायर को किया गिरफ्तार

हांसी, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ): पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन भा.पु.से. के दिशा-निर्देशानुसार जिला भर में अपराधों पर लगाम लगाते हुए थाना शहर हांसी पुलिस ने एमटीपी कीट के असल सप्लायर नितिन पुत्र सुभाष निवासी सैनियान मोहल्ला हिसार को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी ने गत दिनों पहले सुनील पुत्र वासुदेव निवासी फतेह नगर हिसार को 6 एमटीपी कीट सप्लाई की थी। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में अभियोग अंकित हुआ था। थाना शहर हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को बाद कानुनी कार्रवाई पुलिस बेल पर रिहा किया।

## अवैध हथियार सप्लायर को किया गिरफ्तार

हांसी,19 जून ( मनमोहन शर्मा ): पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार जिला भर में अपराधों पर लगाम लगाते हुए सीआईए स्टाफ हांसी पुलिस ने अवैध हथियार सप्लायर राहुल पुत्र प्रहलाद निवासी चार कुतुब गेट हांसी को किया गया है। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी ने गत दिनों पहले समीर पुत्र सुरेश निवासी चार कुतुब गेट को एक अवैध हथियार देशी कट्टा व एक जिन्दा रौन्द सप्लाई किया था। आरोपी के खिलाफ थाना शहर हांसी में अभियोग अंकित हुआ था। सीआईए स्टाफ हांसी ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

# गैर-संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए हंगोला में योग शिविर आयोजित

रायपुररानी, 19 जून ( देवेन्द्र सिंह ) : गांव हंगोला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय गैर-संक्रामक रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉयड और मोटापे जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना और इनके प्रभावी नियंत्रण के लिए योग जैसे प्राकृतिक उपायों को अपनाने हेतु प्रेरित करना था। शिविर का संचालन योग प्रशिक्षक मंगत राम के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को सरल और प्रभावशाली योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकें सिखाईं। साथ ही, समझाया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की ऊर्जा संतुलित होती है, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनती है और मानसिक तनाव में कमी आती है। मंगत राम ने विशेष रूप से यह बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य का माध्यम है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास अपनाकर न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है, बल्कि पहले से मौजूद समस्याओं में भी राहत पाई जा सकती है। शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान योग प्रशिक्षकों ने स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार और नियमित व्यायाम की महत्ता पर भी जोर दिया गया। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की अनूठी पहल को ग्रामीणों ने सराहा और कई प्रतिभागियों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

# रात्रि ठहराव सुशासन की पहल, ग्रामीणों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प : मोहम्मद इमरान रजा

**सफीदों, 19 जून (एस. के. मित्तल) :** उपमंडल के बड़ौद गांव में मंगलवार रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत जिला उपायुक्त (डीसी) मोहम्मद इमरान रजा ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने डीसी के समक्ष 101 समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष शिकायतों के निदान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। डीसी ने कहा कि रात्रि ठहराव सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम है, जिसके तहत अधिकारी अब दफ्तरों के साथ-साथ गांवों में पहुंचकर आमजन की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री की मुहिम के तहत जिला प्रशासन लोगों के घर-द्वार पर जाकर उनकी शिकायतों का निवारण कर रहा है। कुछ शिकायतों के समाधान में नियमानुसार समय लगता है, जिन्हें शीघ्र पूरा किया जाएगा। प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जहां जरूरतमंद अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। इन शिविरों की समीक्षा जिला और उच्च स्तर पर भी की जाती है। गांव के सरपंच राकेश कुमार शर्मा ने विभिन्न मांगें डीसी के समक्ष रखीं, जिन पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बिजली, पानी, सड़क, परिवहन सेवा और पीपीपी आईडी से संबंधित समस्याएं प्रमुख थीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुलदीप ने ग्रामीणों को नशा मुक्त जीवन, यातायात नियमों का पालन और

साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन फ्रॉड की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें। छोटे-मोटे झगड़ों को आपसी समझदारी या पंचायत स्तर पर निपटाने की सलाह दी, ताकि अनावश्यक कानूनी प्रक्रियाओं से बचा जा सके। कार्यक्रम में जिले सिंह ने पंचायती भूमि पर आवंटित प्लॉट की रजिस्ट्री न होने की शिकायत रखी, जिस पर डीसी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। महिलाओं ने गांव की बस्ती में शराब के ठेके को हटाने की मांग की, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। पीएमएवाई के तहत मकान और प्लॉटों के आवेदनों पर डीसी ने कहा कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ अवश्य मिलेगा। युवाओं की स्टेडियम की मांग पर उन्होंने ग्राम पंचायत से जमीन उपलब्ध कराने पर निर्माण का भरोसा दिलाया। विकलांग मोतीराम के गुमशुदा प्रमाण पत्र की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग को त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। बिजली कनेक्शन के लिए डीसी ने बताया कि जगमग योजना के तहत कार्य लगभग पूरा हो चुका है और शीघ्र पूर्ण सुविधा उपलब्ध होगी। इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम में एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह, सफीदों के एसडीएम पुलकित मल्होत्रा, नगराधीश डॉ. आशीष देशवाल, आरटीए गिरीश कुमार, रोडवेज महाप्रबंधक राहुल जैन, डीआरओ राजकुमार, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज, बीडीपीओ नरेश शर्मा, जिला प्रशासन के विभागाध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डीसी ने ग्रामीणों को रात्रि ठहराव के प्रबंधों और सर्वसम्मति से सरपंच बनाने के लिए बधाई दी।

**स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण**

रात्रि ठहराव से पहले डीसी ने बड़ौद गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा किया। उन्होंने मिड-डे मील, पाठन सामग्री, बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी सुविधाओं का जायजा लिया। स्कूल में मरम्मत और व्हाइटवॉश के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को दी जा रही सुविधाओं की बारीकी से जांच की और लाइट, शौचालय व सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान डीसी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

# स्नैचिंग के मामले में रतिया पुलिस ने चौथे आरोपी को किया काबू

**रतिया, 19 जून (अमन सेठी) :** थाना शहर रतिया पुलिस ने तत्परता और सतर्कता दिखाते हुए लूट की एक गंभीर वारदात को सुलझाते हुए चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सन्नी पुत्र राजकुमार उर्फ राजू निवासी रतिया के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ दिन पूर्व बड़ी नहर के पास शिकायतकर्ता कुलदीप सिंह निवासी रत्ताखेड़ा के साथ लूट की वारदात हुई थी। आरोपियों ने बर्फ तोड़ने वाले सूए से हमला कर उसे घायल किया और 3,000 नकद लूट लिए थे। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनकी पहचान साहिल उर्फ सागर पुत्र कृष्ण चंद, नंदू पुत्र उदयभान, व अक्षय उर्फ गप्पड़ पुत्र राकेश (सभी निवासी शिमलापुरी, रतिया) के रूप में हुई थी। अब चौथे आरोपी सन्नी की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने उसके कब्जे से 2,600 नकद, वारदात में प्रयुक्त सुआ, तथा मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। इस संबंध में थाना शहर रतिया में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है।

## प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित हो रहा समाधान शिविर : एसडीएम

**असंध, 19 जून (दलसिंह मान) :** एसडीएम असंध राहुल (आईएएस) ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार उपमंडल अधिकारी कार्यालय (ना.), असंध में प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहते हैं तथा समाधान शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि सभी नागरिक प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 बजे से 12 बजे आयोजित समाधान शिविर में अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। उन्होंने असंध उपमंडल के समस्त आमजन को संदेश देते हुए कहा कि सभी नागरिक अपनी संबंधित समस्याओं को लेकर उपमंडल कार्यालय में उक्त दिवस को समाधान शिविर में जरूर पहुंचे। नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है।

इन शिविरों में पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, समाज कल्याण आदि जनकल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारी एवं अन्य उपमंडल अधिकारी एक साथ मौजूद रहते हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। आमजन की सभी संबंधित समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा। उपमंडल प्रशासन असंध की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

# मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी के 2927 पात्रों को मिलेंगे प्लाट, ऑनलाइन बुकिंग शुरू

**यमुनानगर, 19 जून (दिनेश कुमार) :** किरायेदारों व बेघरों को घर देने के लिए सरकार द्वारा चलाई गई मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी के तहत दूसरे चरण में नगर निगम क्षेत्र के 2927 पात्रों को प्लॉट दिए जाएंगे। प्लॉट देने के लिए सरकार द्वारा हाउसिंग फॉल ऑल विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी है। जिन आवेदकों ने सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन कराया था। उन पात्रों की सूची सरकार द्वारा नगर निगम को भेजी गई है। वहीं, पात्रों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संदेश भेजकर इसकी जानकारी दी गई है। प्लॉट की ऑनलाइन बुकिंग कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। पात्र कन्हैया साहिब चौक स्थित नगर निगम के कार्यालय के कमरा नंबर 15 में संपर्क कर प्लॉट की बुकिंग कर सकते है। बुकिंग के बाद पात्रों को प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर अर्थात अनंतिम आवंटन पत्र दिए जाएंगे। जिसके बाद पात्रों को नगर निगम क्षेत्र में प्लाट आवंटित किए जाएंगे। नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि शहरी क्षेत्रों

के जिन बीपीएल परिवारों के पास अपना आवास नहीं है, उन्हें पक्का मकान बनाने को प्लॉट व फ्लैट लेने के लिए सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी शुरू की हुई है। योजना के तहत प्लॉट लेने के लिए हरियाणा सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल पर 13 सितंबर 2023 को रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए थे। अंतिम तिथि तक नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी एरिया के 10903 लोगों ने योजना के तहत प्लाट लेने के लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इनमें से प्रथम चरण में 3139 पात्रों की सूची जारी हुई थी। जिन्होंने हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के पोर्टल पर 15 फरवरी 2024 तक प्लाट के लिए बुकिंग कराई थी। जून 2024 में इन पात्रों को जगाधरी अनाज मंडी में कार्यक्रम आयोजित कर प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर अर्थात अनंतिम आवंटन पत्र दिए गए थे। बाद में ड्रॉ के माध्यम से इन्हें जगाधरी के भटौली व जय सिटी के पास स्थित सेक्टर 22, 23, 24 व 26 में लगभग 30 वर्ग गज के प्लाट आवंटित किए गए थे। सितंबर 2023 में प्लॉट के लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले आवेदकों में से अब सरकार द्वारा 2927 पात्रों की सूची जारी की है। सभी पात्रों को उनके मोबाइल पर संदेश भेजकर भी इसकी जानकारी

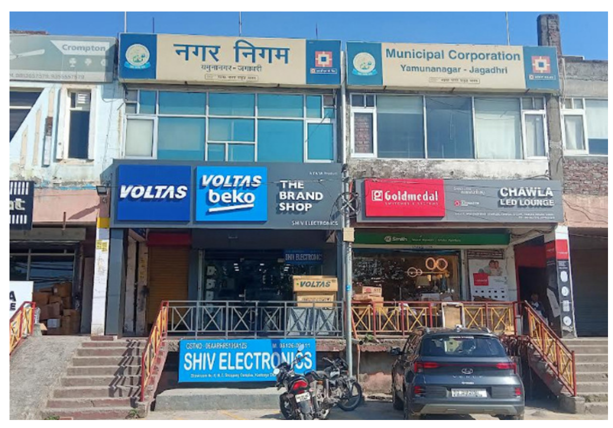


दी गई है। पात्र सरकार के हाउसिंग फॉर ऑल विभाग पोर्टल पर प्लाट के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है। जो पात्र बुकिंग करने में असमर्थ है, वह कन्हैया साहिब चौक स्थित नगर निगम कार्यालय के कमरा नंबर 15 में संपर्क कर सूची में अपना नाम देखकर बुकिंग करा सकता है। प्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2025 है। इसलिए पात्र 15 जुलाई से पहले प्लाट के लिए बुकिंग कराए। बुकिंग कराने के बाद पात्रों को अनंतिम आवंटन पत्र दिए जाएंगे। बाद में ड्रा के माध्यम से पात्रों को नगर निगम क्षेत्र में प्लॉट आवंटित किए जाएंगे।

**घुमंतू जाति को मिलेगी प्राथमिकता**:-योजना के अनुसार सरकार की ओर से लाभार्थियों को कैटेगरी वाइज प्लॉट दिए जाएंगे। सबसे पहले घुमंतू जाति के लोग, इसके बाद अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व जनरल को रखा गया है। प्लॉट बुक करने के लिए पात्र को दस हजार रुपये ऑनलाइन जमा कराने होंगे। बाद में किश्तों में रुपये देकर प्लॉट के मालिक बन सकते है।

**मुख्यमंत्री ने यमुनानगर से ही थी योजना की शुरुआत**

साल 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत प्लॉट आवेदन की शुरुआत प्रदेश में यमुनानगर से ही की थी। इस दौरान उन्होंने जिले के कुछ लाभार्थियों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद किया था। योजना में उन परिवारों को पात्र माना गया। जिनके परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1.80 लाख या इससे कम है। उनके पास अपना कोई आवास नहीं है। इन लोगों को आवास उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी शुरू की गई है। जिन लोगों ने सितंबर 2023 में प्लाट के लिए आवेदन किया था। जिनके नाम प्रथम चरण में नहीं थे। वे अब प्लॉट की बुकिंग कर सकते है।

# पीएम जन औषधि केंद्र पर किफायती दामों पर मिलती हैं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां

**कुरुक्षेत्र, 19 जून (सुदेश कुमार) :** पीएम जन औषधि केंद्र के संचालक विक्रांत प्रभाकर ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार मेरा युवा भारत कुरुक्षेत्र के अनुभव से सीखो कार्यक्रम के तहत युवाओं ने जन औषधि केंद्रों पर किफायती दामों में गुणवत्तापूर्ण दवाइयां पर मिलती हैं। उन्होंने कहा कि जन औषधि योजना या आम जनता के लिए दवा योजना की शुरुआत नवंबर 2008 में हुई थी। इसका मकसद स्वास्थ्य के लिए आम जनता को अपनी जेब से करने पड़ने वाले खर्च के बोझ

को कम करना था। इस योजना के अंतर्गत समर्पित जन औषधि केंद्रों को खोला जाता है, जिससे आम लोगों को अच्छी गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं कम कीमत पर मुहैया कराई जा सके। जिले में केंद्र नवंबर 2016 से संचालित किया जा रहा है।

पीएम जन औषधी केंद्र के संचालक विक्रांत प्रभाकर ने युवाओं को बताया कि जनसंख्या के सभी वर्गों, विशेषकर गरीब और वंचित लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है। जन औषधी योजना देश के प्रत्येक व्यक्ति को सबसे अच्छा और सस्ता उपचार प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है और शिक्षा और प्रचार के माध्यम से जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है ताकि इस धारणा का खंडन किया जा सके कि गुणवत्ता केवल उच्च कीमतों का पर्याय है।

उन्होंने कहा कि जन औषधि केन्द्रों पर दवाओं की कीमतें बाजार से 50 प्रतिशत तक कम हैं। एक एंटीबायोटिक इंजेक्शन मेरोपेनम जो बाजार में लगभग हजार रुपये की है। वहीं दवा जनऔषधि केन्द्रों पर सिर्फ 250 रुपये में उपलब्ध है। आज युवाओं ने इसके अतिरिक्त ब्लड शुगर लेवल टेस्टिंग के बारे में सीखा साथ ही कार्यक्रम के अंतर्गत युवा जन औषधि केंद्रों के क्रियांवन व प्रचार करेंगे।

# राजपूत सभा करनाल एवं विर्क अस्पताल द्वारा निशुल्क हृदय जांच शिविर 22 जून को

**करनाल, 19 जून (संदीप रोहिला) :** राजपूत सभा करनाल एवं विर्क अस्पताल करनाल की ओर से 22 जून के निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यकारिणी की मीटिंग के दौरान राजपूत सभा के प्रधान डा. नरेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप नम्बरदार व महासचिव बृजपाल राणा ने बताया कि शिविर में सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डा. सूरज सिंह अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। यह शिविर सेक्टर-8 स्थित महाराणा प्रताप भवन, करनाल में आयोजित किया जा हा है। शिविर में जांच के दौरान ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी,

प्लस, एस.पी.ओ-2 और डॉक्टर्स की विस्तृत परामर्श सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध होंगी। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जांच शिविर का उद्देश्य हृदय रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंदों को उचित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

# तीन हजार के फास्टैग आधारित वार्षिक पास से निजी वाहन मालिकों को मिलेगा काफी लाभ : सुमन बहमनी

**यमुनानगर, 19 जून (दिनेश कुमार) :** मेयर सुमन बहमनी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा आगामी 15 अगस्त से निजी वाहनों के लिए 3000 रुपये का फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू करने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय से निजी वाहन मालिकों को काफी लाभ मिलेगा और उनकी यात्रा अधिक सुगम हो सकेगी। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि अब निजी वाहन चालकों को बार-बार टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे जहां उनका समय बचेगा, वहीं वाहनों के बार-बार रुकने से होने वाले पेट्रोल-डीजल के अपव्यय से भी बचाव होगा। यह कदम ट्रैफिक व्यवस्था को भी अधिक व्यवस्थित

बनाएगा और टोल प्लाजा पर होने वाले विवादों की संभावनाएं भी कम होंगी।

उन्होंने कहा कि इस वार्षिक पास के माध्यम से आम नागरिकों को आर्थिक रूप से भी राहत मिलेगी। यह पास पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध और लागत प्रभावी यात्रा सुनिश्चित करेगा। मेयर बहमनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा लिए गए इस निर्णय से देशभर के करोड़ों वाहन मालिकों को लाभ मिलेगा। यह पहल ईज़ ऑफ ट्रैवल और डिजिटल इंडिया की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह वार्षिक पास निजी गैर-वाणिज्यिक वाहनों के लिए होगा, जिसकी वैधता एक्टिव होने की तारीख से एक साल या 200 यात्राएं (जो भी पहले हो) तक रहेगी।

इसे राजमार्ग यात्रा एप, एनएचएआई या सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट्स के माध्यम से सक्रिय किया जा सकेगा। मेयर सुमन ने केंद्र सरकार के इस जनहितकारी और ऐतिहासिक निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यमुनानगर-जगाधरी सहित पूरे देश में वाहन चालकों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

# बिजली शिकायतों की सुनवाई आज

**करनाल, 19 जून (सोनी दुआ) :** उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम करनाल परिचालन परिमंडल के अधीक्षक अभियंता नसीब सिंह ने बताया कि 20 जून को सुबह 11 बजे राजीव गांधी विद्युत भवन रोहतक के कांफ्रेंस हॉल में बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के उद्देश्य से संबंधी शिकायतें सुनी जाएंगी। शिकायतों की सुनवाई जोनल उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम रोहतक के अध्यक्ष करेंगे। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ता जिनकी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थानीय अधिकारियों से मिलने के बाद भी समाधान नहीं हो पा रहा है, वे फोरम के समक्ष अपनी शिकायतें रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे उपभोक्ता जिनका बिजली संबंधी केस कोर्ट में विचाराधीन है तथा जिनकी शिकायत या मामला दो वर्ष से पुराना है, ऐसे उपभोक्ता सुनवाई के पात्र नहीं होंगे। इसके अलावा बिजली चोरी संबंधी शिकायतें भी बैठक में नहीं सुनी जाएंगी।

# योग दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

**हिसार, 19 जून (मनमोहन शर्मा) :** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के सफल आयोजन हेतु जिला स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा ने वीरवार को जिला सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आयोजन में सक्रिय सहयोग देने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा ने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन के लिए भी आवश्यक है और ऐसे

जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों में इसकी उपयोगिता को रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित करें तथा सोशल मीडिया और जनसंपर्क माध्यमों से भी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान आयोजन स्थल, प्रतिभागियों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, जलपान, आवागमन और पार्किंग इत्यादि से जुड़ी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष योग दिवस को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिलेभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं, औद्योगिक इकाइयों तथा सामाजिक संगठनों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस आयोजन को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में कार्य करें और हिसार को राज्य के सबसे सफल आयोजक जिलों में शामिल करने में अपनी भूमिका निभाएं। अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा ने बताया कि आगामी 21 जून को अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है। इस कार्यक्रम के लिए इच्छुक प्रतिभागी पंजीकरण आधिकारिक वेबसाइट www.internationalyagadayhry.in या 9501131800 पर मिस कॉल देकर पंजीकरण करवा सकते हैं। आयोजन से पूर्व 20 जून को महावीर स्टेडियम में पायलट रिहर्सल की जाएगी। बैठक में एसडीएम ज्योति मित्तल, डीएसपी संजीव कुमार, जिला परिषद सीईओ हरवीर सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह, लक्ष्मण श्योराण, वीरेन्द्र बडाला सहित अन्य उपस्थित रहे।

# केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल : अमरनाथ सौदा

**करनाल, 19 जून (रविन्द्र मलिक) :** केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए 9 जून से 21 जून तक अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान विकसित भारत का अमृत काल एवं सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल पर केंद्रित होगा। इसी कड़ी में असंध विधानसभा के जुंडला मंडल के गांव पिंचोलिया, जुंडला व मंजुरा में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरनाथ सौदा ने शिरकत की। कार्यक्रम में अमरनाथ सौदा का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अमरनाथ सौदा ने केंद्र की मोदी सरकार की जनकल्याणकारी उपलब्धियों के बारे में गिनवाया। इस मौके पर अमरनाथ सौदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। देश आज हर स्थिति से मजबूत है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए किस तरह से ऑपरेशन सिंदूर

चलाया गया और भारतीय सेना ने आतंकवाद व पाकिस्तान को जवाब देने का काम किया। देश की सेना का ये पराक्रम पूरी दुनिया ने देखा। आज देश हर क्षेत्र में आगे है। पिछले 11 वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने देशहित में कड़े फैसले लिए है। सौदा ने कहा कि इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है, बल्कि स्वयं को तपाकर और खपाकर 140 करोड़ भारतवासियों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है। मोदी ने स्पष्ट कर दिखाया है कि शासन सेवा का माध्यम है। सरकार आम जनमानस की सहभागी है। सुशासन अब संस्कृति के रूप में देखने को मिल रहा है। आज पूरे विश्व में भारत के नाम का डंका बजता है। जनता ने माना है कि देश अब सुरक्षित हाथों में है। इस अवसर पर सज्जन अत्री, भाजपा नेता सुखेंद्र ढ़ाया, प्रियंका, सुशील शर्मा, सरपंच राहुल, सुखेंद्र जानी, ईश्वर शर्मा, सतीश, यादविंद्र आहूजा, अशोक, नरेंश जांगड़ा, प्रवीण कुमारी, पप्पी, वेदपाल राणा, सुभाष राणा ओंगद, गौरव राणा व बब्बू मंजुरा सहित आदि उपस्थित रहे।

# जूडो में नेहा मान ने गोल्ड मेडल जीत स्कूल का नाम किया रोशन

**असंध, 19 जून ( दलसिह मान ) :** जिला जूडो एसोसिएशन द्वारा कैश प्राइज टूर्नामेंट का आयोजन आर्य कन्या गुरुकुल में किया गया। जिसमें हरियाणा से दर्जन भर खिलाड़ियों ने भाग लिया। विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय में पहुंचने पर मेडल पहनाकर स्वागत किया गया। प्रिंसिपल कविता मान आर्य ने बताया कि जिसमें एम डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बल्ला करनाल की पांच खिलाड़ियों ने गोल्ड व ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर स्कूल व गांव का नाम रोशन किया है और पहले भी दर्जनों खिलाड़ी राज्य स्तर पर गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को खेलों के लिए प्रेरित करना चाहिए जिससे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रह कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सके। जूडो कोच अमित व अंकित मान ने बताया कि-52 किलोग्राम भार वर्ग में नेहा मान एवं-27 किलोग्राम में प्रियांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर कैश प्राइज एवं गोल्ड मेडल प्राप्त किया और मानसी, एंजल एवं रितु ने भी ब्रोंज मेडल प्राप्त कर कैश प्राइज जीता। इस अवसर पर स्कूल कमेटी सदस्य नरेंद्र आर्य, वीरेंद्र, अंकित, आशीष, मोहित एंव परमोद सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहा।

# एक लाख से अधिक योग साधक योग अभ्यास करके विश्व रिकॉर्ड बनाने को तैयार : नेहा सिंह

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि योग महाकुंभ जिला प्रशासन, आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग व पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के सहयोग से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक लाख से अधिक योग साधक योग अभ्यास करके विश्व रिकॉर्ड बनाएंगे। इसके लिए सभी तैयार हैं। हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि आज हमारे योग और पारंपरिक चिकित्सा के बारे में जानने की दुनिया भर में जिज्ञासा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कार्यक्रम क्षेत्र की ड्रोन कैमरों से चप्पे-चप्पे की निगरानी की जाएगी।

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की थीम पर मनाया जा रहा है, इसको प्रदेश में आगे बढ़ाते हुए योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा बनाया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र के एक हजार उच्च रक्तचाप व मधुमेह के रोगियों को 12 दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण तदर्थ योग के प्रभाव का आकलन योग समावेश के तहत किया जा रहा है। नशा पीड़ितों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर कार्यालय के समय अधिकारियों व सभी कर्मचारियों के लिए 5 मिनट का योगा ब्रेक निर्धारित किया गया है। विद्यार्थियों के लिए सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में योग प्रशिक्षण के शिविर चल रहे हैं।

**योगा डे के लिए तीन तरह से करवा सकते हैं पंजीकरण**

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि 21 जून को योग दिवस के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति तीन तरह से पंजीकरण करवा सकता है। इनमें मोबाइल नंबर 9501131800 पर मिसकॉल करें, डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंटरनेशनल योग डे डॉट एचआरवाई डॉट इन पोर्टल पर जानकारी दर्ज करके और विभाग द्वारा तैयार किए गए बार कोड को स्कैन करके पंजीकरण करवा सकते हैं। रविवार तक 9 लाख 90 हजार ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है।

**ब्रह्मसरोवर व मेला ग्राउंड को 100 सेक्टरों में बांटा**

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड को 100 सेक्टरों में बांटा गया है। प्रत्येक सेक्टर में एक हजार नागरिकों को योग के लिए बिठाया जाएगा। मेला ग्राउंड में जिलाभर के स्कूलों की छठी कक्षा से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी बिठाए जाएंगे। शिक्षण संस्थाओं, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों से करीब 37 हजार विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि अलग-अलग संस्थाओं ने करीब 40 हजार योग साधकों को लेकर आने की तैयारी की है। वहीं पतंजलि योग पीठ की तरफ से हर गांव में योग शिविर लगाकर प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों के लिए टी-शर्ट, पानी की व्यवस्था, रिफ्रेशमेंट, सर्टिफिकेट की व्यवस्था की जाएगी। बच्चों के अलावा स्कूली स्टाफ को भी प्रशंसा पत्र जारी किया जाएगा, जो विश्व रिकॉर्ड की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। वहीं 25 हजार को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर मैट वितरित किए जाएंगे।

**सुबह 5 बजे से शुरू होगा राज्य स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम**

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि योग करने वाले सभी 5 बजे से पहले अपनी सीट पर बैठ जाएंगे। करीब 5 बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और योग गुरु स्वामी रामदेव मंच पर पहुंच जाएंगे। इसके बाद संबंधित, योग, प्राणायाम किया जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूरे देश को संदेश होगा। करीब 7:30 बजे कार्यक्रम का समाधान होगा।

**कंट्रोल रूम में दे सकते हैं प्रशासन को सूचना**

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव 2025 के जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया है। राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम से संबंध में नागरिक किसी भी प्रकार की सूचना कंट्रोल रूम के नंबर 01744-221035 पर दे सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रम की सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है।

# बोनस और सेफ्टी उपकरण न मिलने के चलते मजदूरों ने किया फैक्ट्री के गेट पर प्रदर्शन

**यमुनानगर, 19 जून ( दिनेश कुमार ) :** जठलाना थाने के पास लगी जे डी एम सी प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में मजदूर ने उसे समय हड़ताल कर दी जब मजदूरों को उनकी मजदूरी का हक और उनकी सेफ्टी के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया। फैक्ट्री में लगे रवि, रविंद्र राणा, रमेश यादव, यशपाल, शुभम, राहुल, प्रदीप, विशाल, राकेश, पवन, गुलशन, दीपक आदि ने बताया कि हम लोग फैक्ट्री में समय से काम कर रहे हैं। लेकिन फैक्ट्री मालिक के द्वारा पिछले डेढ़ साल से हमें हमारा बोनस नहीं दिया गया। फैक्ट्री में मजदूरों की सेफ्टी के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं किसी भी वर्कर को जूते वर्दी आदि नहीं दी गई है जिस कारण कभी भी किसी मजदूर का हाथ पैर कट सकता है इतना ही नहीं किसी भी मजदूर का ई एस आई कार्ड भी नहीं बना है अगर कुछ मजदूरों का बना भी है तो वह पूरी तरह से चालू नहीं है।

मजदूरों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है फैक्ट्री में लगा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद पड़ा है फैक्ट्री का केमिकल युक्त पानी साधारण पाईपो द्वारा भूमि में पहुंचाया जा रहा है जिसके गंभीर परिणाम आने वाले समय में देखने को मिलेंगे।

धरती का भूजल खराब हो रहा है नीचे जा रहा है केमिकल युक्त पानी के साथ है पीने के पानी का बोरवेल फैक्ट्री द्वारा करवाया गया है जिस कारण पीने के पानी में भी दूषित पानी आ सकता है जिसको पीने से की किसी भी व्यक्ति का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। और बताया अगर बाहर से वॉटर ट्रीटमेंट की जांच करने के लिए कोई टीम आती है तो कुछ समय के लिए यह वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट चला दिया जाता है, लेकिन अगले ही दिन फिर से बंद कर दिया जाता है ।सुविधा नहीं दे रखी है ना जूते ना ही कोई वर्दी खाने को तो प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री है लेकिन किसी तरह की सुविधा नही दी जा रही किसी भी मजदूर का कोई भी ऐसी कार्ड नहीं बना है बताएं कि कहने को तो फैक्ट्री में ट्रीटमेंट प्लांट लगाया हुआ है लेकिन वह बंद पड़ा है की जिससे केमिकल युक्त पानी धरती के भजन को खराब कर रहा है जिसके परिणाम आने वाले दिनों में लोगों के सामने आएंगे। बताया कि फैक्ट्री में कि जब ट्रीटमेंट प्लांट की जांच होती है तो ट्रीटमेंट प्लांट चला दिया जाता है। जांच होते ही प्लांट को फिर से बंद कर दिया जाता है।

# जिंदल पार्क के विशाल योग शिविर में उमड़े साधक-कल मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** ऑटो मार्केट के पास स्थित जिंदल पार्क में चल रहे पांच दिवसीय योग शिविर में साधकों के उमड़ने का सिलसिला जारी है। वीरवार को प्रात: 5.15 बजे से प्रात: 6.30 बजे तक चले शिविर में 370 साधकों ने हिस्सा लिया और आसन, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास किया। भारत विकास परिषद की केशव शाखा एवं हिसार ब्रांच ऑफ एनआईआरसी द्वारा आयोजित किए जा रहे इस शिविर में तृतीय दिवस मुख्य अतिथि मंडल आयुक्त अशोक गर्ग ने स्वामी विवेकानंद व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके विधिवत ढंग से शुभारंभ किया।

योग शिविर में टीनू जैन (पार्षद प्रतिनिधि वार्ड-1), रमेश गर्ग (असिस्टेंट कमिश्नर, आयकर विभाग), डॉ. सुमन बेहमानी (रिलेशनशिप साइकोलॉजिस्ट व फैमिली काउंसलर, जिला न्यायालय हिसार), पूजा स्वामी (जिला आयुष विभाग), चार्टर्ड एकाउंटेंटस एसोसिएशन हिसार से सीए आशा जैन (एक्स-चेयरमैन, आई सी ए आई-हिसार), सीए कीर्ति गोयल (कॅरिअर काउंसलर, सीपीए ऑस्ट्रेलिया), सुरेंद्र लाहौरिया, मुकेश बंसल शाखा अध्यक्ष, दीपक गौतम शाखा सचिव व मुकुल मित्तल शाखा वित्त सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अशोक गर्ग ने 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि योग भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा का अमूल्य उपहार है। यह शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक सामंजस्य का साधन है। उन्होंने भाविप केशव शाखा के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को योग शिविर के आयोजन के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि हर इंसान को योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर शाखा गतिविधि संयोजक (संपर्क) व सह प्रकल्प प्रमुख योग शिक्षक परीक्षित आर्य व उनके सहयोगी वालंटियर विजेंद्र ने बहुत ही प्रभावी तरीके से योग साधकों को योग, ध्यान, आसन व योगिक नृत्य का अभ्यास करवाया। इस अवसर पर 370 योग साधक उपस्थित रहे। वीरवार को समय पर आने वाले साधकों को कूपन वितरित किए गए जिनका प्रोत्साहन पुरस्कार योग शिविर के अंत में निकाला गया। जिसमें 23 प्रतिभागियों को विभिन्न प्रायोजकों नेहा ज्वेलर्स द्वारा चांदी का सिक्का, महादेव ज्वेलर्स द्वारा लक्ष्मी-गणेश जी की चांदी की प्रतिमा व अदानी विलमार लिमिटेड (फार्च्यून ऑयल), परमात्मा ऑयल मिल, रावलवासिया ऑयल, कन्हैया ट्रेडर्स, दिया सुजुकी, राज पैथ लैब की ओर से गिफ्ट हैंपर दिए गए। इस अवसर पर दिगंबर जैन औषधालय संचालित जैन पैथ लैब की तरफ से निन्शुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। सबके सम्मिलित प्रयासों से वीरवार के शिविर का सफल आयोजन हुआ। जिसके लिए योगाचार्य परीक्षित आर्य केशव शाखा गतिविधि संयोजक संपर्क, शक्ति अग्रवाल गतिविधि संयोजक सेवा व सतीश बंसल योग शिविर प्रकल्प प्रमुख सहित सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। केशव शाखा ने अपील की है कि 20 व 21 जून को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योग शिविर का लाभ उठाएं।

# सरस्वती का पानी रोकने और गंदगी डालने वाले पर होगी कार्रवाई : धुमन सिंह किरमच

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** सरस्वती बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि सरस्वती का पानी रोकने और नदी में गंदगी डालेगा वाले पर सख्त कार्रवाई होगी। वो जल्द ही सरस्वती में साफ पानी का परवाह करवाने जा रहे हैं। इस कार्य में शहरवासियों से अपेक्षा है कि वो भी सफाई का ध्यान रखें साथ ही अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए 24 घंटे सतर्क रहने को कहा हैं। उन्होंने कहा कि अब किसी भी प्रकार की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिस भी व्यक्ति या अधिकारी ने सरस्वती के कार्य में कोताही की उसके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सरस्वती बोर्ड के उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने नरकतारी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस क्षेत्र के लोगों ने कई अवरोध बनाए हुए थे। कॉलोनी के लोगों के साथ उपाध्यक्ष धूमन सिंह किरमच ने बातचीत करते हुए उनका सरस्वती के महत्व के बारे में समझाया। इसके बाद लोगों ने खुद ही अपने अवरोध को खोल दिया। उन्होंने कॉलोनी वासियों से अपील की कि वो आगे से ऐसा ना करें और दूसरों को भी अवरोध डालने वालों को रोकें। उन्होंने कहा कि अब सरस्वती के साथ चलने वाले गंदे पानी की डैन और लगभग सारा पानी डाइवर्ट हो गया है। जिस भी कॉलोनी व क्षेत्र का पानी गंदा था, वह सरस्वती की बजाए ड्रेन में गंदे पानी को डालें। उन्होंने कहा कि सरस्वती बोर्ड विभाग ने लगभग सारे प्वाइंट बंद कर दिए हैं। फिर भी यदि कोई प्वाइंट बचता है तो इसकी जानकारी सरस्वती बोर्ड को दी जाए, ताकि सरस्वती नदी में साफ पानी चलता रहे। उन्होंने कहा कि गंदे नाले में केवल गंदा पानी ही चले। सभी कालोनीवासी भी इस पवित्र कार्य में अपना-अपना सहयोग दें। इसके लिए हर कॉलोनी में एक सरस्वती सेवा समिति का गठन किया जाएगा। ऐसा होने पर लोगों में जागरूकता पैदा होगी और सरस्वती का सुधार आसानी से हो पाएगा। इस अवसर पर उनके साथ नरकातारी के सरपंच मास्टर केहर सिंह भी मौजूद रहे।

# अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सफाई कर्मचारी भी करेंगे आलोम-विलोम : आजाद सिंह

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में उत्सव सा माहौल है। इस कार्यक्रम को लेकर गली-मौहल्लों से लेकर जिला स्तर तक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। कुरुक्षेत्र की पावन धरा के ब्रह्म सरोवर पर योग महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सफाई कर्मचारी भी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेंगे। यह बात हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाईस चेयरमैन आजाद सिंह ने ब्रह्म सरोवर पर सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से आग्रह किया कि जिन सफाई कर्मियों की योग महाकुंभ में डयूटि लगी है वह लोग अपने कर्तव्यों को पूरे अनुशासन और निष्ठा के साथ निभाएं। दूसरी ओर उन्होंने कहा कि करीब 500 से अधिक कर्मचारी इस बार अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के महाकुंभ में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे और योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं मंच से लोगों को योग का पाठ पढ़ाऐंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश भर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर योग युक्त हरियाणा और नशा मुक्त हरियाणा का संदेश दे चुके है। इस संदेश को हम घर-घर तक पहुंचा रहे है। आज सफाई कर्मचारियों को भी यह संदेश दिया गया है। सफाई कर्मचारी अपने-अपने परिवार के लोगों को योग को दिनचर्या में शामिल करें और नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक करें। इस अवसर पर सभी सफाई कर्मचारियों ने आश्वासन दिया कि वह लोग इस दिन नियम का पालन करेंगे और अनुशासन में रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाऐंगे।

# एनसीसी कैडेट्स होंगे मिशन वात्सल्य के वालंटियर : रंजन शर्मा

**यमुनानगर, 19 जून ( संजीव कुमार ) :** महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती तरविंदर कौर के कुशल मार्गदर्शन में मिशन वात्सल्य के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई ने 14 हरियाणा बटालियन के एनसीसी कैडेट्स को शिविर के दौरान किशोर न्याय अधिनियम पोक्सो बाल अधिकार बाल संरक्षण चाइल्ड हेल्पलाइन पुलिस हेल्पलाइन और बच्चों के लिए चलाई जा रही विभिन्न स्कीमों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यवाहक जिला बाल संरक्षण अधिकारी रंजन शर्मा ने बताया की शिक्षा स्वास्थ्य पोषण की तरह बाल संरक्षण एक महत्वपूर्ण विषय है। बच्चों के साथ हो रहे अपराध पर लगाम लगाने के लिए सभी का जागरूक होना जरूरी है बच्चे अनजान पर भरोसा कर लेते है और अपराध का शिकार हो जाते है। उन्होंने बताया कि सतर्कता, सही निर्णय लेने की क्षमता, सभी बच्चों में विकसित हो इसके लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। किशोर न्याय पोक्सो अधिनियम में सख्त सजा का प्रावधान है मिशन वात्सल्य बच्चों के लिए संरक्षण तंत्र है एनसीसी कैडेट्स वालंटियर बन कर संरक्षण तंत्र को मजबूती देंगे।

**किसी बच्चे की शिक्षा और संरक्षण प्रभावित न हो : रंजन शर्मा**

संरक्षण अधिकारी प्रीती शर्मा ने बताया की मिशन वात्स्ल्य के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बच्चों की शिक्षा और संरक्षण प्रभावित न हो इसके लिए उन्हें स्पॉन्सरशिप सुविधा दी जा रही है बच्चों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन पुलिस हेल्पलाइन 112 निशुल्क हेल्पलाइन है जो हेल्प लाइन गुमशुदा, जरूरतमंद बच्चों के लिए कार्य कर रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता गुरप्रीत सिंह और आउटरीच वर्कर गौरव शर्मा ने मौके पर एनसीसी कैडेट्स को मिशन वात्स्ल्य के वालंटियर के तौर पर अपना योगदान देने की शपथ दिलाई जिसके तहत सभी बाल संरक्षण के जागरूकता अभियान का विस्तार करेंगे। जिला बाल संरक्षण इकाई ने 14 हरियाणा बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल जरनैल सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल जितेन्दर दहिया, सुबेरदार मेजर जसवंत सिंह और सभी कैडेट्स का धन्यवाद किया।

# बाल विवाह को रोकने के लिए गांव दबखेड़ी के लोगों को किया जागरूक

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की माननीय सीजेऐम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र द्वारा नालसा आशा स्कीम 2025 के बारे में जागरूकता शिविर लगाया गया। इसके तहत रिसोर्स पर्सन सविता राणा द्वारा गांव दबखेड़ी में बाल विवाह पर जागरूक किया गया। उन्होंने समझाया कि बाल विवाह एक अपराध है। इस पर हम सभी को रोक लगानी होगी। समाज को जागरूक करना होगा। उन्हें नालसा आशा स्कीम 2025 की विस्तार से जानकारी दी गई। प्राधिकरण की सीजेऐम ने बताया कि इन कैंपो का उद्देश्य है लोगों में जागरूकता लाना है। नालसा ने (अवेयरनेस, सपोर्ट, हेल्प एंड एक्सेस टू जस्टिस) योजना के नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य लोगों को न्यायिक सहायता और समर्थन प्रदान करना है। यह योजना लोगों को उनके अधिकारों और न्याय प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर केंद्रित है।

# एक पेड़ माँ के नाम केंद्र सरकार की अनोखी पहल : शर्मा चंद लाली

**रतिया, 19 जून ( अमन सेठी ) :** एक पेड़ माँ के नाम योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही माँ के प्रति प्यार को समर्पण है। यह बात शर्मा चंद लाली जिला सलाहाकार जन स्वास्थ्य अभितांत्रिकी विभाग ने वीरवार को रतिया में सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं की मीटिंग के दौरान कही। उन्होंने यह कार्यक्रम पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एन.यू.एल.एम) स्टॉफ के साथ साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सम्बोधित करते हुए कही। शर्मा चंद लाली जिला सलाहाकार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग फतेहाबाद ने कहा कि यह केंद्र सरकार की पहल पर हरियाणा भर में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एन.यू.एल.एम) साँझा प्रयास करते हुए जल्द ही वृक्षारोपण अभियान चलाने जा रहा है इसके लिए सबसे पहले भारत सरकार के मेरा भारत पोर्टल पर शहरी क्षेत्र की सामुदायिक जगहों को चुनते हुए रजिस्टर्ड किया गया है। जिसमें प्रमुखता से जल स्रोत के पास की खाली जमीन जैसे जल घर, पार्क, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आदि को शामिल किया गया है। जिसके लिए पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की तकनीकी विंग के साथ साथ जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन संबंधित पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के नॉडल ऑफिसर व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को शामिल किया गया है। सभी टीमों ने मिलकर संयुक्त रूप से वृक्षारोपण के स्थान का चयन किया है। इस क्रम में रतिया शहर के जलघर व एसटीपी सहित 2 स्थानों का चयन किया गया है।

जहां कुल मिलाकर 400 से 500 पेड़ लगाए जा सकते है।इस मौके पर किरण रानी ने कहा कि वृक्षारोपण का उद्देश्य न केवल पर्यावरण की सुरक्षा है बल्कि एक पेड़ माँ के नाम से ही प्रतीत होता है कि यह समाज को अपने परिवार की धुरी यानि माँ को समर्पित है और अभियान का यह नाम स्वयं सेवकों द्वारा लगाए गए पेड़ों से भावनात्मक जुड़ाव पैदा करेगा जिससे की संबंधित लोग पेड़ों की सेवा और ज्यादा मन से करेंगे। इस मौके पर सुनीता रानी, ऊर्जा रानी, प्रेम जीत, प्रियंका, सुनीता रानी, हीना, मलकीत, मोनिका, कमलेश रानी, शालू, निर्मला देवी, करमजीत कौर, वीना रानी, अनीता रानी, संगीता रानी, नीरू रानी रतिया शहर से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं सहित विभाग के अन्य कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

# जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन जागरुकता अभियान को गति दी

**यमुनानगर, 19 जून ( संजीव कमार ) :** भीषण गर्मी में बढ़ती पेयजल की मांग को देखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान को तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में वीरवार को जगाधरी के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कार्यालय में एसडीओ पलविंदर सिंह की अध्यक्षता में एक मीटिंग भी आयोजित की गई। गौर तलब है कि माननीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री के निर्देशानुसार यह अभियान गत माह से प्रदेश भर में जारी है। गांव में अनेक लोग ऐसे हैं जो पेयजल का उपयोग सब्जियों में खेती की सिंचाई के लिए भी कर रहे हैं। कई लोगों ने मनमाने ढंग से अवैध रूप से कनेक्शन ले रखे हैं वह सब्जियां – बाड़े में उस पानी का प्रयोग करते थे जिसकी वजह से गांव में सभी जगह पर पीने का पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इन्हीं अवैध कनेक्शनों को बंद करने के लिए विभाग द्वारा पिछले महीने से लगातार अभियान चलाया जा रहा है ताकि गांव में अंतिम छोर पर बसे घरों तक सुचारू रूप से पेयजल पहुंच सके। उपरोक्त जानकारी देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वासो की जिला सलाहकार रजनी गोयल ने बताया कि जिले के सातों खंड में जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता

अभियान जारी है।

एसडीओ पलविंदर सिंह ने कहा कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग केवल पीने के पानी की 55 लीटर प्रति व्यक्ति की दर से पानी की सप्लाई करता है , ना कि कृषि कार्यों के लिए। भीषण गर्मी और पेयजल की मांग को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक उपभोक्ता को अपने पेयजल कनेक्शन पर टूंटी अवश्य लगवानी चाहिए।

ओवरहेड टैंक पर वाटर अलार्म लगवाना चाहिए और जल का सदुपयोग करना चाहिए। गोयल ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा सभी ब्लॉकों में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की बैठक, जल चौपाल, डोर टू डोर विजिट, जल घर चेक, लीकेज ठीक करवाना, नियमित रूप से क्लोरिनेशन चेक, इत्यादि करवाया जा रहा है। जूनियर इंजीनियर कमल बख्शी की अगुवाई में लवाणी में 6, मुस्तफाबाद में 6 थाना छप्पर में 12 अवैध कनेक्शन बंद करवाए गए। वहीं दूसरी और जूनियर इंजीनियर धर्मवीर सिंह राठी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत लोपो में खेतों में 5 अवैध कनेक्शन बंद करवाए गए। इसी प्रकार जूनियर इंजीनियर पवन कुमार के नेतृत्व में रादौर में 10, भूरे का माजरा में 18 अवैध कनेक्शन कटवाए गए, ताकि सभी ग्राम वासियों को निर्बाध रूप से पानी मिल सके।

# 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को खिज्र मकबरा में आयोजित होगा जिला स्तरीय योग कार्यक्रम

**सोनीपत, 19 जून ( विनोद ) :** उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि योग युक्त नशा मुक्त संकल्प के साथ 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को जटवाड़ा स्थित खिज्र मकबरा में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिला के हजारों लोग हिस्सा लेंगे और अपने स्वस्थ स्वस्थ्य के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए एक कदम और आगे बढ़ाऐंगे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा योग कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर 20 जून को कार्यक्रम स्थल पर पायलट रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक व धार्मिक संस्थाएं व जनमानस भाग लेकर योग क्रियाओं का अभ्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर के अलावा जिला के सभी ब्लॉकों में भी 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम आयोजित होंगे। उपायुक्त ने जिलावासियों का आह्वान किया कि योग ही वो शक्ति है जो हमारे शरीर को स्वस्थ रख सकती है इसलिए इसी शक्ति को घर-घर पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा की गई इस पहल को जन आंदोलन बनाने के लिए आप सभी का सहयोग बहुत ही जरूरी है इसलिए सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में योग दिवस कार्यक्रम का हिस्सा बने।

# हकृवि में परीक्षाएं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न, 145 ने दी परीक्षा

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई मांगों पर गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ विचार करने उपरांत उनका समाधान किया है। जिन दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही थी, उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और आरोपी की गिरफ्तारी भी कर ली गई है। यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की सुरक्षा और न्याय के प्रति प्रतिबद्ध है। छात्रवृत्ति से संबंधित मुद्दों पर भी प्रशासन ने गंभीर रूचि दिखाई है। संबंधित विभागों के माध्यम से छात्रों की शिकायतों की सुनवाई कर समाधान की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इसके अलावा, छात्रों की अन्य सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार जारी है और यथासंभव हल निकालने की दिशा में ठोस कार्यवाही हो रही है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक एवं कोर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि वीरवार को 145 विद्यार्थियों ने अपनी परीक्षा दी। इसके अतिरिक्त कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस के 14 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने अपनी प्रैक्टिकल परीक्षाएं दी। उन्होंने कहा कि जब विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनकी सभी मांगे मान ली गई हैं इसलिए अब स्ट्राइक करने का कोई औचित्य नहीं बनता। किसी भी समस्या का समाधान बातचीत के माध्यम से निकाला जा सकता है। छात्रों को चाहिए कि वे आंदोलन समाप्त कर अपनी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन अब अपने मूल स्वरूप से भटक चुका है। पहले यह छात्रों की समस्याओं से जुड़ा आंदोलन था, किंतु अब यह विपक्षी दलों एवं बाहरी संगठनों के प्रभाव में संचालित हो रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने गहन जांच के बाद यह पाया है कि अब आंदोलन की कमान छात्रों के हाथ में न होकर कुछ ऐसे बाहरी तत्वों के हाथों में चली गई है, जिनका उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ प्राप्त करना है। ये लोग पूर्व के कई अन्य आंदोलनों में भी इसी प्रकार की भूमिका निभाते रहे हैं और अब विश्वविद्यालय के माहौल को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि वे इन शरारती तत्वों से सावधान रहें, जो छात्रों का उपयोग केवल अपनी राजनीति चमकाने के लिए कर रहे हैं। ऐसे लोग न तो छात्रों के भविष्य की परवाह करते हैं और न ही विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा की। छात्रों को यह समझना चाहिए कि उनकी प्राथमिकता शिक्षा है, न कि किसी राजनीतिक खेल का हिस्सा बनना। प्रशासन ने दोबारा छात्रों से अपील की है कि वे विश्वविद्यालय की व्यवस्था पर विश्वास रखें और अपने अध्ययन में पूरी निष्ठा के साथ जुट जाएं। यह समय उनके भविष्य को संवारने का है और परीक्षाएं ही उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर पहला कदम हैं। छात्रों के माता-पिता की मेहनत और उम्मीदें अब उनके निर्णय पर निर्भर हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी बताया कि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ कर दी गई है ताकि कोई भी बाहरी तत्व छात्रों को भयभीत न कर सके। विश्वविद्यालय में पुलिस एवं सुरक्षाकर्मी तैनात हैं और नियमित निगरानी की जा रही है। किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय प्रशासन हमेशा से छात्रों के हितों की रक्षा करता आया है और आगे भी करता रहेगा। लेकिन यह भी आवश्यक है कि छात्र भी प्रशासन पर विश्वास बनाए रखें और व्यवस्था के प्रति अपनी निष्ठा को बनाए रखें। शिक्षा ही उनका सबसे बड़ा हथियार है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक बार पुनः छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी अफवाह, दबाव या भ्रामक प्रचार से प्रभावित न हों। अपने परिवार, अपने भविष्य और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और परीक्षा में पूरी गंभीरता से भाग लें। विश्वविद्यालय प्रशासन उनके साथ है और हर आवश्यक सहयोग देने के लिए तैयार है।

# पुंडरक के सरकारी स्कूल के मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

**निसिंग, 19 जून ( जोगिंद्र सिंह ):** करनाल के मंगलसेन ऑडिटोरियम में हुए एक कार्यक्रम में करनाल जिले में 80 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को रेडियो ऑरेंज 106.4 द्वारा द्रोणा अर्जुन अवार्ड के अंतर्गत सम्मानित किया गया। करनाल की रेणु बाला गुप्ता एवं करनाल के विधायक जगमोहन आनंद के सुपुत्र सम्राट आनंद ने विभिन्न सरकारी एवं प्राइवेट विद्यालयों के लगभग 300 बच्चों को इस कार्यक्रम में प्रशस्ति पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक के कक्षा दसवीं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। वंशिका नैंसी और चंचल तथा कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाली पूजा जिया एवं रजनी को सम्मानित किया गया। ईश्वर सिंह प्रवक्ता राजनीति विज्ञान ने विद्यालय की तरफ से शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। इस मौके पर ईश्वर सिंह ने बताया कि छात्रों के अच्छे अंक बच्चों की मेहनत अध्यापकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग से ही संभव हो पाए है।

# संदिग्धों की निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरा लगावाने हेतु की आमजन से अपील : पुलिस अधीक्षक

**यमुनानगर, 19 जून ( दिनेश कुमार ) :** पुलिस प्रवक्ता नें जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने जिला में अपराधो की रोकथाम व असामाजिक तत्वो पर निगरानी हेतु आमजन से सीसीटीवी कैमरा लगावानें हेतु की अपील की है। उन्होंनें थाना प्रभारियो को निर्देश दिए गये कि वे अपनें -2 अधीन क्षेत्र में लगे हुए सीसीटीवी कैमरो बारे जानकारी रिकार्ड में रखें। क्योकि जब कोई अपराध घटित होता है तो सबसे पहलें पुलिस अपराधियो का पता लगानें हेतु प्राथमिकता के आधार पर सीसीटीवी फुटेज की सहायता लेती है ताकि समयनुसार अपराधियो का पता लगाकर उन पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जा सके। आज के समय अपराधों की रोकथाम और अपराध अन्वेषण एवं छान-बीन के लिए नवीन तकनीकी का उपयोग सबसे ज्यादा कारगर साबित हो रहा है। सीसीटीवी कैमरा लगनें के कारण असामाजिक तत्वों पर भी खौफ बना रहता है।

पुलिस अधीक्षक नें आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपराध को रोकने के लिए आप सभी सतर्क रहे और सीसीटीवी कैमरा लगाकर पुलिस का सहयोग करें। क्योंकि जनता का सहयोग मिलनें पर पुलिस हर अपराध पर अकुंश लगा सकती है।

आम जनता पुलिस के बीच आपसी तालमेल से कार्य करनें पर कोई अपराधी पुलिस की नजर से बच नही सकता। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर अपराधी वारदात को अंजाम देने के बाद सीसीटीवी कैमरे के साथ तोड़फोड़ करके भाग जाते है जिसके कारण घटना की जांच अपराधियों तक पहुंचने में पुलिस को दिक्कत होती है।

इस संबध में सभी दुकानदारों से अपील है कि वे कम से कम दो कैमरे दुकान के बाहर जरुर लगावाये जिससे रोड़ पर होने वाली गतिविधियों एवं संदिग्धों पर नजर रखी जा सके। हो सके तो कुछ अच्छी क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरा लगवाएं। कई बार यह देखने को मिला है कि संदिग्ध तो दिख रहे हैं किन्तु तस्वीर क्वालिटी अच्छी नहीं होने के कारण उन्हें पहचानने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना क्षेत्र के लोगों से अपील की कि अगर संभव हो तो अपने घर और दुकानों में या दुकान के बाहर एक सीसीटीवी कैमरा जरुर लगवाएं, ताकि चोरी और अन्य घटनाओं पर पुलिस की नजर बनी रहे। जिला में लगे सीसीटीवी कैमरो द्वारा विशेष निगरानी की जा रही है ताकि घटना करने वाले अपराधियों पर नजर बनी रहे। सीसीटीवी कैमरो से अपराधों पर नियंत्रण के साथ महिला सुरक्षा को और पुख्ता करने में सहायता मिलती है।

# योग जागरण यात्रा और मैराथन के माध्यम से दिया गया नशा मुक्ति व स्वास्थ्य का संदेश

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** जिला प्रशासन, आयुष विभाग एवं खेल विभाग हिसार के संयुक्त तत्वावधान में योग मैराथन एवं योग जागरण यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस योग मैराथन में युवा खिलाडिय़ों, प्रशिक्षकों, कोचों, आयुष विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों, जागरण टीम सहित लगभग 600 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अपने संबोधन में एसडीएम ज्योति मित्तल ने उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, नियमित योग एवं व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ रखी गई है। जिला स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है और इसी सोच के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि अधिक से अधिक लोग योग एवं फिटनेस को अपनाएं। आयुष विभाग के जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ बलराज गोयत ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल कर स्वस्थ शरीर का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आह्वान पर नशा मुक्त-योग मुक्त हरियाणा की थीम लेकर इस योग मैराथन एवं योग जागरण यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए योग के माध्यम से एक स्वस्थ समाज की ओर प्रेरित करना था। डॉ गोयत ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और इसके लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर भी आयुष विभाग द्वारा लगाए जा रहे हैं। विदित रहे कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को आयोजित किया जाएगा, जिसकी अंतिम रिहर्सल 20 जून को सुबह 5 से 8 बजे महाबीर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी नरेश सैनी, आयुष विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. बलराज, संयोजक लक्ष्मण श्योराण, प्रमोद मोर, कुलदीप सिंह, जोगेंद्र, जितेंद्र, सुनीता, रिंकू सहित विभिन्न खेल नर्सरियों के कोच, खिलाड़ी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में सुनी गई जनता की समस्याएं

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** नगराधीश हरिराम व एसडीएम ज्योति मित्तल ने लघु सचिवालय स्थित जिला सभागार में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान किया। इस अवसर पर नगराधीश हरिराम ने कहा कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को समाधान शिविर के अंतर्गत जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा हैं। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का समाधान पूर्ण संवेदनशीलता और तत्परता के साथ करें, ताकि शिकायतकर्ता पूर्ण रूप से संतुष्ट हो सकें। नगराधीश हरिराम ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनता की समस्याओं का तत्काल निस्तारण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का स्टेटस ऑनलाइन अपडेट किया जाए। यदि शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं

होता, तो शिकायत को पुनः खोलने का प्रावधान भी उपलब्ध है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी शिकायत अनसुलझी न रहे, अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने की हिदायत दी गई। नगराधीश हरिराम ने कहा कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा न केवल जिला स्तर पर, बल्कि मुख्यमंत्री स्तर तक की जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत सभी शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और प्रभावी ढंग से करना अनिवार्य है। नगराधीश ने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य जनता की समस्याओं को त्वरित और संतोषजनक समाधान प्रदान करना है, ताकि आम नागरिकों का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। समाधान शिविर के माध्यम से जनता और प्रशासन के बीच एक सेतु स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके। इस पहल से न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा, बल्कि जनता का प्रशासन के प्रति भरोसा भी बढ़ेगा। समाधान शिविर में पहुंचे गांव मिंगनी खेड़ा निवासी प्रदीप कुमार की अपने आप फैमिली आईडी अलग होने की शिकायत पर नगराधीश हरिराम ने क्रीड विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर आईडी में आई त्रुटि को दूर करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गांव सिवानी बोलान निवासी सुरेश व चांदी राम की गली में पानी निकासी का समाधान व पूर्ण चकबंदी करवाने की शिकायत पर नगराधीश ने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा जिला राजस्व अधिकारी को शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आजाद नगर निवासी दलीप सिंह बिश्नोई की गली में रैंप हटवाने की शिकायत पर नगर निगम अधिकारियों को विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। गांव खरकड़ा निवासी राकेश की सातरोड खुर्द में अवैध कालोनी काटने की शिकायत पर नगराधीश हरिराम ने जिला नगर योजनाकार को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। ऋषि नगर निवासी राजेश की बस स्टैंड के नजदीक बन रही इमारत के नवनिर्माण के दौरान अनियमितता की शिकायत पर नगर निगम के अधिकारियों को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार गांव सिवानी बोलान निवासी प्रवीण कुमार की गांव कन्नौह से सिवानी बोलान रोड की पैमाइश के बाद सडक़ निर्माण की शिकायत पर नगराधीश ने लोक निर्माण विभाग के एसई को मामले की जांच कर आगामी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सेक्टर 16-17 निवासी रेखा को पोजेशन प्रमाण पत्र दिलवाने की शिकायत पर हरियाणा विकास प्राधिकरण विभाग के अधिकारियों को विभागीय कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

हांसी निवासी पुष्पा की सांझे खाते के खेत की बुआई व बिजाई व्यवस्था करवाने व अस्थाई रास्ता दिलवाने की शिकायत पर जिला राजस्व अधिकारी को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, जिला परिषद के सीईओ हरबीर सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह, कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ राजबीर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# बाल सुधार गृह अम्बाला में हेल्थ चेकअप कैंप का किया आयोजन : सीजेएम

**अंबाला, 19 जून ( रवि पाहुजा ) :** हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बाला के तत्वाधान में माननीय जिला एवं सत्र न्यायधीश एवं चेयरमैन प्राधिकरण सुश्री कंचन माही व माननीय मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट एवं सचिव प्राधिकरण प्रवीन के मार्गदर्शन में आज बाल सुधार गृह अम्बाला में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सुधार गृह में रह रहे जुवेनाइल बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिसमें हर प्रकार की बीमारी की जांच की तथा उन्हें बेहतर दवाइयां भी उपलब्ध करवाई। इस आयोजन में लगभग 90 जुवेनाइल बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समय-समय पर ऐसे कैंप का आयोजन करता रहता है ताकि सुधार गृह में रह रहे बच्चों को बेहतर सुविधा मिलती रहे और कोई भी जुवेनाइल किसी बीमारी से ग्रस्त ना रहे। इसके साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की और से सप्ताह में दो बार पैनल अधिवक्ता की भी डयूटी लगाई जाती है ताकि हर जुवेनाइल को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान की जा सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बाला, 0172-2532142 व नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# 21 जून को इंद्री अनाज मंडी में होगा योग दिवस कार्यक्रम आयोजित : अशोक मुंजाल

**इंद्री, 19 जून ( बिशपाल राणा ) :** एसडीएम अशोक मुजाल ने बताया कि 21 जून में को पूरे विश्व में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा।

इस उपलक्ष्य में उपमंडल स्तर पर योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन सुबह 6 से 8 बजे अनाज मंडी, इंद्री में किया जाएगा। कार्यक्रम में इंद्री के विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हीप राम कुमार कश्यप बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे तथा 20 जून शुक्रवार को सुबह 6 बजे से 8 बजे पायलट रिहर्सल का आयोजन अनाज मंडी में किया जाएगा।

एसडीएम अशोक कुमार मुजाल ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस कार्यक्रम में अवश्य भाग लें और योग को अपने जीवन का नियमित हिस्सा बनाकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन

की ओर अग्रसर हों।

उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस की क्रिया न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएँ।

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वैज्ञानिक और संतुलित कला है। योगाभ्यास से मनुष्य मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ, सशक्त और संतुलित रहता है।

# नशा करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर : नीतिका भारद्वाज

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला ड्रग कंट्रोल अथोरिटी के साथ मिलकर नशे के खिलाफ जागरूकता शिविर लगाए जा रहे हैं। इसके तहत दीदार नगर में वीरवार को कैंपेन चलाया गया। इस दौरान लोगों को नशा ना करने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि नशा करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें नशीली दवाइयों के दुरुपयोग के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें नालसा (डीएडब्लयूएन- ड्रग अवेयरनेस एंड वैलनैस नैविगेशन- फॉर ए ड्रग फ्री इंडिया) योजना 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

## हत्या के मामले में 8वां आरोपी गिरफ्तार

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** थाना आदमपुर पुलिस ने गांव सीसवाल निवासी विनोद की हत्या के मामले में आठवें आरोपी बीरबल उर्फ धर्मा को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी उप निरीक्षक हरीश चंद्र ने बताया कि आरोपी बीरबल उर्फ धर्मा, विनोद पर जानलेवा हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाने की वारदात में शामिल था। इस मामले में अब तक कुल 8 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। याद रहे कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को गांव सीसवाल निवासी ओमप्रकाश ने थाना आदमपुर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 24 दिसंबर की शाम को उसके पुत्र विनोद को राजीव गांधी सेवा सदन, सीसवाल के पास बेहोशी की हालत में पाया गया। सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुँचे, जहाँ विनोद के शरीर पर कई गंभीर चोटें थीं। तुरंत उसे इलाज के लिए सपरा अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने ओमप्रकाश की शिकायत पर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान अब तक आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी बीरबल उर्फ धर्मा को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## न्यायालय परिसर में कल होगा योगाभ्यास

**रतिया, 19 जून ( अमन सेठी ) :** न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती सलोनी गुप्ता की अध्यक्षता में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोर्ट कॉम्प्लेक्स रतिया में भी योग दिवस 21 जून को उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा। योग दिवस का यह आयोजन प्रात 7 बजे से न्यायालय परिसर में आरंभ होगा, जिसमें श्वास-प्रश्वास की विधियां, सूर्य नमस्कार, ध्यान व अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सभी न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता व न्यायालय के समस्त कर्मचारी आमंत्रित हैं, एवं इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना है, बल्कि तनाव मुक्त वातावरण का निर्माण करना भी है।

## अपराध शाखा-1 की टीम ने अवैध देसी कट्टे सहित आरोपी किया काबू

**यमुनानगर, 19 जून ( दिनेश कुमार ) :** पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने जिला पुलिस को अवैध हथियार रखने वालों पर नकेल कसने के सख्त निर्देश दिए हुए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कार्यवाही करते हुए अपराध शाखा -1 की टीम ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इन्चार्ज वरिंदर वालिया ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि रटौली रोड के पास एक युवक अवैध हथियार के साथ किसी वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहा है। इस सूचना के आधार पर उप निरीक्षक कपिल, मुख्य सिपाही सतबीर सिंह, कुलदीप सिंह, रवि कुमार की टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर वहां घूम रहे युवक को गिरफ्तार किया। जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में जिसकी पहचान जिला पानीपत के गांव सींक पातरी निवासी वंशराज पुत्र कृष्ण हाल वासी स्टार लाइट होटल जगाधरी के नाम से हुई। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

## झगड़े व मार-पिटाई का मामला दर्ज

**सफीदों, 19 जून ( एस.के.मित्तल ) :** महिला पुलिस ने 2 नामजद के खिलाफ महिला के साथ झगड़े व मारपिटाई का मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में आरती निवासी जींद ने आरोप लगाया कि उसकी शादी सफीदों निवासी संदीप के साथ 13 साल पहले हुई थी। अब वह अपनी ननद के घर आने के कारण वह अपने पिता के घर आई हुई थी। उसके ससुराल में दो ही कमरे है। उसकी ननद अपने पति से झगड़ा करके आई हुई है। 25 फरवरी को उसका ननदोईया उसकी ननद को लेने के लिए आया हुआ था। वह भी उसी दिन अपने पति के घर चली गई लेकिन मेरी ननद व सास ने घर का गेट नहीं खोला। वहां पर वह काफी देर तक बैठी रही। जब पड़ौसी ने घर का गेट खोला तो उसकी ननद और सास ने उसके साथ गाली-गलौच करते हुए लड़ाई-झगड़ा किया। उसके बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया और उसका सारा सामान फेंक दिया। उसके बाद वह अपने मायके आ गई। जब उसने सारी बात अपने पति संदीप को बताई तो उसने भी उसके साथ झगड़ा व मारपिटाई की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति व ननद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

## हिसार मंडल आयुक्त अशोक गर्ग हांसी में विभिन्न जिलों के अध्यापकों से हुए रूबरू

**हांसी, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** हिसार मंडल के आयुक्त अशोक गर्ग वीरवार को स्थानीय हिसार चुंगी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक मॉडल संस्कृति स्कूल में आयोजित आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता सेमिनार में विभिन्न जिलों के अध्यापकों से रूबरू हुए। सेमिनार में पहुंचने पर एसडीएम राजेश खोथ तथा नारनौंद उपमंडल के एसडीएम विकास यादव ने मंडल आयुक्त अशोक गर्ग को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सेमिनार में विभिन्न जिलों के 147 अध्यापकों ने भाग लिया। अशोक गर्ग ने अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभ्य समाज के निर्माण में अध्यापकों का बहुत बड़ा योगदान होता है। इस दौरान उन्होंने अध्यापकों से लगभग 3 घंटे संवाद कर समाज को और बेहतर बनाने को लेकर गहनता से मंथन किया। अध्यापकों ने एक से बढ़कर एक शानदार सुझाव रखें। मंडल आयुक्त ने भी प्रस्तुत सुझावों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जो शानदार सुझाव आज सेमिनार में प्रस्तुत किए गए हैं उन्हें लोगों के आचरण में उतारने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान दें ताकि वह एक सभ्य नागरिक बनकर भारत की उन्नति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके। इस अवसर मंडलआयुक्त के ओएसडी जगदीप सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी विजेंद्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार, प्रधानाचार्य राजेश कुमार, एफ एल एन के जिला समन्वयक मनोज गर्ग, सुनील बिसला तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आपसी तालमेल से करें भव्य आयोजन : एसडीएम

**सफीदों, 19 जून ( एस. के. मित्तल ) :** एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बुधवार को लघु सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में एसडीएम ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को आपसी तालमेल और सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न करवाएं। उन्होंने आयुष विभाग को पूर्ण सहयोग और संबंधित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग दिवस का आयोजन नई अनाज मंडी में 21 जून को सुबह 6:00 से 8:00 बजे तक होगा। इसके लिए 20 जून को सुबह 6:00 से 8:00 बजे तक फाइनल रिहर्सल की जाएगी। आयोजन स्थल पर बिजली, पानी, शौचालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने कहा कि योग दिवस को योग प्रोटोकॉल के अनुरूप गरिमामय ढंग से मनाया जाए। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल www. internationalyogadayhry.in और टोल-फ्री नंबर 9501131800 जारी किया है। उन्होंने नागरिकों से इस पोर्टल या नंबर के माध्यम से पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने आयुष वेलनेस सेंटर, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, योग समितियों, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं और आमजन से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में नायब तहसीलदार विकास, आयुष विभाग की एएमओ डॉ. ईशिका चुघ, एएफएसओ मोहित, डॉ. विक्रम, पब्लिक हेल्थ जेई मंजीत, मार्केट कमेटी के ईओ व सचिव अमित कुमार, सुरेश मलिक, अनिल कुमार, सतीश कुमार, कर्मवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

**सोनीपत, 19 जून ( विनोद ) :** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने वीरवार को ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ईवीएम- वीवीपैट की सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड की लॉग बुक, ड्यूटी रजिस्टर, अग्निशमक यंत्रों, सीसीटीवी कैमरा, बिजली व सफाई व्यवस्था इत्यादि अन्य बिन्दुओं की सूक्ष्मता से जाँच की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ईवीएम की सुरक्षा से संबंधित सभी प्रकार के पुख्ता प्रबंध किए जाएं। ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का रिकॉर्ड भी जरुर दर्ज किया जाए। उन्होंने सुरक्षा में लगे अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि ईवीएम की सुरक्षा बहुत की संवेदनशील कार्य है, ऐसे में वेयर हाउस में सुरक्षा के दृष्टिगत नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे तथा वेयरहाउस में आने वाले अधिकारियों की रजिस्टर में हाजिरी बारे जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, ड्यूटी में लापरवाही करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इस अवसर पर तहसीलदार ( चुनाव ) दिनेश शर्मा, जूनियर प्रोग्रामर संजय श्रीवास्तव, सहायक ( चुनाव ) वेदपाल, कांग्रेस पार्टी से मुकेश पत्राला, सीपीआई से श्रद्धानंद सोलंकी व अन्य पार्टियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## योग मनुष्य की जीवनशैली को बदल देते है : शीशपाल आर्य

**सफीदों, 19 जून ( एस. के. मित्तल ) :** भारत विकास परिषद सर्पदमन शाखा के तत्वाधान में नगर के आर्य समाज मंदिर में चल रहे योग शिविर में योगाचार्य शीशपाल आर्य ने करीब 60 लोगों को योगाभ्यास करवाया। संस्था के अध्यक्ष संजीव दीवान व महासचिव उमेश दीवान ने योगाचार्य शीशपाल आर्य व शिविर में आए लोगों का अभिनंदन किया। योगाचार्य शीशपाल आर्य ने वैदिक प्रार्थना के उपरांत लोगों को पवन मुक्त आसन, दंड आसन, शशांक आसन, त्रिकोण आसन, वक्र आसन, भुजंग आसन, उत्तानपाद आसन, अर्द्धहलासन, शलभ आसन, भस्त्रिका आसन, अनुलोम विलोम, भ्रामरी आसन, कपाल भाति एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए उनके लाभों से अवगत करवाया। अपने संबोधन में योगाचार्य शीशपाल आर्य ने कहा कि योग मनुष्य की जीवनशैली को बदल देते है। योग हमारे शरीर की हर कोशिका में शांति और स्थिरता की भावना पैदा करता है। योग मनुष्य के शरीर की लचक बढ़ाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूती प्रदान करता है। योग आत्मा को प्रबुद्ध करता है, सादगी और सद्भाव की लौ को प्रज्वलित करता है और जीवन जीने का एक समग्र तरीका प्रस्तुत करता है।

## अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 जून को : उत्तम सिंह

**करनाल, 19 जून ( सुनील कुमार ) :** उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि आगामी 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को अनाज मंडी में होगा।

इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण शिरकत करेंगे तथा 20 जून शुक्रवार को पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि 21 जून को मुख्य कार्यक्रम सुबह 6 से 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा, इसमें स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों के अलावा योग संस्थाओं से जुड़े सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधि भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि 20 जून को पायलट रिहर्सल अनाज मंडी में सुबह 6 से 8 तक आयोजित होगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम के अलावा उप-मंडल व ब्लॉक स्तर पर भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, नीलोखेड़ी के कार्यक्रम में नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, इंद्री के कार्यक्रम में इंद्री के विधायक एवं चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप, घरौंडा के कार्यक्रम में करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के कार्यक्रम में असंध के विधायक योगेंद्र सिंह राणा, निसिंग के कार्यक्रम में जिला परिषद की चेयरमैन प्रवेश कुमारी, चिड़ाव के कार्यक्रम में हरियाणा गऊ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग, मूनक के कार्यक्रम में हरियाणा एसी कमीशन के चैयरमेन रविंद्र सिंह बलियाला, कुंजपुरा के कार्यक्रम में करनाल नगरनिगम मेयर रेनू बाला गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेगी। उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तरीय योग कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है तथा संबंधित अधिकारियों की ड्यूटियां लगा दी गई है। कार्यक्रम स्थल पर कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है।

## 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर यमुनानगर में हजारों लोग करेंगे योग : पार्थ गुप्ता

**यमुनानगर, 19 जून ( संजीव कुमार ) :** उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि यमुनानगर में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक साथ हजारों लोग योग करेंगे। इस योग दिवस पर नई अनाज मंडी जगाधरी के साथ-साथ बिलासपुर, रादौर, साढौरा, सरस्वती नगर, छछरौली व प्रतापनगर और सभी ग्राम पंचायतों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस योग दिवस को ऐतिहासिक हरियाणा राज्य सरकार द्वारा और सफल बनाने के लिए अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया है। जिला स्तरीय नई अनाज मंडी जगाधरी में होने वाले योग कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद राम चंद्र जांगड़ा मुख्यातिथि होंगे। उन्होंने बताया कि बिलासपुर में मेयर नगर निगम, यमुनानगर सुमन बहमनी, सरस्वतीनगर में एसडीएम जगाधरी सोनू राम, रादौर में यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, छछरौली में एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, प्रतापनगर में जिला परिषद के चेयरमैन रमेश चंद ठसका, सढौरा में नगराधीश पीयूष गुप्ता मुख्यातिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। डीसी पार्थ गुप्ता ने कहा कि जिला स्तर के अलावा ब्लॉक स्तर और ग्रामीण क्षेत्रों में भी 21 जून को योग दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सभी कार्यक्रमों के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। इस कार्यक्रम में खेल विभाग, शिक्षा विभाग, आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग, पतंजलि योग समिति, भारतीय योग संस्थान के साथ-साथ अन्य संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। सभी के सांझे प्रयासों से इस 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल और यादगार बनाया जाएगा।

## नवीन की हत्या के मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग अभिरक्षा में

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** पुलिस अधीक्षक श्री शशांक कुमार सावन के दिशा-निर्देशन में थाना सदर पुलिस द्वारा गांव हिन्दवान निवासी नवीन की हत्या मामले में चौथे आरोपी छोटूराम को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही एक नाबालिग आरोपी को भी अभिरक्षा में लिया गया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक राजेश के अनुसार, दोनों आरोपी 14 जून की सुबह हुई वारदात में शामिल थे, जिसमें नवीन की हत्या कर दी गई थी तथा उसके परिवारजनों पर भी जानलेवा हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाई गई थीं। अब तक इस मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी छोटूराम को पूछताछ के उपरांत अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है, जबकि नाबालिग को ऑब्जर्वेशन होम भेजा गया है।

**घटना की पृष्ठभूमि :** 14 जून 2025 को शाम के समय गांव हिन्दवान में दो पक्षों के बीच झगड़े की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। वहां ज्ञात हुआ कि नवीन, सावित्री और राजवीर को धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया गया, जिन्हें उपचार के लिए, हिसार अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित पक्ष के प्रताप सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 मई 2025 को नाली सफाई को लेकर कृष्ण, छोटू, महेन्द्र, नरेश आदि से कहासुनी हुई थी, जो बाद में आपसी समझौते से समाप्त हो गई थी। परंतु 14 जून की सुबह जब पुन: नाली की सफाई की जा रही थी, तो उक्त व्यक्तियों ने जान से मारने की धमकी दी। शाम लगभग 6:30 बजे प्रताप सिंह का पुत्र नवीन टहलने के लिए निकला, तभी कुछ देर बाद मार दिया, मार दिया की आवाजें सुनाई दीं। आरोप है कि लगभग 15-20 लोगों, जिनमें चार महिलाएं और अन्य अज्ञात व्यक्ति शामिल थे, ने नवीन पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

## विकास के दावों की खुल गई पोल दुकानों के आगे जमा कीचड़ से लोग परेशान

**निसिंग, 19 जून ( जोगिंद्र सिंह ) :** क्षेत्र में हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली पर जलभराव ने परेशानी बढ़ा दी। शहर निसिंग में जगह-जगह पानी भरने से दुकानों के आगे ओर लोगों के घरों के आगे कीचड़ जमा हो गई। जिसे उन्होंने खुद साफ किया। हल्की सी बारिश से नगरपालिका प्रशासन के सफाई के दावों की पोल खुल गई क्योंकि नालों की सफाई नहीं हुई थी जिससे पानी की निकासी बाधित हो गई। बुधवार शाम को शहर में हुई वर्ष के बाद हालांकि लोगों को जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली। लेकिन शहर में जगह-जगह हुआ जलभराव लोगों के लिए आफत बन गई दुकानों के आगे ओर घरों के आगे जमा कीचड़ को लोगों ने स्वत: ही साफ किया। शहर में जगह-जगह हुए जलभराव से प्रशासन के सफाई के दावों की पोल खुल गई। शहर के व्यक्ति रह रहकर प्रशासन को कोस रहे थे। बता दें पिछले कुछ दिन से तापमान बढ़ने के कारण बदन को झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही थी। हल्की सी बारिश होने से राहत जरूर मिली।

## छात्रवृत्ति में पाई गई कमियों को पूर्ण कर पोर्टल पर पुन: अपलोड करें : नगराधीश हरिराम

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** नगराधीश हरिराम ने बताया की सामाजिक न्याय और अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग कल्याण तथा अन्त्योदय (सेवा) विभाग, हरियाणा द्वारा संचालित डॉ बीआर अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना चलाई जा रही है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग, विमुक्त-घुमन्तु, टपरीवास तथा अन्य पात्र वर्गों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना एवं उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान कर प्रतियोगी युग में सक्षम बनाना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत छात्र-छात्राओं द्वारा किये गए कुछ ऑनलाइन आवेदनों में त्रुटियां अथवा दस्तावेजों की कमी पाई गई है। ऐसे सभी आवेदन ऑनलाइन माध्यम से संबंधित विद्यार्थियों को वापिस भेजे जा चुके हैं। नगराधीश हरिराम ने आवेदनकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे अपने आवेदन-पत्रों में पाई गई कमियों को 30 जून तक पूर्ण कर ऑनलाइन पोर्टल पर पुन: अपलोड करें। निर्धारित समयावधि में त्रुटियां पूर्ण न करने की स्थिति में छात्रवृत्ति योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूर्व में जिन आवेदकों ने आवेदन किया है, वे दोबारा से नया आवेदन न करें, बल्कि केवल जिनको ऑनलाइन माध्यम से वापिस भेजे गए है, सिर्फ वो ही आवेदक ऑनलाइन आवेदन में सुधार करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं लघु सचिवालय परिसर की चौथी मंजिल पर स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी में संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गांव में योग जागरण यात्रा निकाली

**मूनक, 19 जून ( जयभगवान ) :** खंड के गांव शेखपुरा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष में हरियाणा योग आयोग व आयुष विभाग करनाल के मार्गदर्शन में गांव में योग जागरण यात्रा निकाली गई। यह जागरण यात्रा योग सहायक रीना रानी की देखरेख में निकाली गई। जिसमें गांव की दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया। इस जागरण यात्रा का उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना का है। यात्रा में योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा, करो योग रहो निरोग, एक पृथ्वी एक स्वस्थ के लिए योग के नारे लगाए गए। योग सहायक रीना ने बताया कि 20 को योग प्रैक्टिस की जाएगी और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग हमारे शरीर के लिए कितना लाभकारी है हमें योग कर अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। समाज में फैल रही नशे की बीमारी से दूर रह सकते हैं। आज समाज के अंदर नशा समाज के लिए घातक होता जा रहा है। युवा लोग नशे की तरफ ध्यान दे रहे हैं। हमें अपने बच्चों को नशे के प्रति जागरूक करना होगा और उन्हें योग के बारे में बताना होगा। इसमें अपना व समाज का उत्थान हो होगा।

## नशे के खिलाफ जिला यमुनानगर पुलिस का जागरूकता अभियान लगातार जारी

*पुलिस खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को कर रही प्रोत्साहित*

**यमुनानगर, 19 जून ( दिनेश कुमार ) :** पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला यमुनानगर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर के आदेशों की पालना करते हुए जिला पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने तथा खेलों से जोड़ने के लिए खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहित कर रही है। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया के निर्देश पर थाना प्रभारियों द्वारा अलग-अलग एरिया में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस टीमों द्वारा नशा न करने बारे जागरूक किया तथा नशा ना करने की शपथ भी दिलवाई जा रही है। नशे से पीड़ित व्यक्ति अगर ईलाज करवाना चाहता है तो जिला स्तर पर काम कर रही नशा मुक्ति टीमों या नशामुक्ति केंद्रों से सम्पर्क करें। उन्होंने कहा की नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस विभाग के मोबाईल नम्बर 8818001789 पर दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। इसी कड़ी में बुधवार को जिला की नशा मुक्ति अभियान की टीम ने गांव सुल्तानपुर थाना छप्पर में वॉलीबॉल मैच का आयोजन कर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। टीम के प्रभारी निरीक्षक अनंत राम ने आमजन से अपील की है कि वे अपने घर, परिवार व क्षेत्र के लोगों को ड्रग एवं हिंसा से बचाने के लिये अपने व आस-पड़ोस के युवाओं को भी प्रेरित करें। पुलिस टीम द्वारा नशा न करने बारे जागरूक किया तथा नशा ना करने की शपथ भी दिलवाई गई। इस मौके पर गांव सुल्तानपुर की सरपंच तरुण कुमारी, पूर्व सरपंच नागेंद्र लंबा, पंचायत मेंबर व मौजिज व्यक्ति पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# केमद्रुम दोष में जन्म लेने वाला व्यक्ति रहता है सदा परेशान

यदि जन्म कुंडली में चन्द्रमा किसी भी भाव में अकेला बैठा हो, उससे आगे और पीछे के भाव में भी कोई ग्रह न हो तो केमद्रुम दोष बनता है। केमद्रुम दोष में जन्म लेने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से हमेशा परेशान होता है। उसे हमेशा एक अज्ञात भय रहता है। उसके जीवन काल में अनेक उतार-चढ़ाव आते हैं। आर्थिक रूप से ऐसे व्यक्ति कमजोर ही रहते हैं। जीवन में अनेकों बार आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति खुद को बहुत समझदार समझते हैं। उन्हें लगता है की उनसे अधिक बुद्धिमान व्यक्ति कोई नहीं है। ऐसे व्यक्ति चिड़चिड़े और शक्की स्वभाव के होते हैं। संतान से कष्ट पाते हैं परन्तु दीर्घायु होते हैं। कुछ परिस्थितियों में केमद्रुम योग भंग या निष्क्रिय भी हो जाता है।

जन्म कुंडली में केमद्रुम दोष हो परन्तु चन्द्रमा के ऊपर सभी ग्रहों की दृष्टि हो तो केमद्रुम दोष के दुष्प्रभाव निष्क्रिय हो जाते हैं।- यदि चन्द्रमा शुभस्थान (केंद्र या त्रिकोण) में हो तथा बुद्ध, गुरु एवं शुक्र किसी अन्य भाव में एक साथ हो तो भी केमद्रुम दोष भंग हो जाता है।-यदि दसवें भाव में उच्च राशि का चन्द्रमा केमद्रुम दोष बना कर बैठा हो परन्तु उस पर गुरु की दृष्टि हो तो भी केमद्रुम दोष भंग माना जायेगा।यदि केंद्र में कहीं भी चन्द्रमा केमद्रुम दोष का निर्माण कर रहा हो परन्तु उस पर सप्तम भाव से बली गुरु की दृष्टि पड़ रही हो तो भी केमद्रुम दोष भंग हो जाता है।

**आषाढ़ महीने की गुप्ति नवरात्रि 26 जून से होगी शुरु**

हिंदू धर्म में नवरात्रि पर्व को बेहद महत्वे दिया गया है। नवरात्रि के 9 दिन मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष होते हैं। साल में 4 बार नवरात्रि पड़ती हैं। इनमें से 2 प्रत्यनक्ष नवरात्रि होती हैं और 2 गुप्ति नवरात्रि होती हैं आषाढ़ महीने की गुप्त् नवरात्रि आषाढ़ शुक्ले प्रतिपदा से प्रारंभ होंगी और नवमी को समाप्तर होंगी। इस दौरान 10 महाविद्याओं की उपासना की जाती है। इस साल आषाढ़ महीने की गुप्तत नवरात्रि 26 जून से 4 जुलाई 2025 तक चलेंगी।

गुप्ता नवरात्रि का समय बेहद पवित्र होता है। इन 9 दिनों में गलती से भी लहसुन-प्याज, मांसाहार, शराब, नशीली चीजों का सेवन ना करें। गुप्त नवरात्रि के दौरान केवल सात्विक भोजन ही ग्रहण करें।

प्रत्यपक्ष नवरात्रि में घटस्थाहपना के समय जवारे बोए जाते हैं। आखिरी दिन जवारों का विधि-विधान से विसर्जन किया जाता है लेकिन गुप्ते नवरात्रि में जवारे बोना वर्जित होता है। यदि ऐसा हो तो व्यबक्ति पुण्यि की बजाय पाप का भागीदार बनता है।

गुप्त् नवरात्रि में आमतौर पर मां दुर्गा की तस्वीःर घर में स्थाहपित करके उसकी पूजा की जाती है। साथ ही अखंडज्यो ति प्रज्वकलित की जाती है। इस दौरान ध्यामन रहे कि मां दुर्गा के रौद्र रूप की तस्वीत गलती से भी ना लगाएं। ऐसा करने से जीवन में समस्याातएं बढ़ सकती हैं। गुप्त नवरात्रि के दौरान दक्षिण दिशा की यात्रा करना अशुभ माना जाता है। यदि बहुत जरूरी हो तो भगवान से प्रार्थना करके ही यात्रा पर निकलें। साथ ही घर से निकलते समय कुछ कदम आगे बढ़कर वापस आएं और फिर यात्रा शुरू करें।

(चिंतन-मनन) संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

# सड़क पर मिली हुई ये चीजें देती हैं जीवन में बदलाव के संकेत

आम तौर पर कई बार ऐसा होता है कि चलते-चलते रास्ते में बहुत सी चीज़े मिलती है । कई बार रास्ते में पैसे गिरे हुए मिल जाते है या कई बार सिक्के तो ऐसे में ज्यादातर लोग इन्हें बिना कुछ सोचे

तुरंत उठा कर अपने पास रख लेते है या कुछ लोग इन्हें जरूरतमंदों को दान कर देते हैं या मंदिर में चढ़ा देते हैं। इनके अलावा भी कई चीज़े होती है जैसे फूल, मोर पंख, अनाज जो कई बार रास्ते में नीचे गिरे हुए मिलती है। वास्तु शास्त्र की मानें तो ऐसा देखा जाता है कि सड़क पर गिरी हुई ये चीज़े आपके आने वाले जीवन में बदलाव का कोई संकेत हो सकती है। कई चीज़े ऐसी होती है जिनका रास्ते पर मिलना शुभ होता है। लेकिन आखिर कौन सी है ये चीज़े और क्या है इनका मतलब। तो आइए जानते हैं कि ऐसी ही कुछ चीज़ों के बारे में-

सबसे पहली चीज की बात करें तो अगर रास्ते में चलते वक्त अचानक से कोई नोट या सिक्का पड़ा हुआ दिखें तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। इसका मतलब होता है कि जल्द ही कोई धन से संबंधित लाभ हो सकता है। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि अगर किसी काम के लिए जाते समय रास्ते में सिक्का या नोट मिले तो इसका मतलब ये होता है कि आपको उस काम में सफलता ज़रूर मिलेगी या अगर किसी वजह से कोई काम अटका हुआ था या अधूरा था तो वो भी पूरा हो जाएगा। अगर रास्ते में कहीं मोर पंख पड़ा हुआ दिखें या मिल जाए तो ऐसा माना जाता है कि ये सफलता और सौभाग्य की ओर इशारा करता है। मोर पंख को श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है इसलिए इसे मंदिर में रखना भी शुभ माना जाता है।अगर किसी को सड़क या रास्ते पर जाते समय अचानक से कोई सफेद कौड़ी या गोमती चक्र पड़ा हुआ मिल जाए तो इसे बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इन दोनों चीजों का संबंध सीधे माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु से माना गया है, ऐसे में यदि ये दोनो चीज़े रास्ते में पड़ी हुई दिख जाए तो इसे धन और समृद्धि का संकेत माना जाता है। इसके अलावा अगर रास्ते में चलते समय पीपल का ताज़ा पत्ता या फूल मिले तो इसे भी शुभ संकेत माना गया है। कहा जाता है ऐसा होने पर इसका मतलब होता है कि आपके जीवन में कोई शुभ अवसर आने वाला है। अगर सड़क पर अन्न या अनाज पड़ा हुआ मिले तो ये भी बेहद शुभ होता है। इसे घर में सुख शांति और समृद्धि का संकेत माना जाता है।

# श्रद्धा से ही मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाप कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्पित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा-महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

# गुरुवार को कई कार्य निषेध क्यों माने गए

भारतीय सभ्यता में हर दिन का अलग महत्व है। खासतौर से गुरुवार को तो धर्म का दिन मानते हैं। गुरु को लेकर एक भी मान्यता है कि यह दूसरे ग्रहों के मुकाबले ज्यादा भारी होते है। इसलिए इस दिन कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए, जिससे शरीर या घर में हल्कापन आता हो क्योंकि गुरु के प्रभाव में आने वाले कारक तत्वों का प्रभाव हल्का हो जाता है. वो काम कौन से हैं, जिन्हें गुरुवार को नहीं करना चाहिए, आप भी जानिये।

**ना बाल धोएं ना कटाएं**

शास्त्रों के अनुसार महिलाओं की जन्मकुंडली में बृहस्पति पति और संतान का कारक होता है। इसका मतलब यह है कि गुरु ग्रह संतान और पति दोनों के जीवन को प्रभावित करता है। ऐसे में गुरुवार को महिलाएं अगर अपना सिर धोती हैं या बाल कटाती हैं तो इससे बृहस्पति कमजोर होता है और पति व संतान की उन्नति रुक जाती है। गुरु ग्रह को जीव भी कहा जाता है। जीव यानी कि जीवन। जीवन से तात्पर्य है आयु. गुरुवार को नाखून काटने और शेविंग करने से गुरु ग्रह कमजोर होता है, जिससे जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उम्र में से दिन कम हो जाता है। घर में अधिक वजन वाले कपड़ों को धोने, कबाड़ घर से बाहर निकालने, घर को धोने या पोछा लगाने से बच्चों, पुत्रों, घर के सदस्यों की शिक्षा, धर्म आदि पर शुभ प्रभाव में कमी आती है।

गुरुवार को नारायण का दिन होता है, ये बात तो ठीक है. पर नारायण तभी प्रसन्न होंगे जब आप उनके साथ उनकी पत्नी यानी कि लक्ष्मी जी की भी पूजा करेंगे। गुरुवार को लक्ष्मी-नारायण दोनों की एक साथ पूजा करने से जीवन में खुशियां आती हैं और पति-पत्नी के बीच कभी दूरियां नहीं आतीं। साथ ही धन में भी वृद्धिल होती है।

**अंगूठा बता देता कई राज**

सभी को भविष्य में क्या छिपा है यह राज जानने की जिज्ञासा होती है। जन्मकुंडली के साथ ही हाथ की रेखाएं देखकर भी भविष्य के राज जाने जा सकते हैं। हस्तरेखा विज्ञान में अंगूठे को चरित्र का आइना कहा जाता है। आप इसे देखकर व्यक्ति के बारे में कई बातें जान सकते हैं। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, बचत, काम वासना और रोगों का पता भी अंगूठे से लग जाता है।

अंगूठा लंबा -जिनका अंगूठा लंबा होता है वह बुद्धिमान और उदार होते हैं। ऐसे व्यक्ति शौकीन भी खूब होते हैं। अगर अंगूठा तर्जनी उंगली के दूसरे पोर तक पहुंच रहा है तो व्यक्ति नेक होता है और कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता।

अंगूठा छोटा -अंगूठा छोटा होना अच्छा नहीं माना जाता। ऐसे लोगों के उधार और कर्ज देने से बचना चाहिए क्योंकि पैसा डूबने का डर रहता है। इन्हें जीवन में कई बार हानि उठानी पड़ती और पारिवारिक जीवन में भी उथल-पुथल मचा रहता है।

अंगूठा अधिक चौड़ा -अगर अंगूठा अधिक चौड़ा हो तो व्यक्ति खर्चीले स्वभाव का होता है। ऐसे लोग अक्सर कोई न कोई बुरी लत अपना लेते हैं।

कम खुलने वाला अंगूठा-कम खुलने वाला अंगूठा हस्तरेखा विज्ञान में अच्छा नहीं माना गया है। ऐसे लोगों के हर काम में बाधा आती रहती है और सफलता देर से मिलती है। ऐसे लोग चाहकर भी कमाई के अनुसार बचत नहीं कर पाते हैं।

ऊपर मोटा और गोल हो तो-अगर अंगूठा नीचे पतला और ऊपर मोटा और गोल हो तो ऐसा व्यक्ति शंकालु होते और इन्हे भी अपने काम में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन हाथ भारी हो तो उन्नति करते हैं।

अंगूठा हो लंबा पतला तो

अंगूठा पतला और लंबा हो तो व्यक्ति शांत स्वभाव का होता है। ऐसे व्यक्ति अपने काम वासना पर नियंत्रण रखने में कुशल होते हैं। इन्हें व्यवहारकुशल भी माना जाता है। ऐसे लोग भावुक भी खूब होते हैं।

ऐसे लोग धनी होते हैं

जिनका अंगूठा ज्यादा खुलता है ऐसे लोग धनी होते हैं। अपने व्यक्तित्व के कारण इन्हें समाज में खूब सम्मान मिलता है।

# गंगा मुक्ति आंदोलन के 42 साल एवं चुनौतियां

**- कुमार कृष्णन**

फरवरी 2025 को कहलगांव में गंगा मुक्ति आंदोलन की वर्षगांठ मनाई गयी । सन 1982 में गंगा मुक्ति आंदोलन की शुरुआत हुई थी। आज से 43 साल पहले शुरू हुए इस आंदोलन की निरंतरता आज भी कायम है। गंगा की जमींदारी के खिलाफ शुरू हुआ यह आन्दोलन 1987-88 आते आते बिहार के सम्पूर्ण गंगा क्षेत्र में फैल गया था और इसमें लाखों लोग शामिल हो गए थे। जब कुर्सेला से पटना तक(लगभग 500 किलोमीटर)नौका जुलूस निकाला गया तो गंगा तट के गांव गांव में स्त्री पुरुषों की भागीदारी और उनका उत्साह देखने लायक था। इस नौका जुलूस के बाद जब बिहार के सम्पूर्ण गंगा क्षेत्र में जलकर(मछली पकड़ने के एवज में दिया जानेवाला टैक्स) बंद कर दिया गया तो पानी के ठेकेदारों ने अनेक प्रकार के जुल्म ढाए थे। लेकिन अन्ततः 1990 के जनवरी में सरकार को बाध्य होकर गंगा समेत बिहार की सभी नदियों की बहती धारा में परम्परागत मछुओं के लिए मछली पकड़ना करमुक्त कर दिया था। 1993 के पहले गंगा में जमींदारों की पानीदार थे, जो गंगा के मालिक बने हुए थे। सुल्तानगंज से लेकर पीरपैंती तक 80 किलोमीटर के क्षेत्र में जलकर जमींदारी थी। यह जमींदारी मुगलकाल से चली आ रही थी। सुल्तानगंज से बरारी के बीच जलकर गंगा पथ की जमींदारी महाशय घोष की थी। बरारी से लेकी पीरपैंती तक मकससपुर की आधी-आधी जमींदारी क्रमशः मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल के मुसर्रफ हुसैन प्रमाणिक और महाराज घोष की थी। हैरत की बात तो यह थी कि जमींदारी किसी आदमी के नाम पर नहीं बल्कि देवी-देवताओं के नाम पर थी। ये देवता थे श्री श्री भैरवनाथ जी, श्री श्री ठाकुर वासुदेव राय, श्री शिवजी एवं अन्य। कागजी तौर जमींदार की हैसियत केवल सेवायत की रही है।सन 1908 के आसपास दियारे के जमीन का काफी उलट-फेर हुआ।जमींदारों के जमीन पर आये लोगों द्वारा कब्जा किया गया।किसानों में आक्रोश फैला। संघर्ष की चेतना पूरे इलाके में फैली; जलकर जमींदार इस जागृति से भयभीत हो गये और 1930 के आसपास ट्रस्ट बनाकर देवी -देवताओं के नाम कर दिया।जलकर जमींदारी खत्म करने के लिए 1961 में एक कोशिश की गयी; भागलपुर के तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर ने इस जमींदारी को खत्म कर मछली बंदोबस्ती की जवाबदेही सरकार पर डाल दी। मई 1961 में जमींदारों ने उच्च न्यायालय में इस कार्रवाई के खिलाफ अपील की और अगस्त 1961 में जमींदारों को स्टे ऑडर मिल गया।1964 में उच्च न्यायालय ने जमींदारों के पक्ष में फैसला सुनाया तथा तर्क दिया कि जलकर की जमींदारी यानी फिशरीज राइट मुगल बादशाह ने दी थी और जल-कर के अधिकार का प्रश्न जमीन के प्रश्न से अलग है। क्योंकि जमीन की तरह यह अचल संपत्ति नहीं है। इस कारण यह बिहार भूमिसुधार कानून के अंतर्गत नहीं आता है। बिहार सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की और सिर्फ एक व्यक्ति मुसर्रफ हुसैन प्रमाणिक को पार्टी बनाया गया। जबकि बड़े जमींदार मुसर्रफ हुसैन प्रमाणिक को छोड़ दिया गया।

गंगा मुक्ति आंदोलन के अनिल प्रकाश के अनुसार आरंभ में जमींदारों ने इसे मजाक समझा और आंदोलन को कुचलने के लिए कई हथकंडे अपनाये। लेकिन आंदोलनकारी अपने संकल्प ''हमला चाहे कैसा भी हो, हाथ हमारा नहीं उठेगा'' पर अडिग रहे और निरंतर आगे रहे। निरंतर संघर्ष का नतीजा यह हुआ 1988 में बिहार विधानसभा में मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए जल संसाधनों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का एक प्रस्ताव लाया गया। कहलगांव के पत्रकार प्रदीप विद्रोही के अनुसार, मछुआ समाज की इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका रही है और आज भी बनी हुई है।इसके साथ ही किसानों, मजदूरों, झुग्गीवासीयों, बुनकरों,बुद्धिजीवियों,कलाकारों,कलाकारों,कवियों, साहित्यकारों और वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भागीदारी ने इस आंदोलन को सशक्त और व्यापक बनाया था। आंदोलन से जुड़े उदय बताते हैं कि जातिप्रथा के जहर के खिलाफ चेतना जाग्रत करना हमारे आंदोलन का अभिन्न हिस्सा रहा है।1983 में आयोजित एकलव्य मेला से इस आंदोलन शुरुआत की गई थी। 1984 में इंदिरा गांधी की निर्मम हत्या के खिलाफ जब सिख विरोधी उत्पात शुरू हुआ था तो साथियों ने आगे बढ़कर उसे रोका था।भागलपुर और पटना में साम्प्रदायिक दंगे और तनाव हुए थे तो गंगा मुक्ति आंदोलन के लोगों ने जान पर खेलकर उसे रोकने की कोशिश की थी।यह सब गंगा मुक्ति आंदोलन की व्यापक वैचारिक दृष्टि के कारण ही सम्भव था।

अनिल प्रकाश के अनुसार -जब गंगामुक्ति आंदोलन ने फरक्का बराज को विनाशकारी बताया था तो बहुतों ने खिल्ली उड़ाई थी।जब कहलगांव सुपर थर्मल पावर स्टेशन का गंगा मुक्ति आंदोलन ने विरोध किया था तो हमे आंदोलन विकास विरोधी बताया गया था।जब हमसब ने रासायनिक खादों और जहरीले रासायनिक कीटनाशकों पर रोक लगाने की मांग की थी तब भी हमारा मजाक उड़ाया गया था।सुन्दर लाल बहुगुणा और उनके साथी टिहरी बांध के निर्माण का विरोध कर रहे थे तो गंगा मुक्ति आंदोलन भी उनके साथ था।आज साबित हो रहा है कि हम सही रास्ते पर थे और दूसरों से आगे देख रहे थे।आज नदियां और ज्यादा जहरीली हो गई हैं,हमारे खेत जहरीले हो रहे हैं,उसमें उगनेवाले अनाज,फल और सब्जियां जहरीली हो रही हैं,हमारी मछलियां भी जहरीली होती जा रही हैं।यहां तक कि सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा भी शहरों में नहीं मिलती। आंदोलन 1980 के दशक की शुरुआत से ही चीख चीखकर कह रहे थे।मनुष्य और प्रकृति के मधुर सम्बन्धों की बुनियाद पर समता मूलक लोकतांत्रिक समाज बनना हमारा लक्ष्य है।हमसब इस दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील रहे हैं और आगे भी रहेंगे।आंदोलन के वैज्ञानिक सलाहकार डॉक्टर के एस बिलग्रामी ने ठीक ही कहा था कि इकोलॉजी और इकॉनोमिक्स के बीच संतुलन बिठाकर चलना पड़ेगा। फरक्का बराज के कारण हमारी मछलियां समाप्त प्राय = हो गईं,लाखों लोगों की रोजी रोटी छीन गई और सामान्य जन के लिए सुलभ पौष्टिक भोजन(प्रोटीन,विटामिन)की कमी हो गई। मछुआरों का कहना है कि पहले गंगा में तमाम किस्म की मछलियां मिलती थीं, जैसे हिलसा, झींगा, पंगास, सौकची, कुर्सा, कठिया, गुल्ला, महसीर, कतला, रेहू, सिंघा, जो अब मुश्किल से ही दिखती हैं। हिलसा तो फरक्का के ऊपर लगभग लुप्त हो गई है।

# राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम की पायलट रिहर्सल का किया सफल आयोजन

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार ) :** उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव 2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर पायलट रिहर्सल का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग, पतंजलि योगपीठ, भारतीय योग आयोग, अन्य संस्थान और शहरवासियों ने प्रोटोकॉल योग की रिहर्सल की। रिहर्सल के समापन पर औषधीय पौधे वितरित किए गए। अहम पहलू यह है कि आयोजन से विभिन्न पहलुओं जैसे कि मंच व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली, यातायात व्यवस्था, सीटिंग और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा सकी है। जिला आयुष अधिकारी डा. सुदेश जाटियान और डा. सतपाल ने कहा कि 21 जून को कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड में अंतराष्ट्रीय योग महोत्सव 2025 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 1 लाख से ज्यादा प्रतिभागी एक साथ योग क्रियाएं करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम की सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को योगा टी-शर्ट, औषधीय पौधे वितरित किए जाएंगे। 25 हजार

लोगों को पहले आओ पहले पाओ की नीति से मैट वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम से पहले पायलट रिहर्सल आयोजित करने का उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करना है और किसी भी संभावित समस्या का समाधान करना है। इस दौरान विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि रिहर्सल के संभावित समस्याओं की पहचान हुई है, जिनका समाधान भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि पायलट रिहर्सल में प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, वृक्षासन, भुजंगासन, श्वसन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, धनुरासन और वज्रासन का अभ्यास किया गया। इन योगों को करने से शारीरिक स्वास्थ्य, संतुलन, लचीलापन और एकाग्रता को बढ़ावा मिलता है। भुजंगासन से रीढ़ की लचीलता और शक्ति को बढ़ावा देता है। वज्रासन पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसी तरह प्रतिभागियों ने कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, उज्जायी और शीतली प्राणायाम का अभ्यास किया। ये श्वसन प्रणाली को संतुलित करने और मानसिक शांति को बढ़ावा देने में मदद करती है।

# नशा मुक्ति केंद्र संचालक की गाड़ी में टक्कर मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में चौथा आरोपी गिरफ्तार

**हांसी, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के दिशा-निर्देशन में कार्रवाई करते हुए हिसार पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने नशा मुक्ति केंद्र संचालक और उसके परिवार पर जानलेवा हमला करने के मामले में चौथे आरोपी मंडी आदमपुर निवासी मोहित को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच कर रहे उप निरीक्षक प्रदीप ने जानकारी दी कि आरोपी मोहित ने अपने साथियों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते नशा मुक्ति केंद्र संचालक सुनील शर्मा की गाड़ी को जानबूझकर टक्कर मारी और परिवार पर लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल किया। वारदात के बाद से आरोपी मोहित फरार था। इस मामले में पहले ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी मोहित को भी पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

**घटना का विवरण:-** सेक्टर-14, हिसार निवासी सुनील शर्मा ने अनाज मंडी चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी कि दिनांक 21 दिसंबर 2024 को दोपहर के समय वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ चिकनवास स्थित नशा मुक्ति केंद्र जा रहे थे। इसी दौरान सामने से एक थार गाड़ी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारी, और पीछे से आई दो अन्य गाड़ियों से करीब 8-10 युवक लाठी-डंडों से लैस होकर उतरे। इन युवकों ने सुनील शर्मा की गाड़ी के शीशे तोड़कर उन पर हमला किया और गंभीर चोटें पहुंचाईं। बीच-बचाव करने आई पत्नी और बेटी को भी चोटें मारी गईं। आसपास के लोग इकट्ठा होने लगे, जिस पर हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर थाना शहर हिसार में आरोपीगण के विरुद्ध हत्या के प्रयास सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

# समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान : पीयूष गुप्ता

**यमुनानगर, 19 जून ( दिनेश कुमार ) :** नगराधीश पीयूष गुप्ता ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें नगराधीश ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बिलासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही

इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। नगराधीश ने बताया कि समाधान शिविर में 13 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें ऊषा कॉलोनी निवासी जसविंदर कौर व यमुनानगर निवासी अर्जुन दास ने प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने बारे समस्या रखी। जम्मू कॉलोनी निवासी संतोष रानी, पांसरा निवासी सतीश कुमार, भगवानपुर निवासी बलविंदर सिंह, छौली निवासी मलकीत कौर ने परिवार पहचान पत्र ठीक करवाने बारे समस्याएं रखी। उन्होंने बताया कि गांव तारनवाला निवासी गौरव कुमार ने जमीन तकसीन करवाने बारे, मानकपुर निवासी धर्मदेव ने सड़क पर रोलिंग लगवाने बारे समस्या रखी। गांव ठसका खादर निवासी लक्ष्मीचंद ने बीपीएल राशन कार्ड बनवाने बारे समस्या रखी। शादीपुर निवासी मुर्शीदा ने राशन कार्ड बनवाने बारे समस्या रखी। विकास नगर निवासी दिव्या ने रजिस्ट्री ठीक करवाने बारे समस्या रखी, मुकारमपुर निवासी नायब कौर ने विधवा पेंशन लगवाने बारे समस्या रखी, 200 क्वाटर कॉलोनी इंडस्ट्री एरिया वार्ड नंबर 15 निवासियों ने कॉलोनी में सफाई करवाने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर अंडर ट्रेनिंग आईएएस सुमन यादव, उप निगम आयुक्त कुलदीप मलिक, डीएसपी कंवलजीत सिंह व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# ग्रामीणों ने नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करवाकर उनका बायकाट करने का लिया फैंसला

**रतिया, 19 जून ( अमन सेठी ) :** आज शाम डॉ भीमराव अंबेडकर कल्ब द्वारा क्लोठा ग्राम पंचायत व अलीका पंचायत व विभिन्न संगठनों ने गाम में बढ़ रहे मेडिकल नशे के विरोध में डॉ भीमराव अंबेडकर कल्ब व विभिन्न संगठनों द्वारा मेडिकल नशा बेचने व नशे बेचने बालों का बायकॉट किया जाएगा साथ ही जो भी नशा बेचता पाया गया उसके खिलाफ सख्ती बरती जाएगी और प्रशासन के द्वारा गिरफ्तारी करवाके बायकॉट किया जाएगा। जो व्यक्ति नशे की जानकारी देगा क्लब और ग्राम वासियों की और से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही नशा बेचने वालों का पता बताने वाले व्यक्ति का नाम भी गुप्त रखा जाएगा। और साथ ही प्रशासन भी उसको सहयोग करने पर सम्मानित करेगा। इस मौके पर एक यूनिट तैयार की गई और गाम के सभी मेडिकलों पर जाकर समझाया गया अगर कोई भी नशा बेचता पाया गया तो सख्ती से निपटा जायेगा। इस मौके पर पूर्व सरपंच साहब सिंह, दीपक मेहता, सरपंच सुरेश कुमार, सरपंच मुरारी लाल कलोठा, अशोक नंबरदार, धर्म चंद, बाबू राम मिस्त्री, डॉ अनिल अनेजा, डॉ वकील दहिया व कवल अरोड़ा, बंसी लाल, बलिया बंत सिंह, सुशील कुमार, पवन, नितिन अलोका, कम्मू पाटिल, दीप खान, जोनी जॉन जग्गी जोनी अरोड़ा, कुलदीप खान सुनील, लवली, प्रहलाद वर्मा, वकील पाटिल व सैकड़ों की तादाद में ग्रामवासी मौजूद रहे।

# ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस.नयोल पहुंचे रतिया

**रतिया, 19 जून ( अमन सेठी ) :** ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस.नयोल आज रतिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर के टोहाना रोड पर स्थित न्यू गुरूजी कार बाजार के संचालक संदीप ग्रोवर सन्नी के कार्यालय में डीलर्स के व्यापार से संबंधित विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विचार रखे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनका संगठन व्यापारियों की परेशानियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से ट्रेड लाइसेंस बनवाने में आ रही दिक्कतों, जी.एस.टी. प्रणाली में खामियों को दूर करने और साथ ही कार खरीदने और बेचने की प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया कार डीलर एसोसिएशन एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जो भारत में कार डीलरों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन डीलरों को एक साथ लाने, उनकी चिंताओं को संबोधित

करने और उनके व्यवसाय को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए काम करता है। इस अवसर पर संदीप ग्रोवर ने परिचय करवाते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में संगठन निरंतर प्रगति कर रहा है और आगे भी पूरी निष्ठा से कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के डीलर्स भी इस संगठन के साथ जुड़ कर अपने व्यापार का उत्थान कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अनेक डीलरों को संगठन की तरफ से नए सर्टिफिकेट भी वितरीत किए। इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह, आत्मा सैनी, संदीप सिंह, जगदीप, नरेंद्र संधू, रमेश अरोड़ा, भाविक गोयल आदि मौजूद थे।

# रोडवेज कर्मचारियों के साथ मारपीट कर ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

**हिसार, 19 जून ( मनमोहन शर्मा ) :** पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के निर्देशानुसार थाना अग्रोहा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए रोडवेज कर्मचारियों से मारपीट कर ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में तीसरे आरोपी नंगथला निवासी दीपक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी रोडवेज कर्मचारियों के साथ मारपीट कर ड्यूटी में बाधा डालने की वारदात में शामिल था। थाना प्रभारी निरीक्षक रिशाल सिंह ने बताया कि रोडवेज बस के परिचालक कृष्ण कुमार निवासी गांव पाबड़ा ने शिकायत दी कि वह 16 जून 2025 को हरिद्वार से फतेहाबाद आ रही बस में ड्यूटी पर था।

शाम लगभग 7 बजे बस हिसार बस स्टैंड पहुंची। बस में सवार एक युवक और दो युवतियों ने ढढूर पुल के नीचे उतरने को लेकर विवाद किया। जब परिचालक ने टिकट मांगा तो युवक ने मना कर दिया और दुर्व्यवहार किया। बहस के बाद युवकों को ढढूर पुल के नीचे उतार दिया गया, लेकिन थोड़ी देर बाद उनमें से एक युवती ने फोन कर अग्रोहा मोड़ पर 15-20 अन्य युवकों को बुला लिया। जैसे ही बस अग्रोहा मोड़ पहुंची, उक्त युवक बस में चढ़े और परिचालक से मारपीट करने लगे। इस दौरान परिचालक का पैसे व टिकट से भरा बैग गिर गया, वर्दी फाड़ दी गई और बस के शीशे तोड़ दिए गए।

जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत पर थाना अग्रोहा में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले में पहले एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी दीपक को पूछताछ उपरांत पेश अदालत से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया

# एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

**टोहाना, 19 जून ( ब्यूरो ) :** उपमंडल टोहाना में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर के दौरान कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान प्रारंभ कर दिया गया। इस दौरान डीएसपी उमेद सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। एसडीएम

प्रतीक हुड्डा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं को त्वरित और प्रभावी ढंग से हल करने के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लिया जा रहा है ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नागरिकों की समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता और तत्परता दिखाएं। पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम ने बताया कि अधिकतर लोग परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, पेंशन आदि से संबंधित शिकायतों के साथ पहुंचे, जिन्हें गंभीरता से लेकर संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। समाधान शिविर में आए नागरिकों ने कहा शिविर आमजन को सीधे प्रशासन से जुड़ने और अपनी बात रखने का बेहतर माध्यम हैं। उल्लेखनीय है कि समाधान शिविर उपमंडल स्तर पर टोहाना लघु सचिवालय के प्रथम तल पर कक्ष संख्या 22 में सप्ताह में दो दिन — सोमवार एवं वीरवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे।

# डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल के लिए आज और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए 30 जून तक आनलाइन आवेदन करें : प्राचार्य

**नीलोखेड़ी, 19 जून ( सुरेश कुमार मिट्ठू ) :** गुरु ब्रह्मानंद बहुतकनीकी संस्थान में डिप्लोमा इंजीनियरिंग, के लिए 30 जून तक आन लाइन आवेदन किया जा सकता है जबकि डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून है। ज्यादा जानकारी के लिए www.hstes.org.in और www.techedutry.gov.in पर विजिट कर सकते हैं। संस्थान की प्राचार्य बेनू बजाज व दाखिला इंचार्ज रवि सैनी ने बताया कि यह संस्थान उत्तर भारत का सर्वश्रेष्ठ संस्थान है जो की 1947 से विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यरत है। यहां पर इंजीनियरिंग की 6 शाखाएं (सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियर) में 3 वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम संचालित किया जाता है और विज्ञान संकाय से 12वीं, आईटीआई डिप्लोमा धारकों के लिए 2 वर्षीय डिप्लोमा लैटरल एंट्री कार्यक्रम चलाया जाता है। सभी विद्यार्थियों के लिए निशुल्क बस पास

की सुविधा है। एडमिशन पाने वाली छात्राओं और टी एफ डब्ल्यू कैटेगरी के छात्रों के ट्यूशन फीस नहीं लगती है। पीएमएस, प्रगति, सक्षम, इंडियन ऑयल इत्यादि योजनाओं के अंतर्गत स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इस संस्थान के विद्यार्थियों का बहुत सी नामी गिरामी कम्पनियां जैसे मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड, सीपीडीएल चंडीगढ़, शुभम फ्लेक्सिबल पैकेजिंग फरीदाबाद, स्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वी ए आई बैटरी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जिंदल स्टेनलेस स्टील लिमिटेड हिसार, पाईसॉफ्ट इन्फॉर्मेटिक प्राइवेट लिमिटेड मोहाली, टाटा हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड, वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नोएडा और बी एच इलेक्ट्रिक लिमिटेड फरीदाबाद आदि में लगभग सवा सौ विद्यार्थियों का चयन हो चुका है। लगभग 10 कंपनिया जैसे isgech, सिरोको, ATLI, Mahindra and Mahindra, subros आदि, इस संस्थान के बचे हुए बच्चों के चयन के लिए कतार में लगी हुई है। इस संस्थान में कुल 660 सीटें है। जिनमें दाखिले के लिए विद्यार्थियों की होड़ लगी रहती है। इस संस्थान के विद्यार्थियों की सालाना उच्चतम सैलरी पौने पांच लाख रुपए है। दोनों ने बताया की दाखिले के लिए हेल्पडेस्क भी बना दिया गया है। दाखिला इंचार्ज रवि सैनी, संजय, राहुल, सोफिया की पूरी टीम पहली काउंसलिंग में ज्यादा से ज्यादा सीटें भरने के लिए प्रयास जारी हैं।

# महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए विश्व स्तरीय ट्रेनिंग दी जाएगी : नवीन जिन्दल

**बाबैन, 19 जून ( राजेश कुमार ) :** कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने गुरुवार को बहलोलपुर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का किया दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ ग्राम पंचायत बहलोलपुर के अलावा शिक्षकों और नवीन जिंदल फाउंडेशन की टीम के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को विश्वस्तरीय बनाने के विजन पर विचार मंथन किया गया। इस अवसर पर गांव की सरपंच नेहा सैनी, प्रशिक्षण संस्थान के स्टाफ और ग्रामीणों ने सांसद नवीन जिंदल का स्वागत किया और प्रशिक्षण संस्थान को गोद लेने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। सांसद नवीन जिन्दल ने संस्थान के छात्रों, स्टाफ और ग्रामीणों से संवाद कर प्रशिक्षण संस्थान में भविष्य की संभावनाओं को लेकर गहन चर्चा भी की। सांसद नवीन जिन्दल ने इस मौके पर छात्रों से बातचीत भी की। छात्रों ने सांसद नवीन जिन्दल को पढ़ाई में आ रही समस्याओं से अवगत कराया। छात्रों की हर प्रकार की समस्या का समाधान करने के लिए सांसद नवीन जिंदल ने शिक्षकों को निर्देश दिए। सांसद नवीन जिन्दल ने प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, इंफ्रास्ट्रक्चर, दाखिला प्रक्रिया और छात्रों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूरी जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से महिला प्रशिक्षण की संभावनाओं पर बल देते हुए कहा कि आसपास की ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए इस प्रशिक्षण

संस्थान को एक सशक्त मंच के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में जो अलख जगाई, हम उनके नाम पर स्थापित इस संस्थान के माध्यम से उस विरासत को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा स्पष्ट लक्ष्य है कि इस प्रशिक्षण संस्थान को पहले हरियाणा स्तर पर एक उदाहरण बनाया जाएगा, फिर पूरे देश में एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करेंगे और अंततः इसे एक वैश्विक संस्थान के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के सहयोग से इस प्रशिक्षण संस्थान को मजबूत बनाने और युवाओं के भविष्य को बनाने का मुझे सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर सांसद नवीन जिंदल ने यह भी कहा कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन के माध्यम से इस प्रशिक्षण संस्थान में आधुनिक तकनीकी संसाधन, नए-नए कोर्स, प्लेसमेंट सहयोग और डिजिटल साक्षरता जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने स्टाफ से अपील की कि वे इस संस्थान को सिर्फ प्रशिक्षण केंद्र न मानें, बल्कि इसे इस क्षेत्र के गांवों के विकास का प्लेटफॉर्म बनाएं। इस अवसर पर ग्राम सरपंच नेहा सैनी, अमन सैनी, जगदीप वैद, सतबीर सैनी, बलदेव सिंह, नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम के सदस्य, महात्मा ज्योतिबा फुले प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षकगण व विद्यार्थी और अन्य उपस्थित रहे।

# पुलिस ने डोडा पोस्त सहित युवक को किया काबू

**रतिया, 19 जून ( अमन सेठी ) :** पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत रतिया पुलिस ने डोडा पोस्त के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान इकबाल सिंह पुत्र महंता सिंह, निवासी गांव पिलछियां के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक राजबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम पीएसआई पुनीत कुमार के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ के लिए गश्त पर थी। जब टीम

गांव पिलछियां में महमदकी रोड के पास पहुंची, तो देखा कि एक युवक महमदकी की ओर से पैदल आ रहा है। पुलिस को देखकर वह घबरा गया और पीछे मुड़कर जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस ने उसे काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम इकबाल सिंह बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 2 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की कार्यवाही जारी है।

# खेतों में काम करने वाले मजदूर का शव खेत में लगे ट्यूबवेल की पानी की होदी में मिला

**यमुनानगर, 19 जून ( संजीव कुमार ) :** खेतों में काम करने वाले मजदूर का शव खेत में लगे ट्यूबवेल की पानी की होदी में मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। मृतक की पहचान सुरेंद्र कुमार (52) निवासी पांजुपुर के रूप में हुई। मृतक के बेटे रोहित ने बताया कि उसके पिता कल सुबह काम करने के लिए गांव टोडरपुर में गए थे। और पिछले एक महीने से वहीं पर काम पर जाते थे। कल शाम तक वह घर नहीं पहुंचे। तो उनको ढूंढा गया तो पता चला की खेत के ट्यूबवेल पर उनके कपड़े बाहर रखे हुए तो उनका शव पानी की होदी के अंदर फंसा मिला। परिवार वालों ने उनकी मृत्यु पर शक जाहिर किया। सदर थाना यमुनानगर के पुलिस जांच अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि कल सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची व शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन का सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बीएनएस 194 के तहत कार्रवाई की गई। मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आने के बाद ही लगेगा।

# 350वें शहीदी पर्व पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब से 350 सहज पाठ की सेवा हुई आरंभ

## अंबाला के हर गुरुघर से 350 सहज पाठों की सेवा ले संगत-टीपी सिंह

**अंबाला, 19 जून ( कवलजीत सिंह ):** साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज, भाई सतिदास जी, भाई मतिदास जी व भाई दयाला जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित 350 सहज पाठों की लड़ी के पहले दिन आज गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में धार्मिक समागम का आयोजन किया गया। समागम की शुरूआत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में अरदास विनती कर की गई। गुरु साहिब से हुक्मनामा प्राप्त कर समागम को आरंभ किया गया। श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब सेवा सोसाइटी के प्रधान व पूर्व एचएसजीएमसी मेंबर टीपी सिंह ने बताया कि साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज, भाई सतिदास जी, भाई मतिदास जी व भाई दयाला जी का 350वें शहीदी पर्व एचएसजीएमसी की तरफ से पूरी श्रद्धा के साथ बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है। जिसके लिए 350 सहज पाठ संपूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पहले दिन 61 परिवारों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठ करने की सेवा प्राप्त की। वहीं इसके साथ शहर के विभिन्न गुरुद्वारा साहिबों से सहज पाठ की सेवा करने के लिए फोन आए। उन्होंने बताया कि जो 350 सहज पाठ की सेवा के लिए संगत की तरफ से लक्ष्य रखा गया था, वह जल्द ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि संगत 'घर-घर अंदर धरमसाल, होवै कीर्तन सदा विसोआ' के महावाकों को सार्थक साबित कर रही है। सहज पाठ की सेवा से हर घर गुरु का घर बन जाएगा, जहां हमेशा गुरु की उस्तत होगी। इस दौरान ज्ञानी शेर सिंह, मेंबर गुरतेज सिंह, मैनेजर मंजी साहिब प्रितपाल सिंह, भाई सतनाम सिंह ग्रंथी गुरुद्वारा मंजी साहिब, भाई निरवैर सिंह, भाई गुरदयाल सिंह, भाई गुरइंदरदीप सिंह, सतिंदर पाल सिंह बंटी ,प्रीतम सिंह ,मोंटी बिंद्रा,मनजीत सिंह बब्बू चेयरमैन श्री गुरु हरिगोबिंद साहिब सेवा सोसाइटी, कुलविंदर कौर, रविंद्र सिंह भाटिया प्रेम नगर से, जेजे सिंह व जेपी सिंह जग्गी कॉलोनी, परमजीत कौर, तरविंदरजीत सिंह मॉडल टाउन, पाहवा कार्ड वाले, मनजीत सिंह, साहब सिंह गोबिंदपुरा साहिब, हरवीर सिंह, जसविंदर कौर सतिसंगत साहिब साहिब अन्य मौजूद रहे।

**गुरु पर पूरा विश्वास हो तो कोई आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता - ज्ञानी शेर सिंह**

समागम के दौरान विशेष तौर पर मौजूद रहे महान कथावाचक ज्ञानी शेर सिंह ने संगत को श्री गुरु तेग बहादुर जी की जीवनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने संगत को ज्यादा से ज्यादा गुरबाणी पढ़ने, सुनने व विचारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें गुरु जी का 350वां शहीदी पर्व पूरी श्रद्धा के साथ मनाना है और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि स्थिति चाहे कैसी भी हो यदि गुरु पर पूरा विश्वास हो तो कोई आपका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। इसके साथ ही उन्होंने 22 जून को गुरुद्वारा शीशगंज साहिब से सजाए जाने वाले नगर कीर्तन में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि यह नगर कीर्तन श्री गुरु तेग बहादुर जी की चरण छोह प्राप्त स्थानों पर जाएगा और उनकी शिक्षाओं का प्रचार करेगा। भाई बलविंदर सिंह व भाई भगवान सिंह ने पोथियों की सेवा संभाल की जानकारी दी । सहज पाठ सेवा लहर की तरफ से बलविंदर सिंह भगवान सिंह ने संगत को गुरबाणी की पोथियों की सेवा संभाल के बारे में जानकारी दी। समागम के दौरान कई परिवारों को पोथियां प्रदान की गई थी। वहीं संगत को यह बताया गया कि उन्हें पोथियों को किस प्रकार रूमाला साहिब में संभाल कर ऊंचे स्थान पर रखना है। ताकि किसी प्रकार की बेअदबी न हो। इसके साथ ही संगत को बताया गया कि जिस कमरे में गुरु जी की पोथियां रखी जाएं वहां कोई भी जूते लेकर न जाए और रोजाना पोथियों के रूमाला साहिब को बदला जाए। जिन परिवारों को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पोथियां चाहिए थी उन्हें पोथियां प्रदान की गई। पोथियां देते समय प्राप्त करने वाली संगत को पूरी रहत मर्यादा की जानकारी दी कि उन्हें गुरबाणी की पोथियों की सेवा संभाल कैसे करनी है ।गुरमत समागम लहर का अगला कार्यक्रम 21 जून को राम नगर, पालिका विहार गुरुद्वारा साहिब में सुबह 7 से 9 बजे होगा । गुरुद्वारा मंजी साहिब के ग्रंथी सतनाम सिंह ने बताया कि गुरमत समागम लहर का अगला कार्यक्रम गुरुद्वारा रामनगर पालिका विहार में 21 जून को सुबह 7 से 9 बजे तक 2 घंटे के लिए मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही अगले महीने से 51 अखंड पाठ साहिबों की लड़ी भी शुरू की जानी है। वहीं उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की जीवनी, श्लोक महना नौवां संबंधी प्रश्नोतरी संगत को बांटी गई ।टीपी सिंह ने किया संगत का धन्यवाद कार्यक्रम के अंत में टीपी सिंह ने आज के समागम को सफल बनाने के लिए अंबाला शहर के समूह गुरुद्वारा साहिब से आए सेवक जत्थों, स्त्री सत्संग सोसाइटीज, सिंह सभा सोसाइटीज, सहित एचएसजीएमसी अध्यक्ष व गुरुद्वारा मंजी साहिब के समस्त स्टाफ का धन्यवाद किया।

# ब्रैम्पटन ( कनाडा ) पहुंचने पर पंजाबी सभा द्वारा अमृतपाल सिंह दर्दी का हार्दिक स्वागत

ब्रैम्पटन 19 जून (निस) चढ़दीकला टाइम टीवी चैनल के डायरेक्टर अमृतपाल सिंह दर्दी का ब्रैम्पटन (कैनेडा) पहुंचने पर विशीकरण पंजाबी सभा कैनेडा द्वारा हार्दिक स्वागत किया गया। यहां पर उल्लेखनीय है कि श्री अमृतपाल सिंह दर्दी ब्रैम्पटन में हो रही छठी अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी कान्फ्रेंस में भाग लेने के लिए आए हैं। यह कान्फ्रेंस 20, 21 एवं 22 जून को विश्व पंजाबी भवन 114 कनेडी रोड ब्रैम्पटन में आयोजित की जा रही है। यह कान्फ्रेंस पंजाबी डायसपोरा पंजाबी भाषा, साहित्य एवं सभ्याचार विषय पर करवायी जा रही है। इस कान्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमृतपाल सिंह दर्दी को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। ब्रैम्पटन पहुंचने पर श्री अमृतपाल सिंह दर्दी का स्वागत विश्व पंजाबी सभा कैनेडा के चेयरमैन डा. दलबीर सिंह कथूरिया, कोआर्डिनेटर बलबीर कौर रायकोटी, वर्ल्ड पंजाबी सेंटर के डायरेक्टर डा. भीम इन्द्र सिंह एवं कान्फ्रेंस के मुख्य सलाहकार डा. गुरप्रीत कौर द्वारा गुलदस्ते भेंट करके किया गया। इस समय उनके साथ प्राइम एशिया चैनल के पत्रकार श्री जसविन्द्र सिंह बिट्टा भी मौजूद थे।

# कृष्ण कालोनी से ब्लाइंड मर्डर मामले में आरोपी गिरफ्तार

**हांसी,19 जून ( मनमोहन शर्मा ):** पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार जिला भर अपराधो पर लगाम लगाते हुए थाना शहर पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर मामले की गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी जगदीश उर्फ जग्गु पुत्र दयानन्द निवासी कृष्णा कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनाँक 27.05.25 को थाना शहर हांसी में सूचना प्राप्त हुई कि अनाज मण्डी हांसी की खंडहर दुकान में एक मृत व्यक्ति का शव पड़ा है। मृतक पहचान रोहित पुत्र प्रेम कुमार वासी मोहल्ला गंजा बाग हांसी के रूप में हुई। पोस्टमार्टम के दौरान मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले। पोस्टमार्टम के आधारवलर थाना शहर हांसी ने सुसंगत धाराओं में अभियोग अंकित किया गया ।अभियोग में जांच के दौरान पुलिस ने गहनता से जांच करते सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई। फुटेज में मृतक रोहित 26 मई 2025 को जगदीश ञ्च जगु पुत्र दयानंद निवासी कृष्णा कालोनी हांसी के मोटरसाइकिल पर बैठा हुआ दिखाई दिया। जगदीश ञ्च जगु0को हिरासत में लेकर पुछताछी की गई। जिसमें सामने आया कि इन्होंने पहले नशा किया। फिर और नशा करने के लिए पैसे को लेकर इनका झगड़ा हुआ। जिसमें रोहित को जगदीश उर्फ जग्गू ने धक्का दिया और वह गिर गया। और जगदीश ञ्च जगु ने रोहित की जेब से मैने मोबाइल और कुछ पैसे निकाल लिए। आरोपी जगदीश ञ्च जगु को पूछताछ उपरांत पेश अदालत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । मामले में आगामी जांच जारी है ।

# प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को योग के साथ जोड़ना चाहते हैं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी : संजीव वर्मा

## आयुष विभाग के महानिदेशक संजीव वर्मा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा व उपायुक्त नेहा सिंह ने राज्य स्तरीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

**21 जून को राज्य स्तरीय योग दिवस पर पहुंचेंगे 1 लाख से ज्यादा लोग,प्रशासन की तरफ से होंगे सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम**

**कुरुक्षेत्र, 19 जून ( सुदेश कुमार )** : हरियाणा आयुष विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा ने कहा कि प्रदेश के प्र्त्येक नागरिक को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी योग के साथ जोडऩा चाहते हैं। इसलिए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कुरुक्षेत्र में जहां एक लाख लोगों के साथ राज्य स्तरीय योग दिवस मनाया जाएगा, वहीं प्रदेश के सभी जिलों में कुल 11 लाख से ज्यादा लोग योग करेंगे। महानिदेशक संजीव वर्मा वीरवार को केडीबी कार्यालय के सभागार में राज्य स्तरीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले महानिदेशक संजीव वर्मा ने राज्य स्तरीय योग दिवस पर एक लाख लोगों को लाने-लेजाने, किस-किस संस्था से कितने-कितने लोग पहुंचेंगे, उनके साधनों की व्यवस्था पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, और हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य से चर्चा की और अधिकारियों को कुछ आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने आयुष विभाग, खेल विभाग, पुलिस विभाग, पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त आदेश देते हुए कहा कि 21 जून को सुबह 4 बजे योग के लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही शिक्षा विभाग की तरफ से आने वाले 40 हजार से ज्यादा विद्यार्थी और शिक्षक भी निर्धारित समय पर आकर अपने-अपने ब्लॉक में बैठना सुनिश्चित करेंगे, ताकि राज्य स्तरीय योग दिवस निर्धारित समय पर शुरू हो सके। इस मामले में जरा सी भी कोताही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि एसडीएम अपने-अपने उपमंडल के नोडल अधिकारी होंगे और उपमंडल से अधिकारियों, कर्मचारियों, संस्थाओं से प्रतिनिधियों से ताल-मेल कर लोगों को राज्य स्तरीय योग दिवस के कार्यक्रम में समय पर पहुंचने की व्यवस्था करेंगे। इसके अलावा जिला नगर आयुक्त व सीईओ केडीबी ब्रह्मसरोवर व आसपास के क्षेत्र की सफाई व्यवस्था पर पूरा फोक्स रखेंगे, क्योंकि स्वच्छता भी योग से जुड़ा हुआ एक पहलू है, पुलिस प्रशासन ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखेंगे, थीम पार्क और अनाज मंडी के साथ-साथ अन्य पार्किंग स्थलों पर वाहनों को पहुंचाने की व्यवस्था करेंगे। महानिदेशक ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ब्रह्मसरोवर व मेला क्षेत्र के आसपास चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के साथ-साथ मेडिकल बूथ बनाएंगे और दवाइयां भी उपलब्ध करवाएंगे। यह राज्य स्तरीय योग दिवस आमजन का योग दिवस है। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचकर इन ऐतिहासिक लम्हों के साक्षी बनें।

**योग के रंगों से भरा हुआ नजर आएगा धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र : सुभाष सुधा**

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 को लेकर 21 जून को कुरुक्षेत्र की पावन धरा योग के रंगों से रंगी नजर आएगी। इस राज्य स्तरीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री नायब ड्क्षसह सैनी लोगों के साथ योग करेंगे और यह क्षण कुरुक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और यादगार होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय योग दिवस पर ट्रैफिक व्यवस्था, वाहनों की व्यवस्थाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस रखने की जरूरत होगी। इन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आईएमए भी अपना सहयोग देने के लिए तैयार है।

**ब्रह्मसरोवर व मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के रहेंगे पुख्ता इंतजाम : नेहा सिंह**

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि 21 जून को राज्य स्तरीय योग दिवस को लेकर ब्रह्मसरोवर व मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम होंगे। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और सेक्टर अनुसार नोडल अधिकारी व सेक्टर अधिकारियों की ड्यूटियां लगा दी गई है और वाहनों के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित कर दिए गए हैं।

**योग साधक निर्धारित समय पर पहुंचकर बनाए सफल : डा. जयदीप आर्य**

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए सभी योग साधकों को पहुंचना होगा और सेक्टर अनुसार योग साधक बैठना सुनिश्चित करें। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एडीसी सोनू भट्ट, एसडीएम अमन कुमार, एसडीएम कपिल शर्मा, एसडीएम डा. चिनार चहल, एसडीएम पंकज सेतिया, डीएमसी सतेंद्र सिवाच, नगराधीश डा. रमन गुप्ता, डीएसपी सुनील कुमार, डीएओ डा. सुदेश जाटियान, डीएओ करनाल डा. सतपाल, डीएसओ मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

# जल को व्यर्थ न बहाएं, बल्कि इसका संचयन एवं संरक्षण करें : केंद्रीय नोडल ऑफिसर भूमिका वर्मा

**कैथल, 19 जून ( प्रवेश बहादुर ):** जल शक्ति अभियान के तहत जिला कैथल की केंद्रीय नोडल ऑफिसर भूमिका वर्मा ने वीरवार को विभिन्न गांवों का दौरा किया और विभिन्न विभागों द्वारा जल संचयन एवं संवर्धन की दिशा में किए जा रहे कार्यों का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जमीनी स्तर पर चल रही परियोजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं और उनके अपेक्षित परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और ग्रामीणों को जल संचय, जन भागीदारी, जन जागरूकता का संदेश दिया। टीम ने विशेष रूप से फ्रांसवाला, चक्कपाडला छौत, नैना, टीक आदि गांव में जाकर जल शक्ति अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने फ्रांसवाला में जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए जल घरों का निरीक्षण किया तथा बारीकी से जानकारी हासिल की। इसके साथ ही ग्रामीणों का आह्वान किया वे टेस्टिंग किट के माध्यम से स्वयं पानी की गुणवता की जांच कर सकते हैं। यदि 24 घंटे के बाद सेंपल फेल आता है तो इसकी सूचना जन स्वास्थ्य विभाग को दें। हमारा मुख्य उद्देश्य हर घर में नल और हर नल में स्वच्छ जल पहुंचाना है। यहां पर ग्रामीणों द्वारा नए ट्यूबल लगाने की मांग की। जिस पर उन्होंने संबंधित विभाग को एस्टीमेट बनाकर भेजने को कहा। इसके अलावा उन्होंने स्कूल में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का भी निरीक्षण किया और इसके उचित रखरखाव को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद केंद्रीय नोडल ऑफिसर भूमिका वर्मा ने चक्कपाडला छौत में भी जलघर का निरीक्षण किया। इसके साथ ही पंचायत घर में ग्रामीणों के साथ बातचीत की।

सालगिरह मुबारक

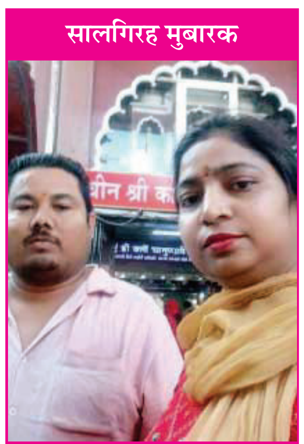

वीरेंद्र और बमलेश को शादी की सालगिरह मुबारक हो।

# कलायत में नंबरदार संजय सिंगला के पार्षद पद की सदस्यता ज्यों की ज्यों रहेगी कायम

**राज्य चुनाव आयोग ने जिला उपायुक्त को पत्र भेजे हुए सिंगला को दी क्लीन चिट**

**कलायत, 19 जून ( सूबे सिंह ) :** कलायत नगर पालिका वार्ड 10 से महज एक वोट के अंतर से पार्षद चुनाव में जीत दर्ज करने वाले संजय सिंगला की नंबदारदार के साथ-साथ पार्षद के तौर पर सदस्यता ज्यों की त्यों बनी रहेगी। उनके मुकाबले चुनाव लडऩे वाले विनोद गर्ग ने राज्य चुनाव आयोग के साथ-साथ अलग-अलग स्तरों पर चुनौती दी। राज्य चुनाव आयोग ने इस संबंध में जिला उपायुक्त कैथल और शिकायतकर्ता विनोद कुमार को पत्र भेजा है। इसमें हरियाणा नगरपालिका अधिनियम, 1973 की धारा 13 ए (1) (ए) और (बी) में निहित प्रावधान, हरियाणा राज्य विधान (अयोग्यता निवारण) अधिनियम और 1974 की धारा 3 (1) (ए) का हवाला दिया है। इसके साथ ही भारत सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 29 नवंबर 2010 के आदेश का हवाला दिया है। इसमें अनोख सिंह बनाम पंजाब राज्य चुनाव आयोग शीर्षक वाले मामले में पारित किया गया था। इसके अनुसार नंबरदार का पद लाभ के पद की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता है। इस प्रकार राज्य चुनाव आयोग हरियाणा इस मामले में वार्ड 10 से पार्षद संजय सिंगला के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू नहीं कर सकता है। आयोग ने पत्र की एक-एक प्रति शहरी स्थानीय निकाय हरियाणा निदेशक सूचना एवं आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी जाती है। साथ ही स्थिति से कलायत एसडीएम और नगर पालिका सचिव को अवगत करवाया है। कलायत निवासी विनोद गर्ग की शिकायत राज्य चुनाव आयोग को प्राप्त हुई थी। इसमें वार्ड 10 से पार्षद निर्वाचित होने वाले नंबरदार संजय सिंगला की सदस्यता पर एतराज जताया गया था। उनका कहना था कि सिंगला ने नंबरदार रहते हुए पार्षद का चुनाव लड़ा। एक व्यक्ति दो पदों पर नहीं रह सकता। इसलिए उन्होंने सदस्यता को रद्द करने की मांग की थी। राज्य चुनाव आयोग ने संजय सिंगला की सदस्यता को सही करार दिया है। इससे राज्य में उन नंबरदारों को भी बड़ी राहत मिली है जिनकी पार्षद सदस्यता पर दो पदों का तर्क देते हुए खतरा बना हुआ था।

**वेतन नहीं मानदेय लेता है नंबरदार : आयुक्त**

राज्य चुवाव आयोग के आयुक्त धनपत सिंह के अनुसार एक नंबरदार किसी नगर निगम/परिषद/समिति के वार्ड के सदस्य या किसी नगर परिषद/समिति के अध्यक्ष या किसी निगम के मेयर के रूप में चुनाव लड़ सकता है। शर्त यह है कि वह वहां का मतदाता और उम्मीदवार के लिए निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो। नगर निगम चुनाव नियम 8 (एच) और नगर निगम चुनाव नियम 21 (डी) के अनुसार यदि कोई उम्मीदवार किसी भी सरकार के तहत लाभ का कोई पद रखता है तो उसे चुनाव लड़ने से वंचित किया जाएगा। चूंकि नंबरदार सरकार से कोई वेतन नहीं ले रहा है उसे केवल मानदेय दिया जाता है। इसलिए वह चुनाव लड़ सकता है और जन प्रतिनिधि के पद बना रह सकता है।